हैप्पी फादर्स-डे

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

65 हस्तियों को मंगलवार को मिलेगा पद्म पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार शाम 5 बजे राष्ट्रपति भवन में आयोजित दूसरे नागरिक अलंकरण समारोह में 65 मशहूर हस्तियों को प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों से सम्मानित करेंगी। इस भव्य समारोह में दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण और 56 पद्म श्री पुरस्कार दिए जाएंगे। पूर्व न्यायाधीश के.टी. थॉमस को पद्म विभूषण मिलेगा।

मंदिर का सभा मंडप गिरा, 7 लोगों की मौत

परभणी। परभणी के मानवत तालुका के यशवाड़ी में मशहूर हनुमान मंदिर के सामने बना सभा मंडप गिर गया है। इस हादसे में कम से कम सात भक्तों की मौत हो गई और अन्य 40 घायल हो गए। मंडप के नीचे फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकालने के लिए युद्ध स्तर पर बचाव कार्य चल रहा है। घायलों को अस्पताल भेजा गया है।

परीक्षा की पूर्व में एनटीए ने किया पारदर्शिता संग एक साथ-सुथरे और सुरक्षित अंदाज में परीक्षा कराने का दावा

1 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में 95 हजार कक्षाओं में होगी नीट परीक्षा

- बोली एजेंसी, सभी आवश्यक तैयारियां हुई मुकम्मल, देश-विदेश मिलाकर 5440 केंद्रों पर होगी परीक्षा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पेपरलीक के बाद रविवार को फिर से होने वाली नीट-यूजी की प्रवेश परीक्षा को लेकर राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को यह दावा किया है कि इस बार परीक्षा का आयोजन पूरी पारदर्शिता के साथ एक स्पष्ट और सुरक्षित माहौल में कराया जाएगा। जिसके लिए जरूरी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। 21 जून को यह परीक्षा देश-विदेश में बनाए गए कुल 5 हजार 440 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। जिसमें भारत के 551 शहरों में बनाए गए केंद्रों पर परीक्षा होगी। जबकि विदेशों में बनाए गए 14 केंद्रों पर भी नीट-यूजी परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। एनटीए ने कहा कि परीक्षा अंग्रेजी के साथ ही 12 अन्य भारतीय भाषाओं में भी होगी। गौरतलब है कि इस साल 3 मई को देशभर में नीट की परीक्षा हुई थी। जो कुछ दिन बाद पेपरलीक की वजह से केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर एनटीए ने रद्द कर दी थी। साथ ही इसके दोबारा आयोजन के लिए 21 जून की तारीख का ऐलान किया था। पेपरलीक के ▶▶ शेष पेज 5 पर

पर्यवेक्षकों का आंकड़ा होगा 6,700

एनटीए ने परीक्षा केंद्रों पर कुल 6 हजार 700 पर्यवेक्षकों की तैनाती की है। जिन्हें 100 वर्चुअल पर्यवेक्षकों की सहायता भी मिलेगी। यह सब मिलकर सीसीटीवी कैमरों से मिलने वाली लाइव फुटेज पर निगरानी रखेंगे। एआई आधारित टूल्स के माध्यम से भी फुटेज का सभी स्तरों पर अतिरिक्त रूप से निगरानी के साथ विश्लेषण किया जाएगा।

हर केंद्र पर सुरक्षा का जिम्मा संभालेंगे 50 सैन्यकर्मी

परीक्षा के सुरक्षा घेरे को 360 डिग्री मजबूत बनाने के लिए राज्य, जिला प्रशासन के अलावा अर्धसैन्यबलों, भारतीय वायुसेना और डाक विभाग के कर्मियों की भी व्यापक रूप ▶▶ शेष पेज 5 पर

मॉक ड्रिल से पूरे सिस्टम की जांच हुई

इन सबके बीच एनटीए ने कहा कि परीक्षा के पहले 20 जून को इस पूरे सिस्टम की विस्तृत जांच करने के लिए एक मॉक ड्रिल आयोजित की गई थी। जिसमें जैमर, सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। साथ ही फ्रिस्किंग करने वाले और बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन से जुड़े स्टाफ ने चयनित बैंकों में सुरक्षित रखे गए गोपनीय सामग्री के पुख्ता रूप से सुरक्षित होने और परीक्षा के लिए उसकी उपलब्धता बने रहने की पुष्टि की है।

छात्रों के लिए मौजूद रहेगा पीने का पानी, ओआरएस

मौसम के लिहाज से परीक्षा केंद्रों पर छात्र-छात्राओं को कोई परेशानी न हो। उसके लिए एनटीए ने प्रत्येक केंद्र पर पीने के पानी के अलावा, ओआरएस के पैकेट, एंबुलेंस और परीक्षा से पहले इंतजार करने के लिए बैठने की शेड ▶▶ शेष पेज 5 पर

परीक्षा से एक दिन पहले मामले के तूल पकड़ने के बाद एनटीए ने बताई पूरी कहानी

एनटीए ने नहीं, नागपुर के छात्र की पसंद थी नीट परीक्षा के लिए अबू धाबी का केंद्र

त्वरित कार्यवाही के साथ छात्र को अलॉट किया गया नागपुर में ही एक परीक्षा केंद्र

हरिभूमि ब्यूरो.नई दिल्ली। रविवार को एक बार फिर से होने वाली नीट-यूजी की प्रवेश परीक्षा को लेकर राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नागपुर के एक छात्र को अबू धाबी का केंद्र अलाट किए जाने के मामले की पूरी तफ्सील से जानकारी दी है। जिसमें एजेंसी ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह स्पष्ट किया कि उसके द्वारा अपने आप छात्र को अबू धाबी का परीक्षा केंद्र नहीं दिया गया था। बल्कि पेपर लीक के बाद पुनः परीक्षा की तारीख 21 जून तय होने के बाद छात्र ने खुद ही इसे चुना था। इतना ही नहीं अबू धाबी के केंद्र की उसने दो बार एनटीए की साइट पर जाकर पड़ताल भी की थी। यह मामला संज्ञान में आने के बाद एजेंसी ने तुरंत कार्यवाही करते हुए छात्र को नागपुर का ही एक केंद्र अलॉट कर दिया है। जहां पर जाकर वह अपनी परीक्षा दे सकता है। मामले पर लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

पिता ने लगाई थी एनटीए से गुहार

दरअसल यह पूरा मामला महाराष्ट्र के नागपुर के रहने वाले एक नीट अभ्यर्थी अब्दुल्ला मोहम्मद तालिब से जुड़ा हुआ है। जिसके पिता ने मीडिया से बातचीत में यह दावा किया कि बीते शुक्रवार को परीक्षा के एडमिट कार्ड को डाउनलोड करने के बाद हमें पता चला कि हमारे बेटे को अबू धाबी का एक केंद्र दिया गया है। जिससे हम हैरान रह गए क्योंकि हमने ऐसा कोई विकल्प नहीं चुना था। अब हमारे बेटे के पास न तो कोई पासपोर्ट है और न ही हमारे पास उसे विदेश जाकर परीक्षा देने के लिए पैसे हैं। उन्होंने एनटीए से अपील की कि वह परीक्षा के लिए उनके बेटे को नागपुर के ही किसी केंद्र को अलॉट कर दे। जिससे वह अपने राज्य से ही यह परीक्षा दे सके। तालिब के पिता ने यह भी कहा कि अबू धाबी का केंद्र मिलने से उनका बेटा अब यह परीक्षा देने का इच्छुक नहीं है। लेकिन हम उसे समझाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। वहीं, उन्होंने यह भी बताया कि मामले पर जब हमने मदद के लिए हेल्पलाइन ▶▶ शेष पेज 5 पर

नई दिल्ली में अपने दूसरे प्रदर्शन के पहले दिन अभिजीत दीपके ने लोगों से की जेल भरने की अपील

शिक्षा मंत्री प्रधान के इस्तीफे तक नहीं छोड़ेंगे जंतर मंतर: कॉकरोच जनता पार्टी

- दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से जंतर मंतर खाली करने को कहा, नहीं माने प्रदर्शकारी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी ने नई दिल्ली में अपने दूसरे प्रदर्शन के पहले दिन जंतर मंतर से नहीं हटने का ऐलान किया। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके ने घोषणा की है कि वो शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े तक जंतर-मंतर नहीं छोड़ेंगे। वहीं दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द प्रदर्शन स्थल को खाली करें। दीपके ने कहा अगर थाली पीटने से कोरोना खत्म हो सकता है, तो शिक्षा मंत्री को हटाने के लिए भी थाली पीटनी चाहिए। उन्होंने कहा- लाठीचार्ज या गिरफ्तारी हो, वे प्रधान के इस्तीफे तक यहां से नहीं हटेंगे। उन्होंने जेल भरने की अपील की। देर रात खबर लिखे जाने तक प्रदर्शनकारी जंतर मंतर पर डटे हुए थे। सीजेपी ने शनिवार शाम क़रीब 5.30 बजे एक्स पर लिखा, दिल्ली पुलिस एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन को अवैध घोषित करने की कोशिश कर रही है। आखिर शांति कब से गैरकानूनी हो गई, दिल्ली पुलिस? पिछले प्रदर्शन के मुक़ाबले इस बार लोग कुछ कम थे लेकिन फिर भी काफ़ी संख्या में लोग थे, लेकिन शाम होते-होते इनकी संख्या कम हो गई। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मंच से केंद्र सरकार से शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग की। इसके अलावा पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने भी मंच से अपनी बात रखी और उन्होंने पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को भी उठाया, हालांकि शाम को सोनम वांगचुक प्रदर्शन स्थल से चले गए। प्रदर्शनकारियों ने थाली बजाकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के विरोध में गो-प्रधान-गो के नारे लगाए। समय पूरा होने के बाद पहुंची दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से जाने के लिए कहा और उनसे थाली लेने की कोशिश ▶▶ शेष पेज 5 पर

राष्ट्रपति मुर्मू जबलपुर में करेंगी योग, सीएम व तीन मंत्री भी रहेंगे मौजूद

- गैरिसन ग्राउंड में सुबह 7 :30 बजे से आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मध्यप्रदेश के जबलपुर शहर में रविवार को 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगी। इस मौके पर मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव व तीन अन्य मंत्री भी मौजूद रहेंगे। योग कार्यक्रम जबलपुर में सदर स्थित गैरिसन ग्राउंड में सुबह 7:30 बजे से आयोजित किया जाएगा। योग में लगभग 5 हजार लोग शामिल होंगे। साथ ही 31 स्कूलों के लगभग 3 हजार 400 छात्र-छात्राएं भी शामिल होंगी। योग दिवस कार्यक्रम में राज्यपाल पटेल, सीएम डॉ. यादव, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, ▶▶ शेष पेज 5 पर

वैश्विक आंदोलन बना योग...शुरुआत वर्ष 2015 में हुई थी

190 से अधिक देशों में मनाया जाएगा आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) की शुरुआत वर्ष 2015 में हुई थी। पिछले 11 वर्षों में यह संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त एक वार्षिक आयोजन से आगे बढ़कर दुनिया के सबसे बड़े सहभागी आरोग्य आंदोलनों में शामिल हो गया है। योग के माध्यम से विभिन्न देशों, संस्कृतियों और समुदायों के लाखों लोग एक साझा मंच पर जुड़ रहे हैं। वर्ष 2026 के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' रखी गई है, जो निवारक स्वास्थ्य देखभाल, सक्रिय जीवनशैली और दीर्घकालिक आरोग्य को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था। इस संबंध में प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में रखा था, जिसे 175 सदस्य देशों का समर्थन मिला। पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया। इसके बाद वर्ष 2016 में यूनेस्को ने योग को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया। इस मान्यता ने वैश्विक आरोग्य के क्षेत्र में भारत ▶▶ शेष पेज 5 पर

पतंजलि®   PATANJALI®

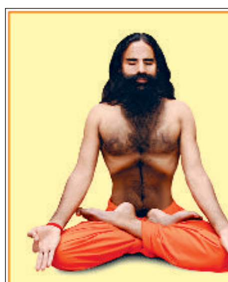

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग आह्वान

मूलतः हम सब भारतवासियों के पूर्वज योगी थे। काल के प्रवाह में भले ही अब भिन्न पंथों, जाति, वर्ग, समुदायों के रूप में दिख रहे हों। अतः अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञ रहें तथा कृतघ्नता के पाप से बचें। सामूहिक रूप से योग करें एवं 10-20-50-100 लोगों को करायें एवं फोटो, रील आदि सोशल मीडिया पर शेयर करें। हर गांव, शहर, गली-मोहल्ला में योग के छोटे-छोटे कार्यक्रम करें।

योग, आयुर्वेद व स्वदेशी से आत्मनिर्भर भारत का संकल्प करें व करवायें।

विरोध– योग, आयुर्वेद, स्वदेशी व सनातन संस्कृति का षड्यंत्र पूर्वक भयंकर विरोध व विध्वंस करने में बहुत–सी आसुरी शक्तियां लगी हैं। राष्ट्रवादी सच्ची सनातनी आत्माओं को पूरी ताकत के साथ इस देवासुर संग्राम, धर्मयुद्ध में पतंजलि व पूजनीय स्वामी रामदेव जी का 100% साथ देना चाहिए। यतो धर्म : ततो जय :, सत्यमेव जयते।

लूट– ऑक्सफैम इंटरनेशनल से लेकर किसी भी AI (ए.आई.) टूल से सर्च करेंगे, तो पाएंगे कि मात्र विगत् 200-250 सालों में 100 ट्रिलियन से अधिक तो विदेशी कम्पनियों ने देश की आर्थिक लूट की है। महान भारत देश को एम.एन.सी. की आर्थिक गुलामी, मैकाले की शिक्षा की गुलामी, वैचारिक व सांस्कृतिक गुलामी में देश को धकेल कर पतन की पराकाष्ठा में पहुंचा दिया। 500-1000 साल पहले के स्वर्णिम काल की गौरवशाली स्मृति के साथ एक महान विकसित भारत बनाने के लिए हम सब संकल्पित होकर अखंड, प्रचंड पुरुषार्थ करें ताकि भारत की विरोधी शक्तियों को परास्त कर सकें और अपने पूर्वज ऋषि–ऋषिकाओं व शहीदों के सपनों का भारत बनायें।

पतंजलि का योगदान– पूजनीय योगऋषि स्वामी रामदेव जी व पूजनीय आचार्य श्री बालकृष्ण जी व पतंजलि के पुरुषार्थ से आज पूरे विश्व में योग–आयुर्वेद, स्वदेशी व सनातन संस्कृति का समग्र गौरव सम्पूर्ण विश्व में पहुंचा है। हरिद्वार से लेकर देश व दुनिया तक, इस महान सेवा में लाखों करोड़ों की चैरिटी पतंजलि ने की है। लगभग 10 हजार रिसर्च प्रोटोकॉल फॉलो करके 500+ रिसर्च पेपर इंटरनेशनल जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पतंजलि विश्वविद्यालय, भारतीय शिक्षा बोर्ड (BSB), पतंजलि कैरियर एकेडमी, पतंजलि सिविल सर्विसेस एकेडमी (PCSA), पतंजलि वेलनेस, योगग्राम, निरामयम्, पतंजलि रिसर्च फाउण्डेशन, गौशाला, पतंजलि के राष्ट्रव्यापी संगठन में करोड़ों कार्यकर्ताओं की निष्काम सेवा व तप से आज एक कालजयी ऐतिहासिक सेवा चल रही है। सैकड़ों संन्यासियों का तप, लाखों कर्मयोगी भाई–बहनों की निष्काम सेवा एवं आप सभी करोड़ों देशवासियों का आशीर्वाद ही हमारा एकमात्र सम्बल है और हमारा संकल्प है कि हम अन्तिम श्वास तक भारत माता व मानवता की सेवा में अपना सर्वस्व आहूत करते रहेंगे।

पतंजलि से जुड़कर हमारी सेवाओं का लाभ उठायें। योगत्व, रामत्व, कृष्णत्व तथा शिवत्व आदि को अपने स्वभाव व आचरण में अपनायें। क्योंकि सनातन धर्म हमारे आचरण का विषय है, मात्र प्रवचन का नहीं।

प्रतिदिन आस्था चैनल व इंडिया टीवी या यूट्यूब आदि से जुड़कर योग अवश्य करें।

आस्था LIVE प्रतिदिन सुबह 5:00 से 7:30 और रात 8:00 बजे | संस्कार रोज रात 9:00 बजे | INDIA TV रोज सुबह 8:00 बजे | YouTube Swami Ramdev | Acharya Bal Krishna

पतंजलि के हेल्दी प्रोडक्ट्स ख़रीदनें व रिसर्च एवं एविडेंस–बेस्ड मेडिसिन से रोगों को जड़ से मिटाने के लिए गूगल पर Patanjali Store Near Me (पतंजलि स्टोर नियर मी) सर्च करें। पतंजलि के सभी स्वदेशी प्रोडक्ट्स जैसे– गाय का घी, दन्त कान्ति, हनी, केश कान्ति, शर्बत, जूस आदि देश के सभी प्रमुख स्टोर्स पर उपलब्ध हैं। जहाँ उपलब्ध नहीं है वहाँ आप दुकानदार से पतंजलि के प्रोडक्ट्स रखने के लिए निवेदन करें।

पतंजलि की सभी प्रमुख संस्थानों की वेबसाइट पर जाकर अधिक जानकारी प्राप्त करें।

पतंजलि वेलनेस में आकर आरोग्य का लाभ प्राप्त करें, रजिस्ट्रेशन हेतु सम्पर्क करें– 8954-666-111

भारतीय शिक्षा बोर्ड व पतंजलि सिविल सर्विसेस एकेडमी हेतु सम्पर्क करें– 8954-555-999

शालीमार बाग इलाके में हुई वारदात

चाकू घोंपकर मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

नॉर्थ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के शालीमार बाग इलाके की एक झुग्गी बस्ती में मानसिक रूप से अस्वस्थ अधेड़ उम्र के व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने वारदात में शामिल रहे एक आरोपी गिरफ्तार को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 19/20 जून रात शालीमार बाग थाने को चाकू मारने की घटना के बारे में एक पीसीआर कॉल मिली। पुलिस तुरंत झुग्गी नंबर टी-40, इंदिरा कॉलोनी टी-हट्स, शालीमार बाग के पास घटनास्थल पर पहुंची। घायल व्यक्ति जिसकी पहचान बिजेंद्र उर्फ बेहरा उर्फ पागल (50) के रूप में हुई। उसे पीसीआर स्टाफ द्वारा बाबू जगजीवन राम अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया गया। क्राइम और एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और वैज्ञानिक सबूत इकट्ठा किए। इसके बाद शालीमार बाग थाने में (धारा 103(1) बीएनएस के तहत) एफआईआर दर्ज की गई। जांच के दौरान पता चला कि मृतक मानसिक रूप से अस्वस्थ था और उसका व्यवहार आक्रामक था। उसने कथित तौर पर कई बार स्थानीय निवासियों को धमकाया और उन पर हमला किया था। घटना के दिन आदिल उर्फ जूटा की बहन पर कथित हमले की कोशिश को लेकर हुए विवाद के बाद आदिल ने अपने साथियों के साथ मिलकर उस पर हमला किया। चाकू से हमले में उसे गंभीर चोटें आई जो जानलेवा साबित हुई। लगातार कोशिशों के बाद आरोपी अमन (22) को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी आरोपियों आदिल उर्फ जूटा और लाला उर्फ सुरेंद्र को पकड़ने की कोशिशें जारी हैं।

60 लाख की धोखाधड़ी में शामिल नकली एडीएम दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

देशबंधु गुप्ता रोड थाना पुलिस ने एक नकली एडीएम को गिरफ्तार किया है। इसी गिरफ्तारी से पुलिस ने 60 लाख की धोखाधड़ी के मामले का भी पर्दाफाश किया है। इसने सरकारी नौकरी और जमीन अलॉटमेंट के नाम पर धोखाधड़ी की थी। इसके पास से कई नकली पहचान पत्र, विजिटिंग कार्ड और अन्य दस्तावेज बरामद किये गये। पुलिस अब बैंक खातों और यूपीआई ट्रांजैक्शन के जरिए पैसों के लेनदेन का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस के अनुसार इसी साल 23 मार्च को पुलिस पिकेट सिधिपुरा में पवन कुमार पांडे उर्फ वरुण कुमार पांडे के खिलाफ धोखाधड़ी और गलत पहचान बताने की शिकायत मिली थी। पांडे ने खुद को वरुण कुमार पांडे, एडीएम उत्तर प्रदेश बताया और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ करीबी संबंध होने का झूठा दावा कर सरकारी नौकरी दिलाने और सरकारी नीति के तहत नोएडा में प्लॉट अलॉट कराने का झूठा वादा किया था। आरोपी ने शिकायतकर्ता और उसके साथियों को धोखे में रखा और उनसे लगभग 60 लाख रुपये ठगे थे। हाल ही में इसके बारे में सूचना मिली और इसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुद को लोधी रोड पर तैनात एडीएम बताया और झूठा दावा किया कि उसने पहले उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले की मेहनगर तहसील में एसडीएम के तौर पर काम किया था। 2015 बैच के पीसीएस अधिकारी और झांसी के पूर्व एडीएम वरुण कुमार पांडे से आगे की जांच-पड़ताल से यह साबित हुआ कि आरोपी धोखाधड़ी से उनकी पहचान और पद का इस्तेमाल कर रहा था।

ट्रांसपोर्ट कंपनी के साथ नौ करोड़ की धोखाधड़ी करने वाला मैनेजर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक ट्रांसपोर्ट लॉजिस्टिक्स कंपनी के साथ नौ करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तारी से बच रहे और घोषित अपराधी (पीओ) करार दिए गए आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी शख्स का नाम सुभाष शर्मा बताया गया है। वह कंपनी का मैनजर व अकाउंटेंट था।

डीसीपी सुबोध गोस्वामी के अनुसार गत वर्ष बिगस्टॉक लॉजिस्टिक्स के डायरेक्टर दर्शन बवेजा द्वारा नारायणा थाने में एक शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उनकी कंपनी ट्रांसपोर्ट कंपनियों से ट्रक/ट्रेलर किराए पर लेती थी और फिर उन्हें सामान की ढुलाई के लिए अपने ग्राहकों को उपलब्ध कराती थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपी सुभाष शर्मा ने ग्राहकों से भुगतान मिलने से पहले ही, ट्रक/ट्रेलर के फर्जी सप्लायर्स को किराए की रकम का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा कंपनी से एडवांस के तौर पर दिलवाया। आरोपी मैनेजर ने फर्जी कारोबार दिखाया और ट्रांसपोर्ट सप्लायर्स को एडवांस पेमेंट के नाम पर कई किश्तों में फर्जी वर्क ऑर्डर जारी करके शिकायतकर्ता कंपनी से लगभग 9 करोड़ की धोखाधड़ी की। ट्रांसपोर्टेशन सेवाओं के लिए भुगतान का दावा करने के लिए फर्जी और मनगढ़ंत डिलीवरी रिकॉर्ड तैयार करके कंपनी को सौंपे गए। डिलीवरी रसीदों में वाहनों की गलत जानकारी दिखाई गई, जिसमें 40 मीट्रिक टन की डिलीवरी दिखाई गई, जबकि वे वाहन 1 मीट्रिक टन से ज्यादा वजन ढोने में सक्षम नहीं थे। अलग-अलग बैंक खातों के फर्जी चेक जमा किए गए, जो या तो बंद हो चुके थे या उस क्लाइंट के नाम पर कोई खाता ही नहीं था। आरोपी सुभाष शर्मा भिवानी, हरियाणा के एक सरकारी स्कूल से 12वीं पास है। वह शिकायतकर्ता कंपनी के जयपुर ऑफिस में मैनेजर-कम-अकाउंटेंट था। कंपनी का पांच साल पुराना कर्मचारी होने के नाते उसने कंपनी के भरोसे का फायदा उठाया। गिरफ्तारी से बचने और छिपने के लिए हर तरह की तरकीब इसने अपनाई। वह दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में अपनी जगह व पता बदलता रहा। आरोपी को टिकराना गुजरान, पी प्लाजा, ब्यावर राजस्थान से गिरफ्तार किया गया।

साइबर इन्वेस्टमेंट फ्रॉड में शामिल आरोपी अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की चांदनी महल पुलिस ने अंतर-राज्यीय साइबर इन्वेस्टमेंट फ्रॉड में मदद करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में बैंक खातों के जरिए धोखाधड़ी के पैसे को इधर-उधर करने और निकालने में इसकी भूमिका साबित हुई है। अलग-अलग राज्यों में साइबर फ्रॉड की तीन शिकायतों में इसकी संलिप्तता पाई गई। सिंडिकेट के अन्य सदस्यों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए पुलिस जांच जारी है।

डीसीपी रोहित राजबीर सिंह के अनुसार नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के जरिए संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के बारे में एक शिकायत मिली थी। जांच के दौरान शिकायत से जुड़े एक बैंक खाते का संचालन तुर्कमान गेट के रहने वाले मोहीद द्वारा किया जा रहा था। आरोपी ने दावा किया कि उसके खाते में हुए लेनदेन ईद के दौरान बकरियों की खरीद फरोख्त से संबंधित थे। हालांकि बैंक रिकॉर्ड पेटीएम रिकॉर्ड, यूपीआई लेनदेन और अन्य डिजिटल सबूतों की बारीकी से जांच करने पर पता चला कि यह दावा झूठा था और इसका मकसद पैसे के असली स्रोत को छिपाना था। इसके बाद चांदनी महल थाने में एफआईआर दर्ज की गई। जांच में साइबर फ्रॉड से मिले पैसे को इधर-उधर करने और निकालने में आरोपी की भूमिका साबित हुई। लगातार पूछताछ के दौरान आरोपी ने एक संगठित साइबर फ्रॉड सिंडिकेट में अपनी भूमिका के बारे में बताया, जो एक मोबाइल एपीके एप्लिकेशन के जरिए काम करता था। जांच से पता चला कि यह सिंडिकेट दो आपस में जुड़े इंटरफेस के जरिए काम करता था। एक इंटरफेस का इस्तेमाल सिंडिकेट के सदस्य बैंक अकाउंट की जानकारी रजिस्टर करने और धोखाधड़ी से मिले पैसे को मैनेज करने के लिए करते थे। दूसरा इंटरफेस कर्नाटक और अन्य राज्यों से चलाया जाता था, जहां पीड़ितों को ज्यादा और पक्के रिटर्न का वादा करके धोखाधड़ी वाली स्कीम में निवेश करने के लिए उकसाया जाता था। पीड़ितों का भरोसा जीतने के लिए शुरू में उनके अकाउंट में थोड़ा रिटर्न जमा किया जाता था। इसके बाद पीड़ितों को बड़ी रकम निवेश करने के लिए मनाया जाता था। जब काफी निवेश हो जाता था, तो एप्लिकेशन काम करना बंद कर देती थी, जिससे पीड़ितों के पैसे की धोखाधड़ी हो जाती थी। इस सिंडिकेट के अन्य सदस्यों की पहचान करने, उनका पता लगाने और उन्हें पकड़ने तथा नेटवर्क के कामकाज के पूरे दायरे का पता लगाने की कोशिशें जारी हैं।

गोदाम में आग लगी, एक व्यक्ति को सुरक्षित निकाला गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

शाहदरा इलाके में बिजली के सामान के एक गोदाम में शनिवार तड़के आग लग गई। आग में फंसे एक व्यक्ति को सुरक्षित निकाला गया है। आग से लाखों के नुकसान का अंदेशा है। आग लगने के कारणों की पुलिस पड़ताल कर रही है। पुलिस के अनुसार व दमकल विभाग को सुबह करीब चार बजकर 50 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की छह गाड़ियां मौके पर भेजी गई। जिस गोदाम में आग लगी थी, वहां बिजली का सामान रखा हुआ था। यह गोदाम दो मंजिला इमारत के भूतल पर स्थित था। आग बुझाने के अभियान में दमकल कर्मियों ने इमारत की पहली मंजिल से एक व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। लगभग 100 वर्ग गज के इलाके में फैली आग पर सुबह छह बजकर 20 मिनट पर काबू पाया गया।

घरेलू झगड़े में पिता ने किया परिवार पर हमला, बच्चे की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण पूर्वी जिले के जैतपुर थाना इलाके में एक 34 वर्षीय व्यक्ति ने शुक्रवार को अपनी पत्नी और दो नाबालिग बच्चों पर बुरी तरह हमला किया, जिसमें उसके दो साल के मासूम बच्चे की शनिवार को मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शख्स का नाम चंदन शर्मा बताया गया है।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार को दोपहर करीब 1:30 बजे जैतपुर थाने को लखपत कॉलोनी पार्ट-2, मीठापुर में एक गंभीर घरेलू हमले के बारे में पीसीआर कॉल मिली। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। शिकायतकर्ता आरती ने कहा कि उसके पति चंदन शर्मा जो शराब और ड्रग्स का आदी है ने घरेलू झगड़े के बाद उस पर और उसके दो नाबालिग बच्चों पर बुरी तरह हमला किया। उनके घायल दो साल के बेटे को तुरंत सफदरजंग हॉस्पिटल ले जाया गया। अच्छे मेडिकल इलाज के बावजूद शनिवार की सुबह बच्चे की मौत हो गई। इस सिलसिले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी चंदन शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में आगे की जांच चल रही है।

ट्रेन में चढ़ने के दौरान झगड़ा युवक की पीट पीटकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ शाहदरा रेलवे स्टेशन की घटना

शाहदरा रेलवे स्टेशन पर शनिवार को योग एक्सप्रेस ट्रेन में 32 वर्षीय एक व्यक्ति की चढ़ने के दौरान यात्रियों के साथ झड़प हो गई। झड़प कुछ ही देर में मारपीट में बदल गई जिसमें शख्स की मौत हो गयी। बताया जा रहा है कि झड़प के दौरान अन्य यात्रियों ने युवक को इतना पीटा कि उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है और संदिग्धों की तलाश में जुट गई है।

पुलिस के अनुसार यह घटना प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर हुई। ट्रेन में चढ़ने की आपाधापी के बीच यात्रियों में आपस में झगड़ा हो गया था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि विवाद के दौरान सह-यात्रियों ने उस पर लात-घूंसों से हमला किया। घायल पंकज धामा को तुरंत गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के बागपत निवासी पंकज धामा के रूप में हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या) और धारा 3(5) (साझा इरादा) के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि हमले में शामिल लोगों की पहचान कर उनका पता लगाने के प्रयास जारी हैं। साथ ही स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और चश्मदीदों से पूछताछ की जा रही है।

शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के लिए हुई जन सुनवाई की शुरुआत

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जनता तक अपनी पहुंच बढ़ाने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के लिए थाना दिवस–जन सुनवाई की शुरुआत कर दी है। इससे नागरिकों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के बीच सीधा संवाद स्थापित कर जनता का विश्वास बढ़ाने, बेहतर सेवा प्रदान करने तथा जवाबदेह और संवेदनशील पुलिसिंग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होने की उम्मीद जताई जा रही है।

सेंट्रल रेंज के ज्वाइंट सीपी मधुर वर्मा के अनुसार सेंट्रल रेंज ने थाना दिवस–जन सुनवाई का सफल आयोजन नॉर्थ और सेंट्रल जिलों के सभी 29 पुलिस थानों में किया। इस व्यवस्था के अंतर्गत जिन शिकायतों में तत्काल कार्रवाई या मौके पर जांच की आवश्यकता होती है, उन्हें वहीं संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया जाता है ताकि शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम की प्रभावी निगरानी और पर्यवेक्षण के लिए स्पेशल सीपी, जॉइंट सीपी, डीसीपी और एसीपी स्तर के वरिष्ठ अधिकारी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जन सुनवाई में शामिल हुये। उनकी मौजूदगी से नागरिकों की समस्याओं के समाधान में तेजी आने की उम्मीद है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) शालू** पत्नी विनीत, **(2) विनीत** पुत्र बैज़िल, निवासी- मकान नंबर 128, जैन कॉलोनी, बरवाला, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 93/21 धारा 323/325/341/34 भा.द.स, थाना शाहबाद डेरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) शालू (2) विनीत** मिल नहीं रहे और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **(1) शालू (2) विनीत** फरार हो गए है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **(1) शालू (2) विनीत, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 93/21 धारा 323/325/341/34 भा.द.स, थाना शाहबाद डेरी, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.07.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री सार्थक पंवार
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-05
उत्तर, कोर्ट नंबर 114, पहली मंज़िल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/7599/ON/2026

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजू सैफी, पुत्रः** पंचू सैफी, **निवासीः** बी–270, इन्द्रा कल्याण विहार, ओखला फेस–II, नई दिल्ली ने मुकदमा **FIR No. 271/18 U/s 279/338 IPC, थानाः पुल प्रहलादपुर, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजू सैफी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राजू सैफी** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 271/18 U/s 279/338 IPC, थानाः पुल प्रहलादपुर, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राजू सैफी** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री आज़ाद सहरावत
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–10
दक्षिण पूर्व जिला, तृतीय तल
कमरा नं. 307, साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/8335/SE/2026
(Court Matter)

SINDHU TRADE LINKS LIMITED

129, Transport Centre, Rohtak Road,Punjabi Bagh, New Delhi-110035 / Corporate Office: 1502, 15th Floor, Signature Tower, Tower A, Sector – 30, Gurugram – 122001
Ph: +91-124-6913083, Fax: +91-124-6913090, Website: www.sindhutrade.com, Cin No. L63020DL1992PLC121695, Email Id- corporatecompliance@sindhutrade.com

RESULT OF E VOTING

Pursuant to Section 108 and 109 of the Companies Act, 2013, read with the Companies (Management and Administration) Rules, 2014 as amended from time to time and SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 (Listing Regulations), the Company had conducted e-voting and electronic voting for passing the following resolutions at the EGM held on Thursday, 18th June, 2026 at 03.00 P.M. through two way video conferencing ("VC") or other audio visual means("OAVM") in accordance with provisions of various circulars issued by MCA and SEBI in this regard.

Resolution No. 1

Resolution required: (Ordinary/ Special): **Ordinary Resolution-** To consider and approve increase in the authorized share capital of the company and consequent alteration of the capital clause (clause v) of the memorandum of association.

Whether promoter/ promoter group are interested in the agenda / resolution?: Yes

Category	Mode of Voting	No. of Shares held	No. of votes polled	% of votes polled on outstanding shares	No. of votes in favor	No. of votes against	% of votes in favor on votes polled	% of votes against on votes polled
		(1)	(2)	(3)=[(2)/(1)]*100	(4)	(5)	(6)=[(4)/(2)]*100	(7)=[(5)/(2)]*100
Promoter and promoter group	E-voting	1155968880	0	0	0	0	0	0
	Poll		0	0	0	0	0	0
	Postal Ballot (if applicable)		0	0	0	0	0	0
	Total	**1155968880**	0	100	0	0	0	0
Public - Institutional holders	E-voting	46506524	345696	0.7433	345696	0	100	0
	Poll		0	0	0	0	0	0
	Postal Ballot (if applicable)		0	0	0	0	0	0
	Total	**46506524**	345696	0.7433	345696	0	100	0
Public-Non-Institutional	E-voting	339453376	160753717	47.3566	160752233	1484	99.9991	0.0009
	Poll		0	0	0	0	0	0
	Postal Ballot (if applicable)		0	0	0	0	0	0
	Total	339453376	160753717	47.3566	160752233	1484	99.9991	0.0009
Total		**1541928780**	**161099413**	**10.4479**	**161097929**	**1484**	**99.9991**	**0.0009**

* Vote cast by promoters and promoters group are not considered for passing this resolution as there are deemed as interested in this resolution.

Resolution No. 2

Resolution required: (Ordinary/ Special: **Ordinary Resolution:** To approve proposed material related party transactions.

Whether promoter/ promoter group are interested in the agenda / resolution: Yes

Category	Mode of Voting	No. of Shares held	No. of votes polled	% of votes polled on outstanding shares	No. of votes in favor	No. of votes against	% of votes in favor on votes polled	% of votes against on votes polled
		(1)	(2)	(3)=[(2)/(1)]*100	(4)	(5)	(6)=[(4)/(2)]*100	(7)=[(5)/(2)]*100
Promoter and promoter group*	E-voting	1155968880	0	0	0	0	0	0
	Poll		0	0	0	0	0	0
	Postal Ballot (if applicable)		0	0	0	0	0	0
	Total	1155968880	0	0	0	0	0	0
Public - Institutional holders	E-voting	46506524	345696	0.7433	345696	0	100	0
	Poll		0	0	0	0	0	0
	Postal Ballot (if applicable)		0	0	0	0	0	0
	Total	46506524	345696	0.7433	345696	0	100	0
Public-Non-Institutional	E-voting	339453376	160753188	47.3565	160751175	2013	99.9987	0.0013
	Poll		0	0	0	0	0	0
	Postal Ballot (if applicable)		0	0	0	0	0	0
	Total	339453376	160753188	47.3565	160751175	2013	99.9987	0.0808
Total		**1541928780**	**161098884**	**10.4479**	**161096871**	**2013**	**99.9988**	**0.0012**

* Vote cast by promoters and promoters group are not considered for passing this resolution as there are deemed as interested in this resolution.

Resolution No. 3

Resolution required: (Ordinary/ Special): **Special Resolution:** To consider and approve the execution of the M/s Advent Coal Resources Pte. Ltd. transactions, review of valuation, exchange ratio, allotment of shares pari passu, lock-in provisions, and UBO declarations.

Whether promoter/ promoter group are interested in the agenda / resolution: Yes

Category	Mode of Voting	No. of Shares held	No. of votes polled	% of votes polled on outstanding shares	No. of votes in favor	No. of votes against	% of votes in favor on votes polled	% of votes against on votes polled
		(1)	(2)	(3)=[(2)/(1)]*100	(4)	(5)	(6)=[(4)/(2)]*100	(7)=[(5)/(2)]*100
Promoter and promoter group	E-voting	1155968880	0	0	0	0	0	0
	Poll		0	0	0	0	0	0
	Postal Ballot (if applicable)		0	0	0	0	0	0
	Total	1155968880	0	0	0	0	0	0
Public - Institutional holders	E-voting	46506524	345696	0.7433	345696	0	100	0
	Poll		0	0	0	0	0	0
	Postal Ballot (if applicable)		0	0	0	0	0	0
	Total	0	345696	0.7433	345696	0	100	0
Public-Non-Institutional	E-voting	339453376	160753717	47.3566	160752233	1484	99.9991	0.0009
	Poll		0	0	0	0	0	0
	Postal Ballot (if applicable)		0	0	0	0	0	0
	Total	339453376	160753717	47.3566	160752233	1484	99.9991	0.0009
Total		**1541928780**	**161099413**	**10.4479**	**161097929**	**1484**	**99.9991**	**0.0009**

* Vote cast by promoters and promoters group are not considered for passing this resolution as there are deemed as interested in this resolution

Resolution No. 4

Resolution required: (Ordinary/ Special): **Special Resolution:** To consider and approve proposed acquisition of 50.1% (21,36,765 equity shares) equity shareholding in M/s Sainik Mining and Allied Services Limited and authorise the issue and allotment of Cumulative Compulsory Convertible Preference Shares (CCPS) on a Preferential basis in consideration of the share swap, on the agreed exchange ratio and on such CCPS terms

Whether promoter/ promoter group are interested in the agenda / resolution: Yes

Category	Mode of Voting	No. of Shares held	No. of votes polled	% of votes polled on outstanding shares	No. of votes in favor	No. of votes against	% of votes in favor on votes polled	% of votes against on votes polled
		(1)	(2)	(3)=[(2)/(1)]*100	(4)	(5)	(6)=[(4)/(2)]*100	(7)=[(5)/(2)]*100
Promoter and promoter group	E-voting	1155968880	0	0	0	0	0	0
	Poll		0	0	0	0	0	0
	Postal Ballot (if applicable)		0	0	0	0	0	0
	Total	1155968880	0	0	0	0	0	0
Public - Institutional holders	E-voting	46506524	345696	0.7433	345696	0	100	0
	Poll		0	0	0	0	0	0
	Postal Ballot (if applicable)		0	0	0	0	0	0
	Total	46506524	345696	0.7433	345696	0	100	0
Public-Non-Institutional	E-voting	339453376	160753717	47.3566	160752233	1484	99.9991	0.0009
	Poll		0	0	0	0	0	0
	Postal Ballot (if applicable)		0	0	0	0	0	0
	Total	339453376	160753717	47.3566	160752233	1484	99.9991	0.0009
Total		**1541928780**	**161099413**	**10.4479**	**161097929**	**1484**	**99.9991**	**0.0009**

* Vote cast by promoters and promoters group are not considered for passing this resolution as there are deemed as interested in this resolution.

The above said resolutions in relation to the aforesaid matters have therefore been approved by the Members with requisite majority. The Scrutinizer's Report and other information relating to EGM results are available on website of the Company at www.sindhutrade.com

For Sindhu Trade Links Limited
Sd/-
Rudra Sen Sindhu
Chairman & Director

Place: Gurugram
Date: 19th June, 2026

जन कल्याण शिविर: दूसरे दिन सहभागिता का आंकड़ा 28 हजार पार

दो दिनों में 43,900 से अधिक नागरिकों ने उठाया सरकारी सेवाओं का लाभ: मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार की ओर से आयोजित तीन दिवसीय (18 से 20 जून) जन कल्याण शिविरों के दूसरे दिन दिल्लीवासियों का उत्साह और अधिक बढ़ गया है। शिविर के दूसरे दिन विभिन्न केंद्रों पर रिकॉर्ड 28,107 नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और विभिन्न सरकारी योजनाओं व सेवाओं का सीधा लाभ उठाया।

उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं, सेवाओं और अपनी समस्याओं के समाधान से संबंधित जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक प्रक्रियाओं में भाग लिया। शिविर के पहले दिन आधिकारिक जानकारी के अनुसार 15,866 लोग पहुंचे थे। दो दिनों को मिलाकर अब तक कुल 43,973 नागरिकों ने इन शिविरों के माध्यम से सरकारी सेवाओं और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन दर्ज किए गए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस भारी जनभागीदारी पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जन कल्याण शिविरों को मिल रहा यह व्यापक समर्थन इस बात का प्रमाण है कि दिल्ली सरकार जनसेवा को जनता के द्वार तक पहुंचाने में पूरी तरह सफल रही है। जब लोगों को उनके घर के पास ही सभी विभागों के अधिकारी एक छत के नीचे मिल जाते हैं तो उनका समय और भागदौड़ दोनों बचती है।

त्रिलोकपुरी, गोकलपुर और सावित्री नगर केंद्रों पर उमड़ी भीड़

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दूसरे दिन त्रिलोकपुरी केंद्र भी पहले दिन की तरह दूसरे दिन भी शीर्ष पर रहा, जहां सबसे अधिक 1,349 नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके बाद गोकलपुर केंद्र पर 1,335 लोग पहुंचे। सावित्री नगर केंद्र पर भी जनभागीदारी का ग्राफ तेजी से बढ़ा और 1,253 नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पहुंचे। ईस्ट लोनी रोड केंद्र पर भी 1,246 नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज की गई। इसके अलावा नजफगढ़ स्टेडियम 1,121, विकासपुरी 1,051 और राजौरी गार्डन 1,130 केंद्रों पर भी नागरिकों की संख्या एक हजार के पार पहुंच गई।

'मौके पर ही मिल रहा है समाधान'

दिल्ली सरकार से मिली जानकारी के अनुसार, शिविर में पहुंचे नागरिक मुख्य रूप से राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, वृद्ध व विधवा पेंशन, नए जल कनेक्शन, आधार पंजीकरण, ई-श्रम कार्ड, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना तथा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने और आवेदन करने पहुंच रहे हैं। विभिन्न विभागों के अधिकारी मौके पर ही दस्तावेजों की जांच कर त्वरित प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं।

अपनी मांगों को लेकर परिवहन मंत्री से मिले डीटीसी कर्मी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन (रजि.), संबद्धता शिवसेना, ने शनिवार को दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह के साथ डीटीसी के कॉन्ट्रैक्ट कर्मियों की लंबित मांगों को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक को यूनियन ने सकारात्मक बताते हुए कर्मियों की समस्याओं के शीघ्र समाधान की उम्मीद जताई है।

जानकारी के अनुसार, परिवहन मंत्री के आवास पर अपनी मांगों को लेकर डीटीसी कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी पहुंचे थे। बैठक का नेतृत्व शिवसेना दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष संदीप चौधरी ने किया। प्रतिनिधिमंडल में डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन के पदाधिकारी तेजपाल सिंह, पंकज शर्मा, नरेंद्र कौशिक और कपिल सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। यूनियन ने परिवहन मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए कर्मियों की प्रमुख मांगों को उठाया।

इनमें बेसिक डीए (महंगाई भत्ता), ग्रेड पे लागू करने तथा कर्मियों के घरों से 40 से 50 किलोमीटर दूर किए जा रहे तबादलों पर रोक लगाने की मांग प्रमुख रही। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कर्मियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कहा कि इन मांगों पर तेजी से कार्य किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि कर्मियों की जायज मांगों के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे और जल्द ही सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

असोला भाटी की नीली झील के किनारे योग करेंगी मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज, 21 जून, रविवार सुबह दक्षिण दिल्ली स्थित असोला भाटी वाइल्डलाइफ सेंचुरी में आयोजित विशेष योग कार्यक्रम में भाग लेंगी। प्रकृति की मनोरम वादियों और हरियाली से घिरे नीली झील क्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री स्वयं योगाभ्यास करेंगी और नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देंगी। इस विशेष कार्यक्रम में पर्यावरण मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, पर्यावरण विशेषज्ञ, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी भी शामिल होंगे।

कार्यक्रम के माध्यम से योग, पर्यावरण संरक्षण और हरित जीवनशैली का सामूहिक संदेश दिया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत है, जिसने आज पूरी दुनिया को स्वास्थ्य, संतुलन और सकारात्मक जीवन का मार्ग दिखाया है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय का विज्ञान है। वर्तमान समय की व्यस्त जीवनशैली में योग व्यक्ति को मानसिक शांति, ऊर्जा और आत्मविश्वास प्रदान करता है।

भारत की इस महान परंपरा का सम्मान कर रहे हैं सैकड़ों देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी प्रयासों और वैश्विक नेतृत्व के परिणामस्वरूप संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की। आज विश्व के सैकड़ों देशों में करोड़ों लोग इस दिन योग कर भारत की इस महान परंपरा का सम्मान कर रहे हैं। यह प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक स्वीकार्यता मिली है। दिल्ली सरकार स्वस्थ नागरिक, स्वच्छ पर्यावरण और हरित दिल्ली के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ असोला भाटी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी जैसे महत्वपूर्ण पारिस्थितिक क्षेत्र में किया जा रहा है। योग कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री सेंचुरी परिसर में विकसित भारत नर्सरी का निरीक्षण करेंगी। इस दौरान वह वहां उगाए जा रहे विभिन्न देशी वृक्षों, पौधों तथा जैव विविधता संवर्धन से जुड़ी गतिविधियों की समीक्षा करेंगी।

नीट परीक्षार्थियों के लिए दिल्ली सरकार ने की विशेष व्यवस्था: रेखा

तैयारियों का जायजा लेने परीक्षा केंद्र पहुंचे शिक्षा मंत्री आशीष सूद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के लिए आज, रविवार को फिर से लाखों विद्यार्थी अपने सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाएंगे। इसे देखते हुए परीक्षा से एक दिन पहले दिल्ली सरकार ने संबंधित विशेष व्यवस्थाओं का दावा किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिल्ली सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि परीक्षा के दिन किसी भी परिवार को परिवहन, गर्मी या प्रतीक्षा से जुड़ी अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जहां नीट अभ्यर्थियों के लिए डीटीसी बसों में निःशुल्क यात्रा की व्यवस्था की गई है, वहीं सभी 97 परीक्षा केंद्रों के बाहर अभिभावकों और परिजनों के लिए विशेष कूलिंग जोन भी तैयार कर दिए गए हैं। हर विद्यार्थी के सपनों और हर अभिभावक की उम्मीदों का सम्मान करना सरकार की जिम्मेदारी है और पूरी दिल्ली परीक्षा देने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी की सफलता के लिए शुभकामनाएं दे रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में नीट परीक्षा के लिए कुल 97 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास जिला प्रशासन की ओर से विशेष कूलिंग जोन स्थापित किए जा रहे हैं। यह पहली बार है जब परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता और परिजनों के आराम एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रतीक्षा व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी केंद्र के भीतर होते हैं, लेकिन बाहर कई घंटे तक प्रतीक्षा कर रहे माता-पिता की चिंता, धूप, गर्मी और असुविधा पर अक्सर किसी का ध्यान नहीं जाता। दिल्ली सरकार ने इस मानवीय पहलू को समझते हुए केंद्रों के आसपास कूलिंग जोन बनाए हैं, जहां अभिभावकों के बैठने व विश्राम की व्यवस्था के साथ-साथ स्वच्छ पेयजल, शिकंजी, ओआरएस, चाय तथा प्राथमिक चिकित्सा जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। परीक्षा केंद्रों के बाहर ही उनके लिए आरामदायक प्रतीक्षा व्यवस्था उपलब्ध होगी।

नीट परीक्षार्थी डीटीसी बसों में निःशुल्क यात्रा कर सकेंगे

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि 21 जून को सभी नीट परीक्षार्थी डीटीसी बसों में निःशुल्क यात्रा कर सकेंगे। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए उन्हें केवल अपना वैध नीट एडमिट कार्ड बस कंडक्टर को दिखाना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि परीक्षा के दिन विद्यार्थियों को परिवहन संबंधी किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और वे समय पर अपने परीक्षा केंद्र पहुंचकर पूरी एकाग्रता एवं आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दे सकें। उन्होंने कहा कि हमारे युवाओं का समय, परिश्रम और भविष्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि परीक्षार्थियों को उनकी शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान हरसंभव सहयोग और सुविधा उपलब्ध कराई जाए। जब अभिभावक सहज और निश्चिंत रहेंगे तो विद्यार्थियों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और वे अधिक आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दे सकेंगे।

'किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़'

नई दिल्ली। किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, हमारी भूमि के रखवाले और खाद्य सुरक्षा के संरक्षक हैं। राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (नेफेड), दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. बिजेन्द्र सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि 'पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना' के तहत 23वीं किस्त हस्तांतरण के कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह योजना देश भर के किसानों को सहायता प्रदान करेगी और ग्रामीण विकास तथा कृषि समृद्धि के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत बनाएगी। कृषि विज्ञान केंद्र, उजवा में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. डी. के. राणा ने बताया कि शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा 'पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना' के तहत 23वीं किस्त हस्तांतरण के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण (वर्चुअल) पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर से किया गया। यहां उजवा केंद्र में विशिष्ट अतिथि के रुप में दिल्ली नगर निगम में रोशन पुरा वार्ड से पार्षद देवेन्द्र डबास उपस्थित हुए। डॉ. डी. के. राणा ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र, उजवा, दिल्ली ने केन्द्र के परिसर में सीधा प्रसारण (वर्चुअल) किया गया। इस कार्यक्रम के शुरुआत में उन्होंने अतिथियों का स्वागत करते हुए केन्द्र के किसान कल्याण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं एवं क्षेत्र में केन्द्र की भावशीलता के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में दिल्ली देहात के 310 से अधिक प्रगतिशील कृषक एवं महिला कृषकों ने भागीदारी की।

एक महिला थाना खोलना भाजपा सरकार की ढुलमूल नीति को दर्शाता है: यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा सरकार के डेढ़ साल के बाद दिल्ली में सिर्फ एक महिला थाना खोलना महिलाओं के उत्पीड़न के प्रति भाजपा सरकार की सुस्त और ढुल मूल नीति को दर्शाता है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने शनिवार को यह बयान जारी किया।

उन्होंने कहा कि दिल्ली कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने 31 मार्च, 2026 को दिल्ली के उपराज्यपाल से मिलकर दिल्ली की समस्याओं सहित ध्वस्त कानून व्यवस्था, सुरक्षा और महिला के खिलाफ बढ़ रहे अपराधों पर चिंता जताई थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष यादव ने कहा कि उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू द्वारा महिलाओं की सुरक्षा पर संवेदनशीलता दिखाते उत्तरी जिला के सब्जी मंडी में महिला पुलिस थाने का उद्घाटन करना एक अच्छी पहल हो सकती है लेकिन क्या सिर्फ एक महिला थाने से ढाई करोड़ से अधिक जनसंख्या की आधी आबादी एक करोड़ से अधिक महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है, जबकि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरों की 2024 की अपराध रिपोर्ट अनुसार दिल्ली में प्रति लाख महिलाओं पर 130.7 अपराधिक दर के साथ महिला अपराध में दिल्ली देश में सबसे उपर है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि महिला अपराध के प्रति केन्द्र और दिल्ली सरकार मिलकर पुलिस को संवेदनशील, जवाबदेह और नागरिक-केन्द्रित बनाने के बाद ही राजधानी में महिला सुरक्षा व्यवस्थित हो पाएगी।

मानूसन को लेकर सरकार की ज़मीनी स्तर पर तैयारियां नाकाफी : कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की मानसून तैयारियों को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। वरिष्ठ कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने आरोप लगाया कि सरकार बड़े-बड़े दावे तो कर रही है, लेकिन ज़मीनी स्तर पर तैयारियां नाकाफी हैं और राजधानी को मानसून के दौरान जलभराव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। डॉ. नरेश कुमार ने कहा कि हाल ही में 17 जून को उपराज्यपाल टी.एस. संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा अलग-अलग बैठकें किए जाने से सरकार और राजनिवास के बीच तालमेल की कमी साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि मानसून जैसी गंभीर चुनौती से निपटने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों और विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है।

'लगभग 12 लाख 50 हजार परिवारों तक पहुंचा संपर्क अभियान'

भाजपा सरकार की उपलब्धियों को लेकर घर-घर चला सम्पर्क अभियान हुआ पूरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

केन्द्र एवं दिल्ली सरकार की उपलब्धियों एवं योजनाओं को लेकर दिल्ली भाजपा द्वारा चलाये जा रहे 3 दिवसीय घर घर सम्पर्क अभियान के अंतिम दिन शनिवार को सांसदों, विधायकों, पार्षदों, भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने घर घर जा कर लोगों से चर्चा की।

इस दौरान केन्द्र की मोदी सरकार की 12 वर्ष की उपलब्धियों के साथ ही दिल्ली सरकार की उपलब्धियों को लोगों के बीच लेकर जाने वाली टोली के संयोजक विधायक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष राज कुमार भाटिया ने कहा है कि 3 दिवसीय घर घर सम्पर्क अभियान के अंतर्गत हमारे नेता एवं कार्यकर्ता लगभग करीब 12 लाख 50 हजार परिवारों तक पहुंचे। इसके आलावा विशिष्ट जन अभियान के अंतर्गत हमारे प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, सांसद एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं ने 1348 प्रबुद्ध विशिष्ट जनों से सम्पर्क किया। चाँदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने चाँदनी चौक विधानसभा के सिविल लाइन वार्ड में घर घर सम्पर्क अभियान के अंतर्गत क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक एवं विशिष्ट कवि सुरेंद्र शर्मा के घर जाकर मोदी सरकार एवं दिल्ली सरकार की उपलब्धियों पर उनसे चर्चा की।

स्वाति मालीवाल ने दिल्ली गेट पर की चर्चा

प्रदेश भाजपा के अनुसार, शनिवार की सुबह दिल्ली भाजपा के संगठन महामंत्री पवन राणा ने गांधी मार्किट, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर घर घर जा कर लोगों से चर्चा की। दिल्ली भाजपा के सह कार्यालय मंत्री अमित गुप्ता एवं अन्य स्थानीय कार्यकर्ता भी सम्मिलित हुए। राज्य सभा सांसद स्वाति मालीवाल ने स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली गेट वार्ड की समिति 115 एवं 116 में घर घर जा मोदी सरकार एवं दिल्ली की भाजपा सरकार की उपलब्धियों को लोगों के बीच रखा। प्रदेश महामंत्री एवं सांसद योगेन्द्र चांदोलिया ने नरेला, बख्तावरपुर में स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ जनसम्पर्क अभियान को आगे बढ़ाया। विधायक राजकरन खत्री और निगम पार्षद सुमित चौहान भी सम्मिलित हुए। प्रदेश महामंत्री एवं सांसद कमलजीत सहरावत ने विधायक प्रदुमन राजपूत के साथ सागरपुर, द्वारका विधानसभा में घर घर सम्पर्क अभियान चलाया।

गरिमा, तर्क और तथ्यों पर आधारित बहस से सशक्त होता है लोकतंत्र: विजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

'जब बहस गरिमा, तर्क और तथ्यों पर आधारित होती है तो लोकतंत्र सशक्त होता है; शास्त्रार्थ का उद्देश्य किसी को पराजित करना नहीं, बल्कि सत्य की खोज करना है'। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने शनिवार को - वर्तमान समय में शास्त्रार्थ - विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में यह संबोधन दिया। अपने संबोधन में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत की प्राचीन शास्त्रार्थ परंपरा का पुनर्जीवन केवल एक दार्शनिक आवश्यकता नहीं, बल्कि वर्तमान समय में सामाजिक और लोकतांत्रिक आवश्यकता भी है। यह संगोष्ठी भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (आईसीपीआर) तथा भारत बोध केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित की गई है। उन्होंने आगे कहा कि आत्मसंयम, त्याग, करुणा और संवाद जैसे मूल्य भारतीय संस्कृति के मूल तत्व हैं और आज भी समकालीन चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करते हैं।

गुप्ता ने शास्त्रार्थ और लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच समानता स्थापित करते हुए कहा कि विधानमंडलों में होने वाली बहसें प्राचीन शास्त्रार्थ परंपरा का आधुनिक स्वरूप हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल बहुमत के आधार पर सरकार गठन तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी वास्तविक सार्थकता तब पूर्ण होती है जब विभिन्न विचारों और दृष्टिकोणों को सदन में अभिव्यक्ति और विमर्श का अवसर मिलता है।

खबर संक्षेप

आभूषण चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। डबुआ कालोनी स्थित एक घर से आभूषण चोरी करने के मामले में क्राईम ब्रांच सेंट्रल की टीम ने दीपक उर्फ चूना निवासी डबुआ कालोनी को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि आरोपी नशा करने का आदी है तथा नशापूर्ति करने के लिए उसने डबुआ कॉलोनी स्थित एक घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। उसने ताला लगा देखकर घर में जाकर चोरी की थी।

16 लाख से अधिक की ठगी करने वाले 2 अरेस्ट

फरीदाबाद। साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 16,55,000 रुपए की ठगी के एक मामले 2 आरोपियों को 18 जून को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान में अमित निवासी सकरडीहा जिला चंदौली उत्तर प्रदेश व अमन निवासी आदमपुर वाराणसी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार फरीदाबाद वासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि 12 अप्रैल 2025 को एक टेलिग्राम ग्रुप से जोड़ा गया।

कॉपर चोरी करने के मामले में 2 गिरफ्तार

फरीदाबाद। बीते 24 फरवरी को गांव सागरपुर स्थित एक फैक्ट्री के बाहर लगे ट्रांसफार्मर से कॉपर चोरी करने के मामले में क्राईम ब्रांच ऊंचा गांव की टीम ने कृष्ण निवासी फतेहपुर बिल्लोच फरीदाबाद व कलुआ निवासी ग्रेटर नोएडा फरीदाबाद को गिरफ्तार करने में सफल हासिल की है। जिनसे वारदात में प्रयोग गाड़ी को बरामद कर लिया गया है। पुलिस की टीम आरोपियों को 2 दिन पुलिस रिमांड पर लेकर बरामदगी की कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार संजय निवासी सेक्टर-14 फरीदाबाद ने थाना सदर बल्लबगढ़ में दी अपनी शिकायत में बताया कि उसकी सागरपुर में एक फैक्ट्री है ।

सशक्त जीवन शैली के लिए आहार तथा योग की जानकारी बेहद जरूरी: महापौर

नगर निगम मुख्यालय में अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने सीपीआर एवं जीवन रक्षक तकनीक का लिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नगर निगम मुख्यालय में शनिवार को अधिकारी तथा कर्मचारियों के लिए विशेष और महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें निगम अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने सीपीआर एवं जीवन रक्षक तकनीकी की जानकारी को ग्रहण किया प्रशिक्षण लिया। इसके अलावा चल रहे योग सप्ताह के क्रम में योग संबंधित जानकारी तथा आहार की जानकारी निगम अधिकारी और कर्मचारियों ने प्राप्त की।

इस मौके पर महापौर सुनीता दयाल, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, प्रभारी नजारत डॉ अनुज, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, व अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा लिपिक व कर्मचारी गण उपस्थित रहे, कार्यक्रम के प्रभारी डॉक्टर अनुज ने बताया कि यशोदा मेडिसिटी इंदिरापुरम एवं

गाजियाबाद नगर निगम के संयुक्त तत्वाधान में बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग सेशन का आयोजन किया। अधिकारियों और कर्मचारियों को आपातकालीन स्थिति में सीपीआर एवं जीवन रक्षक तकनीकी की जानकारी प्रदान की गई, आपातकालीन परिस्थितियों में किस प्रकार जान बचाने के लिए सहायता की जानी चाहिए विस्तार से जानकारी के लिए ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। योग सप्ताह के क्रम में गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में पावरिंग योगा वेंचर के संस्थापक सुनील कुमार सिन्हा द्वारा नगर निगम गाजियाबाद के तत्वाधान में महत्वपूर्ण एवं जीवन उपयोगी सत्र का आयोजन किया गया, महापौर तथा उपस्थित जनों ने दीप प्रज्वलित करने के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की, आहार तथा योग का जीवन में अमूल्य महत्व है। जीवन की शैली भी प्रभावित होती है सशक्त जीवन शैली के लिए आहार योग का विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी है महापौर द्वारा भी उपस्थित जनों को प्रतिदिन योग करने और आहार का विशेष ध्यान रखने के लिए कहा गया।

कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक कार्यक्रम में हिस्सा लिया

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में कर्मचारियों को विशेष ट्रेनिंग दी गई। जिससे आपातकालीन स्थिति में किसी की जान बचाने में सहायता मिल सके ट्रेनिंग दी गई सीपीआर एवं जीवन रक्षक तकनीकी का इस्तेमाल भी बताया गया। दूसरे सत्र में जीवन उपयोगी महत्वपूर्ण आहार और योग, डिटॉक्सिफिकेशन, सर्काडियन रिदम के माध्यम से स्वास्थ्य एवं प्रसन्नता को जोड़ते हुए विस्तार से जानकारी दी गई, अधिकारी तथा कर्मचारियों द्वारा उत्साह पूर्वक कार्यक्रम में हिस्सा लिया गया।

फरीदाबाद महानगर पहुंचने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का पुष्प वर्षा तथा ढोल-नगांड़ों से हुआ स्वागत

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आर्थिक, सामरिक, तकनीकी और सामाजिक क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़ रहा: डॉ. अर्चना गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने अटल ऑडिटोरियम में फरीदाबाद महानगर भाजपा द्वारा आयोजित स्वागत एवं अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ की हड्डी है। इस अवसर पर डॉ. अर्चना गुप्ता ने बूथ अध्यक्षों की खूब सराहना की। उन्होंने कहा कि भाजपा की जीत का वास्तविक आधार बूथ स्तर का कार्यकर्ता है। उन्होंने कहा कि संगठन में बूथ अध्यक्ष की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण और निर्णायक है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा की लगातार चुनावी सफलताओं के पीछे कार्यकर्ताओं का समर्पण, परिश्रम और निष्ठा है। कार्यकर्ताओं के पसीने और जनआशीर्वाद के बल पर ही केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनी है तथा हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा ने तीसरी बार सरकार बनाई है। अटल ऑडिटोरियम में पहुंचने पर भाजपा जिला अध्यक्ष सोहन पाल सिंह, जिला प्रभारी कमल यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष नीरा तोमर, विधायक मूलचंद शर्मा, विधायक सतीश फागना, मेयर प्रवीण बत्रा जोशी, पूर्व विधायक टेकचंद शर्मा, पं.

टिपरचंद शर्मा, कविन्द्र चौधरी, गोपाल शर्मा, कुशल ठाकुर बल्लभगढ़, राजेश कौशिक, बलदेव अलावलपुर, रवि वर्मा, जगविन्दर फौगाट ने पुष्प मालाओं एवं बुक्के देकर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का भव्य स्वागत किया।

इससे पहले फरीदाबाद आगमन पर अलग-अलग स्थानों पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों ने फूल बरसाकर तथा ढोल.नगाड़ों के साथ स्वागत किया। विधायक मूलचंद शर्मा के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। कैली गांव स्थित खाटूश्याम मंदिर में मंदिर समिति पदाधिकारियों के साथ-साथ सरपंच अनिल एवं उनकी धर्मपत्नी के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर विधायक सतीश फागना व उनकी टीम ने भी डॉ. गुप्ता का विशेष अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि भाजपा के प्रत्येक कर्मठ और समर्पित कार्यकर्ता का सम्मान है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता ही पार्टी की असली शक्ति और आधार है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने मोदी सरकार की 12 साल की उपलब्धियों पर बोलते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष विश्वास, सुशासन, सेवा, गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण के वर्ष रहे हैं। इन वर्षों में भारत ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं और विश्व मंच पर अपनी अलग पहचान बनाई है। आज दुनिया भारत को नए सम्मान और नई दृष्टि से देख रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश आर्थिकए सामरिकए तकनीकी और सामाजिक क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा प्राप्त होगी: मूलचंद शर्मा

विधायक मूलचंद शर्मा ने नवनियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में प्रदेश संगठन को नई दिशा और नई ऊर्जा प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि डॉ. अर्चना गुप्ता लंबे समय से संगठन और समाज के बीच सक्रिय रहकर कार्य करती रही हैं तथा उनके अनुभव का लाभ पूरे प्रदेश के कार्यकर्ताओं को मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, जहां प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की ताकत होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ करेंगे। मूलचंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के मार्गदर्शन में संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

डॉ. अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में और अधिक मजबूत होगा संगठन: सतीश फागना विधायक

सतीश फागना ने डॉ. अर्चना गुप्ता का स्वागत करते हुए कहा कि उनके प्रदेश अध्यक्ष बनने से भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह और जोश का वातावरण है। उन्होंने कहा कि डॉ. अर्चना के नेतृत्व में भाजपा का संगठन और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनेगा। सतीश फागना ने कहा कि डॉ. अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश में संगठनात्मक रूप से और अधिक मजबूत होकर जनसेवा के अपने संकल्प को नई गति प्रदान करेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ.अर्चना गुप्ता का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा गणमान्य नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के आगमन से संगठन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है।

दिल्ली-एनसीआर में धूल प्रदूषण रोकने के लिए स्थायी रणनीति पर जोर

गुरुग्राम। दिल्ली-एनसीआर में सड़क और निर्माण स्थलों से उठने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए नियामक संस्थाओं, नगर निकाय अधिकारियों और शोधकर्ताओं ने आगे की रणनीति पर चर्चा की। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में सीएक्यूएम रिसोर्स लैब और राहगीरी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'क्लीन एयर डायलॉग्स' के दूसरे संस्करण में विशेषज्ञों ने धूल प्रदूषण के स्रोत-आधारित और स्थायी समाधान अपनाने की आवश्यकता बताई।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **रविंदर कुमार पुत्रः** माता बदल **पताः** एफ–175 सहयोग विहार जेजे कॉलोनी, मटियाला, उत्तम नगर, दिल्ली ने **E-FIR No. 00337/2023 U/s 380/411 IPC, थानाः द्वारका नॉर्थ, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रविंदर कुमार** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त**रविंदर कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **E-FIR No. 00337/2023 U/s 380/411 IPC, थानाः द्वारका नॉर्थ, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **रविंदर कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री राहुल कटारे
जेएमएफसी–06, कमरा नंबर 514
द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

DP/8365/DW/2026
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **गिरीश चंद तिवारी पुत्रः** सत्य नारायण तिवारी, **पताः** 31ए ब्लॉक–ए, पुल प्रहलादपुर, नई दिल्ली ने **FIR No. 173/2003 U/S 279/337/304A IPC थानाः ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गिरीश चंद तिवारी** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गिरीश चंद तिवारी** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 173/2003 U/S 279/337/304A IPC थानाः ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **गिरीश चंद तिवारी** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री आकांक्षा गौतम
जेएमएफसी–02, कमरा नंबर 513
साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली

DP/7926/SE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मो. साकिब** पुत्र लड्डन अली, निवासी ई–16/878, गणेश गली, बापा नगर, करोल बाग, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 000096/2019 धारा 379/411 भा.द.स., थाना प्रसाद नगर, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मो. साकिब** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मो. साकिब** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 000096/2019 धारा 379/411 भा.द.स., थाना प्रसाद नगर, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **मो. साकिब** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **22.10.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः श्री करणबीर सिंह
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–02 (केंद्रीय)
मुख्य न्यायालय भवन – 26
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/8186/CD/2026

हाईटेक तकनीकी के उपकरणों से शहर की प्रमुख सड़कों को किया गया धूल मुक्त, पानी का छिड़काव

शहर के पांचों जोन में चला सड़कों को धूल मुक्त करने का महाअभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नगर निगम ने शनिवार को शहर के पांचों जोन में सड़कों को धूल मुक्त करने व पानी के छिड़काव का महा अभियान चलाया गया। सभी जोनों सहित श्याम पार्क मेट्रो स्टेशन पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग, उद्यान विभाग एवं जलकल विभाग के विभागाध्यक्ष ने स्वयं फील्ड में उतरकर अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई, अभियान के दौरान क्षेत्र में जमा लिगेसी डस्ट एवं हॉर्टिकल्चर वेस्ट को हटाकर विशेष डस्ट वेस्ट बैग्स में एकत्र किया गया तथा वहां से उठाकर निस्तारण प्रक्रिया हेतु भेजा गया।

धूल नियंत्रण के लिए एंटी-स्मॉग मशीन एवं वॉटर स्प्रिंकलर का उपयोग किया गया, जिससे क्षेत्र में धूल के प्रभाव को कम करने और वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने में सहायता मिली। साथ ही, मेट्रो पिलर्स के आसपास जमा धूल-मिट्टी को मशीन द्वारा सक्शन

तकनीक के माध्यम से साफ किया गया। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश ने बताया की शहर में सड़कों को धूल मुक्त करने के लिए महाअभियान चलाया गया जिसमें जन सहभागिता भी सुनिश्चित की गई, पुरानी से पुरानी धूल सड़कों से हटाई गई मैन्युअल तथा हाईटेक उपकरणों का उपयोग करते हुए सड़कों को धूल मुक्त किया गया। मोहन नगर जोन में श्याम पार्क मेट्रो स्टेशन से दिल्ली बॉर्डर तक अभियान चलाया गया, इंदिरापुरम क्षेत्र में नीति खंड थर्ड में अभियान चलाया गया।

अलग-अलग खातों में डलवाई राशि

इंस्टाग्राम पर दोस्ती की, न्यूड वीडियो बनाकर युवक से 1 लाख रुपये हड़पे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सैक्टर-30-33 स्थित आईपी कॉलोनी निवासी एक युवक साइबर ठगी का शिकार हो गया। आरोप है कि इंस्टाग्राम पर एक महिला से बातचीत के बाद वीडियो कॉल के दौरान उसकी न्यूड वीडियो बना ली। इसके बाद आरोपियों ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उससे करीब 1 लाख रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए। साइबर थाना पुलिस को पीड़ित रुशिल ने अपनी शिकायत में बताया कि 16 जून को उसकी इंस्टाग्राम पर एक अज्ञात महिला से बातचीत हुई थी। अगले दिन वॉट्सएप पर वीडियो कॉल आई, जिसमें महिला के कहने पर उसने अपने कपड़े उतार दिए। इसी दौरान उसकी आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड कर ली गई। एक अज्ञात युवक ने फोन कर वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी और पैसे की मांग की। 17 जून को अलग-अलग बैंक खातों में कुल 1 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। ठगी होने का अहसास होने पर पीड़ित ने राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर साइबर अपराध थाना सेंट्रल फरीदाबाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 (4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की पहचान और ठगी गई रकम की बरामदगी के प्रयास में जुटी हुई।

महिला से ठगी करने का आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। साइबर क्राइम वेस्ट थाना पुलिस ने पुराने सिक्के और विशेष नोटों के बदले लाखों रुपये दिलाने का लालच देकर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के एक सदस्य को राजस्थान के खैरथल से गिरफ्तार किया है। दरअसल, साइबर क्राइम वेस्ट थाना पुलिस में 10 मार्च 2026 को एक महिला ने शिकायत दी थी। जिसमें बताया बताया कि उसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब और फेसबुक पर पुराने सिक्के एवं विशेष नोट खरीदने संबंधी विज्ञापन देखा था। विज्ञापन में दिए गए व्हाट्सऐप नंबर पर संपर्क करने के बाद कथित ठगों ने उसके पुराने सिक्कों और नोटों की कीमत 75 लाख रुपये बताई।

सहायक जिला न्यायवादी गार्गी नरेश ने बाल अधिकारों एवं कानूनी प्रावधानों पर दिया विस्तृत व्याख्यान

जुवेनाइल जस्टिस एक्ट पर फरीदाबाद पुलिस का सेमिनार आयोजित पुलिस अधिकारियों व अनुसंधान अधिकारियों को किया गया जागरूक

- कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बाल अपराधियों तथा बाल संरक्षण से जुड़े मामलों में सही जानकारी देकर जांच प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

बच्चों से संबंधित मामलों की जांच को अधिक संवेदनशील, प्रभावी एवं कानून सम्मत बनाने के उद्देश्य से फरीदाबाद पुलिस द्वारा शनिवार को लघु सचिवालय सेक्टर-12 स्थित सभागार में जुवेनाइल जस्टिस (केयर एंड प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन) एक्ट-2015 विषय पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जेजे बोर्ड की सहायक जिला न्यायवादी गार्गी नरेश ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के विभिन्न प्रावधानों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

सेमिनार में पुलिस उपायुक्त बल्लभगढ़ प्रतीक अग्रवाल, पुलिस उपायुक्त एनआईटीए उत्तम, सहायक पुलिस आयुक्त एनआईटी विनोद कुमार नोडल अधिकारी सहित जिले के सभी थाना प्रबंधक, अपराध शाखाओं के प्रभारी, अनुसंधान अधिकारी तथा अन्य पुलिस कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बाल अपराधियों तथा बाल संरक्षण से जुड़े मामलों में पुलिस अधिकारियों को कानून की सही जानकारी देकर जांच प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाना था। कार्यक्रम के दौरान गार्गी नरेश ने बताया कि जुवेनाइल जस्टिस एक्ट बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए बनाया गया एक महत्वपूर्ण कानून है, जिसके अंतर्गत विधि का उल्लंघन करने वाले बच्चों तथा संरक्षण एवं देखभाल की आवश्यकता वाले बच्चों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। किसी भी मामले में बच्चे की पहचान को गोपनीय रखना कानूनी रूप से अनिवार्य है तथा इस संबंध में निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए।

सेमिनार के दौरान अनुसंधान अधिकारियों द्वारा बाल मामलों की जांच में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों और प्रक्रिया संबंधी कमियों पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने उन त्रुटियों की पहचान कर उन्हें दूर करने के उपाय बताए जो कई बार अनुसंधान प्रक्रिया के दौरान देखने को मिलती हैं। अधिकारियों को अवगत कराया गया कि किसी भी किशोर से संबंधित मामले में उसकी आयु का सही निर्धारण अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा इसके लिए आवश्यक दस्तावेज समय पर प्राप्त किए जाने चाहिए।

Delhi Institute of Management, Faridabad

(Approved by AICTE & Affiliated to M.D. University, Rohtak)
Address : Village-FirozpurKalan, Tehsil : Ballabgarh, District-Faridabad, Mobile No.8851440031
Institute web-site : www.dimf.in | Email : delhiitmrregistrar@gmail.com

REQUIRES APPLICATIONS FOR THE FOLLOWING POSITIONS ON REGULAR BASIS
Director/Principal-01 (Management / Computer Applications)

TEACHING

Department	Prof.	Associate Prof.	Asst. Prof.
MBA	1	2	9
MCA	1	1	4

NON-TEACHING

Librarian	1	Clerk-cum-Typist	2
Technical Assistant	2	Office-Assistant-cum Accountant	1
Registrar	1	Peon	4
Computer Operator	1	Mali	2
Data Entry Operator	1	Safai Karamchari	4
Library Attendant	1		

The qualifications for Assistant Professor in BBA & Librarian are NET/Ph.D.
Qualifications, Pay-Scales and Experience as per AICTE, UGC, STATE GOVT. AND MDU Norm.
The application form is available on the College web-site. Candidates may download or obtain from the office of the College on any working day and may apply along with copy of all testimonials & Experience certificate within 21 days from the date of Publishing of this advertisement (i.e. by 12.07.2026)to **The Chairman, Delhi Institute of Management, Faridabad** or on e-mail delhiitmrregistrar@gmail.com **A copy of application form must be sent to D.C.D.C. M.D. University, Rohtak.** Posts can be increased or decreased at the time of interview as per requirement.

CHAIRMAN

खबर संक्षेप

खान सर की गिरफ्तारी पर रोक बरकरार

पटना। मशहूर कोचिंग शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर को अदालत से फिर राहत मिल गई है। पटना के जिला एवं सेशन कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए गिरफ्तारी पर रोक बरकरार रखी है। पुलिस ने शनिवार को केस डायरी अदालत को सौंप दी। रौशन आनंद की खान बिंदु एकेडमी से बीते 2 जून को हुए विवाद के दौरान दो गार्ड द्वारा फायरिंग के मामले में खान सर पर एफआईआर हुई थी।

एक साथ डूब गए 3 सगे भाई-बहन, मौत

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले में दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां केबालूमाथ प्रखंड के आरा गांव में हृदयविदारक घटना में एक ही परिवार के तीन मासूम बच्चों की डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार द्वारिका गंझु के तीन बच्चे 9 साल का माही कुमार, 6 साल की दीपिका और 3 साल का आर्यन कुमार गांव के पास पत्थर निकालने के लिए सालों पहले खोदे गए पानी से भरे गड्ढे में नहाने गए थे।

बागपत में मस्जिद पर गरजा बुलडोजर

बागपत। यहां बड़ौत के राजपुर-खामपुर गांव में शनिवार को जिला प्रशासन ने हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में सरकारी भूमि पर बनी पुरानी तकिया वाली मस्जिद को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान पूरे गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पीएसी समेत भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को मिला आकार, श्रद्धा पथ पर बढ़ीं सुविधाएं

चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं के लिए 6 प्रमुख आश्रम अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ तैयार

परियोजना के तहत श्रवण कुमार आश्रम, आस्तिक आश्रम, ऋषि च्यवन आश्रम, मेधा ऋषि आश्रम, श्री बन्धू बाबा आश्रम और महर्षि बामदेव आश्रम में व्यापक निर्माण कार्य किया गया। इन स्थलों पर विश्राम गृह, शौचालय, पीने के पानी की सुविधा, खान-पान की दुकानें, स्तंभ, प्रवेश द्वार, साइनेजेस तथा सीटिंग इंटरप्रिटेशन वॉल का निर्माण पूरा किया गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अयोध्या

भगवान राम की नगरी में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित छह प्रमुख आश्रमों का व्यापक विकास कार्य पूरा हो गया है। पर्यटन विभाग की पहल पर 20.64 करोड़ रुपए की लागत से इन आश्रमों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। इससे तीर्थयात्रियों को बेहतर ठहराव, खान-पान और पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। इस परियोजना के तहत श्रवण कुमार आश्रम, आस्तिक आश्रम, ऋषि च्यवन आश्रम, मेधा ऋषि आश्रम, श्री बन्धू बाबा आश्रम और महर्षि बामदेव आश्रम में व्यापक निर्माण कार्य किया गया। इन स्थलों पर विश्राम गृह, शौचालय, पीने के पानी की सुविधा, खान-पान की दुकानें, स्तंभ, प्रवेश द्वार, साइनेजेस तथा सीटिंग इंटरप्रिटेशन वॉल का निर्माण पूरा किया गया है।

पर्यटन विभाग ने 20.64 करोड़ की लागत से आश्रमों को किया सुसज्जित

परिक्रमा पथ की यात्रा देगी और अधिक सुखद अहसास

राम मंदिर निर्माण के बाद आसपास के क्षेत्रों का विकास, सड़कें, रोशनी, स्वच्छता और अब चौरासी कोसी मार्ग पर आश्रमों का नवीनीकरण इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पर्यटन विभाग का लक्ष्य है कि अयोध्या न केवल धार्मिक केंद्र बने बल्कि एक समृद्ध सांस्कृतिक और पर्यटन हब के रूप में भी विकसित हो। श्रद्धालु अब परिक्रमा पथ की यात्रा को और अधिक सुखद बना सकेंगे। इस परियोजना का पूरा होना अयोध्या धाम को और चमकाने वाला कार्य है। भक्तों का कहना है कि आस्था के साथ अब सुविधा भी जुड़ गई है, जिससे रामलला की नगरी में आने का उत्साह और बढ़ गया है।

यात्रियों को आश्रमों में रुककर आराम करने की सुविधा

पर्यटन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह विकास कार्य धार्मिक पर्यटन को नई गति प्रदान करेगा। अयोध्या धाम पहले से ही राम मंदिर, हनुमान गढ़ी, नया घाट और अन्य पावन स्थलों के कारण देश-विदेश से श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है। चौरासी कोसी यात्रा पथ का विकास इन आश्रमों को और अधिक आकर्षक बनाएगा। यात्रियों को अब लंबी यात्रा के दौरान थकान महसूस होने पर इन आश्रमों में रुककर आराम करने और अपनी आस्था को और मजबूत करने का अवसर मिलेगा।

मेडिकल कॉलेज सहित 1766 करोड़ रु. की 221 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास

कांग्रेस व सपा सरकारों ने ललितपुर को 1500 करोड़ रुपए भी नहीं दिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बहन-बेटियां, माताएं सिर पर घड़ा लेकर नहीं जातीं, क्योंकि बुंदेलखंड में हर घर जल की योजना साकार हो रही है। हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंच रहा है। सीएम ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की चर्चा करते हुए कहा कि हम लोग यूपी का सबसे बड़ा औद्योगिक शहर बुंदेलखंड में बसाने जा रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ललितपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ललितपुर को शनिवार को एक साथ 1500 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की सौगात मिल रही है। कांग्रेस ने पांच दशक और सपा ने चार बार प्रदेश में शासन किया, लेकिन इन दलों ने कुल मिलाकर 1500 करोड़ रुपए भी ललितपुर को नहीं दिए होंगे, क्योंकि उनमें विकास की सोच नहीं थी।

मुख्यमंत्री शनिवार को तुवन मंदिर मैदान में राजकीय मेडिकल कॉलेज सहित 1766 करोड़ रुपए की 221 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के उपरांत जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर ललितपुर की विकास यात्रा पर लघु फिल्म भी दिखाई गई। सीएम ने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विख्यात बुंदेलखंड के सुंदरतम जनपदों में से एक ललितपुर हमारे हृदय में बसता है। सीएम ने कार्यक्रम में उपस्थित जनता का अभिनंदन करते हुए आश्वासन दिया कि डबल इंजन सरकार यहां के विकास के लिए हरसंभव कदम उठाएगी।

नवाचार के लिए जाना जा रहा है ललितपुर

सीएम ने कहा कि ललितपुर अब विकास की ऊंचाइयों को प्राप्त कर नवाचार के लिए जाना जा रहा है। प्रदेश की पहली गोशाला देकर ललितपुर ने बताया था कि सरकार भी गोशाला का संचालन कर सकती है। तुवन सरकार की कृपा से तत्कालीन जिला प्रशासन ने पहली गोशाला प्रारंभ की थी। अब वहां से कंपोस्ट का निर्यात अन्य देशों को होने जा रहा है। अब ललितपुर के पास मेडिकल कॉलेज, अटल आवासीय विद्यालय भी है। 1500 एकड़ में यूपी का पहला फार्मा पार्क ललितपुर में बनेगा, इसकी तैयारी हो चुकी है। इससे हजारों नौजवानों को नौकरी मिलेगी।

सीएम योगी पहुंचे दतिया, पीतांबरा पीठ में किए दर्शन 'जय श्रीराम' के उद्घोष के साथ स्वागत

मध्यप्रदेश के पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनकी अगवानी की

सीएम योगी शनिवार को अल्प प्रवास पर मप्र के दतिया पहुंचे। सुबह सीएम का हेलिकॉप्टर दतिया एयरपोर्ट पर उतरा, जहां मप्र के पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनकी अगवानी की। एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'जय श्रीराम' के उद्घोष के साथ योगी का स्वागत किया। एयरपोर्ट से काफिला सीधे विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां पीतांबरा पीठ के लिए रवाना हुआ। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले मां बगलामुखी देवी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। इसके बाद वे परिसर में स्थित प्राचीन वनखंडेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक किया।

अब ललितपुर के युवाओं व बेटियों को मिलती है सरकारी नौकरी

सीएम ने कांग्रेस व सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि संकुचित सोच वाली इनकी सरकारों ने हर जनपद में एक-एक माफिया दिया था, जो जनता की गाढ़ी कमाई पर डकैती डालने के साथ अवैध खनन, वनों की अवैध कटान, गोतस्करी करते थे। प्रदेश को बंजर बनाते थे। इन लोगों ने यूपी को बीमारू बनाकर बुंदेलखंड के नौजवानों को पलायन पर मजबूर किया। बहन-बेटियों को कष्ट दिया था, लेकिन आज ललितपुर की बेटियां व नौजवान यूपी पुलिस समेत सरकारी नौकरियों में भर्ती होते हैं।

मुठभेड़ पर सवाल के बाद सम्राट का ऐलान

भरत एनकाउंटर की न्यायिक जांच करेंगे रिटायर्ड जज

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार के भोजपुर में भरत तिवारी पुलिस एनकाउंटर की न्यायिक जांच का आदेश दिया गया है। सीएम सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि घटना के सभी पहलुओं को निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ सामने लाना जरुरी है। इस मामले में इंस्पेक्टर, दारोगा समेत कई पुलिस कर्मियों पर गाज गिरी है। बिहार सरकार के मंत्री मिथिलेश तिवारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने भरत के एनकाउंटर पर सवाल उठाया है। भरत तिवारी की मौत को पुलिस द्वारा की हत्या का आरोप लगाकर इलाके के लोगों ने गुरुवार को जबरदस्त बवाल काटा। सड़क जाम हटाने और आक्रोशित लोगों को शांत कराने के लिए पुलिस को लाठी चार्ज करना पड़ा।

बिहार की जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व

सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करके बताया है कि भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में 17 जून को हुई पुलिस मुठभेड़ की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच हेतु उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा न्यायिक जांच कराने का निर्णय लिया गया है। न्यायिक जांच का उद्देश्य घटना के सभी पहलुओं की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ जांच सुनिश्चित करना है। उन्होंने पहले भी कहा था कि बिहार की जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का दायित्व है।

3.35 करोड़ गबनः पूर्व पैक्स अध्यक्ष गिरफ्तार

सासाराम। रोहतास जिले के राजपुर थाना क्षेत्र में को-ऑपरेटिव बैंक की राशि गबन के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मंगरवलिया पंचायत के पूर्व पैक्स अध्यक्ष अरविंद कुमार राय को शनिवार को उनके पैतृक गांव से गिरफ्तार कर लिया गया। यह कार्रवाई न्यायालय द्वारा जारी वारंट के आधार पर की गई। गिरफ्तारी के दौरान बिक्रमगंज एसडीएम प्रभात कुमार और अंचल अधिकारी पिंटू कुमार चौधरी दंडाधिकारी के रूप में मौजूद रहे।

यूपी में गर्मी बरकरार, 31 जिलों में लू का अलर्ट, मानसून के आसार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून की दस्तक से पहले भीषण गर्मी और मौसम के उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। शनिवार को प्रदेश के 20 जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया गया। तेज धूप और उमस ने लोगों को बेहाल रखा। पूर्वांचल और तराई इलाकों में हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में सबसे अधिक तापमान बांदा में 43.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रयागराज में 43 डिग्री, वाराणसी में 42.6 डिग्री, कानपुर में 42.2 डिग्री और झांसी में 41.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। विभाग ने रविवार के लिए 31 जिलों में लू चलने की चेतावनी जारी की है।

पेज एक का शेष

1 लाख से अधिक...

मामले की जांच सीबीआई कर रही है। देश में अब तक कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

इलेक्ट्रॉनिक गड़बड़ी से बचाएंगे 51,311 जैम : एजेंसी के मुताबिक, यह परीक्षा 1 लाख 38 हजार 560 सीसीटीवी कैमरों से लैस कुल 95 हजार कक्षाओं में होगी। जिससे मिलने वाली जानकारी (फीड) पर राष्ट्रीय से लेकर राज्यों और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्तर पर वर्चुअल आधार पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। परीक्षा में किसी भी तरह की इलेक्ट्रॉनिक गड़बड़ी को रोकने के लिए केंद्रों पर 51 हजार 311 जैमर भी लगाए गए हैं। जिसमें 17 हजार 54 ईसीआईएल और 34 हजार 257 बीईएल ने लगाए हैं।

हजारों की संख्या में कर्मियों की तैनाती: परीक्षा के दिन ड्यूटी के लिए एनटीए ने हजारों की तादाद में कर्मियों की तैनाती की है। 95 हजार परीक्षा कक्षाओं में से प्रत्येक में क्रमशः 2-2 निरीक्षकों की तैनाती की जाएगी। साथ ही हर परीक्षा केंद्र पर 10 से अधिक अतिरिक्त परीक्षा संचालन स्टाफ की मौजूदगी रहेगी। अभ्यर्थियों के वेरिफिकेशन को मजबूत बनाने के लिए 38 हजार 795 फ्रिस्किंग स्टाफ और बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन के लिए 48 हजार 448 कर्मी तैनात रहेंगे। बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन को दोगुना किया गया है। जिसमें अभ्यर्थी के चेहरे की पहचान अनिवार्य रूप से की जाएगी। जिससे केंद्रों पर जांच व्यापक रूप से की जा सकेगी। सभी 5 हजार 440 केंद्रों पर सेंटर सिस्टम अधिकारी (सीएसओ) की तैनाती रहेगी। जो सीसीटीवी से मिलने वाली लाइव फीड की निगरानी के अलावा मौके स्थल पर कैमरों में आने वाली किसी भी तकनीकी समस्या का निदान कर सकेंगे।

हर केंद्र पर सुरक्षा...

से तैनात की गई है। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर 40 से 50 सैन्य सुरक्षा कर्मी तैनात रहेंगे। देश में 700 कलेक्शन सेंटर से ओएमआर शीट को लेने के लिए डाक विभाग अपनी टीमों के साथ समन्वय स्थापित करेगा। जबकि गोपनीय मटीरियल को संभालने के लिए 1500 बैंक शाखाओं पर कर्मियों की तैनाती रहेगी। इस बाबत सभी राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एजेंसी की समीक्षा बैठकें हो चुकी हैं।

छात्रों के लिए मौजूद...

नुमा जगह निर्धारित की हैं। परीक्षा को लेकर हर केंद्र पर एक दीवार घड़ी लगाई गई है। जिससे छात्रों को समय का पूरा अंदाजा रहे, रफ कार्य के लिए अतिरिक्त पेज दिए जाएंगे

22 लाख प्लस छात्र देंगे परीक्षा: एजेंसी ने कहा कि उसकी सोशल मीडिया के तमाम मंचों पर पैनी नजर बनी हुई है। जिससे किसी भी तरह की अफवाह या पेपरलीक की झूठी जानकारी फैलाने वालों पर तुरंत रोक लगाने के साथ ही छात्रों को किसी भी प्रकार के अनावश्यक तनाव से सुरक्षित रखा जा सकेगा। इस बार परीक्षा में 22 लाख से अधिक अभ्यर्थी भाग लेंगे। छात्रों, अभिभावकों से यह अपील की गई है कि वह सिर्फ और सिर्फ एनटीए द्वारा दी जा रही आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। किसी भी तरह की अफवाह पर कतई ध्यान न दें।

पिता ने लगाई ...

नंबर पर कॉल की थी। उन्होंने हमें ईमेल भेजने के लिए कहा। जब हमने मेल की तो एजेंसी ने कहा कि आपको शनिवार शाम 4 बजे तक नया एडमिट कार्ड जारी कर दिया जाएगा।

शिक्षा मंत्री प्रधान के...

की। अभिजीत दीपके ने एक्स पर दावा किया है कि दिल्ली पुलिस प्रदर्शन स्थल पर खाना, पानी, स्ट्रीट लाइट और वॉशरूम की अनुमति नहीं दे रही है। बैरिकेड की दूसरी ओर लोग खड़े हैं और पुलिस उन्हें आने नहीं दे रही है। रात को प्रदर्शन स्थल पर प्रदर्शनकारियों की तादाद बहुत ज्यादा नहीं थी और प्रदर्शन स्थल पर पुलिस अब किसी को जाने नहीं दे रही है। इससे पहले शाम में दिल्ली पुलिस के कर्मी एक पोस्टर लेकर धरना स्थल पर खड़े थे जिसमें उन्होंने प्रदर्शनकारियों से तुरंत धरना स्थल खाली करने को कहा था क्योंकि उनका समय समाप्त हो चुका था। अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो पोस्ट करके बताया था कि वो जंतर-मंतर पर हैं और पुलिस उन्हें गिरफ़्तार करने आ रही है। उन्होंने देशभर में लोगों से अपील करते हुए कहा था कि जितने भी इस देश में युवा इस वीडियो को देख रहे हैं वो अपने-अपने जिलों में जेल भरो आंदोलन शुरू कर दें, चाहे कुछ भी हो जाए ये आंदोलन रुकना नहीं चाहिए। अभिजीत दीपके ने कहा है कि सरकार धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की शर्तों को लेकर उनसे बातचीत के चैनल को खोले। सीजेपी इज़ बैक ने एक्स पर लिखा, दीपके ने पुलिस से जंतर-मंतर पर अपनी अनुमति बढ़ाने की अपील की है और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की शर्त पर सरकार के साथ बातचीत के लिए रास्ता खोलने को कहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू जबलपुर...

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार शामिल होंगे।

240 स्वर्ण पदकों का होगा वितरण और 182 को मिलेंगी पीएचडी उपाधियां : रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर का 36 वां दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के 141 मेधावी विद्यार्थियों को 240 स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु चयनित विद्यार्थियों को 20 स्वर्ण पदक प्रदान करेंगी। समारोह में 182 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त 3 विद्वानों को डी-लिट, एक को डीएससी तथा एक विशिष्ट व्यक्तित्व को मानद उपाधि प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है। दीक्षांत समारोह के बाद राष्ट्रपति रविवार को ही दोपहर में ग्वालियर से होते हुए कूनो नेशनल पार्क में पहुंचेंगी।

190 से अधिक ...

के योगदान को नई पहचान दिलाई और योग को विश्वव्यापी जनआंदोलन के रूप में स्थापित किया।

कॉमन योग प्रोटोकॉल बना वैश्विक आधार : दुनिया भर में एक समान और समन्वित तरीके से योग दिवस मनाने के लिए आयुष मंत्रालय ने 2015 में प्रमुख योग संस्थानों और विशेषज्ञों के सहयोग से कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) तैयार किया था। यह 45 मिनट का मानकीकृत योग अभ्यास कार्यक्रम है, जिसमें शरीर को तैयार करने वाले अभ्यास, योगासन, कपालभाति, प्राणायाम, ध्यान और विश्राम तकनीकें शामिल हैं।

'योग फॉर एयर ट्रैवल' : आयुष मंत्रालय ने इस वर्ष कई नई पहलें शुरू की हैं। इनमें 'योग फॉर एयर ट्रैवल' विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जिसे मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने लंबी हवाई यात्राओं के दौरान स्वास्थ्य और आराम को ध्यान में रखते हुए विकसित किया है। इसके अलावा गैर-संचारी रोगों के लिए 10 विशेष योग प्रोटोकॉल भी विकसित किए गए हैं। इनमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, अस्थमा और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए विशेष मॉड्यूल शामिल हैं।

अलीगढ़ को मिली एक और पहचान

धातु की मूर्तियों को मिला जीआई टैग, यूपी बना देश का नंबर-1 राज्य

एजेंसी ▶▶ अलीगढ़

अलीगढ़ की विश्व प्रसिद्ध धातु मूर्तियों को आधिकारिक तौर पर जीआई (ज्योग्राफिकल इंडिकेशन) टैग मिल गया है। इस उपलब्धि के साथ उत्तर प्रदेश ने चार नए जीआई टैग हासिल कर कुल 83 अंकों के साथ देश में पहला स्थान बरकरार रखा है। इसे अलीगढ़ की पारंपरिक शिल्पकला और स्थानीय कारीगरों के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है।

अलीगढ़ ब्रास स्टेचू एंड आर्टवेयर सप्लायर एसोसिएशन के अध्यक्ष हनुमंत राम गांधी ने बताया कि उनकी एसोसिएशन ने जीआई मैन ऑफ इंडिया के रूप में विख्यात पद्मश्री डॉ. रजनी कांत के साथ मिलकर इस टैग के लिए आवेदन किया था। चेन्नई स्थित जीआई रजिस्ट्री की विभिन्न तकनीकी प्रक्रियाओं, परीक्षणों और प्रस्तुतियों के बाद अलीगढ़ की इस कला को यह विशेष मान्यता प्राप्त हुई है।

यहां बनी पीतल और अन्य धातुओं की मूर्तियां अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों और दक्षिण-पूर्व एशिया में बड़े पैमाने पर निर्यात की जाती हैं। वैश्विक बाजारों में भारतीय संस्कृति, देवी-देवताओं और पारंपरिक कलाकृतियों की भारी मांग के कारण इस उद्योग का विदेशी मुद्रा अर्जित करने में बड़ा योगदान है।

यूपी के 5 जिलों को होगा सीधा फायदा

बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए रेल कनेक्टिविटी को नई रफ्तार

एजेंसी ▶▶ बांदा

बुंदेलखंड की रेल कनेक्टिविटी को नई रफ्तार देने वाली खैरार-अकोना दूसरी रेल लाइन ने शुक्रवार को अपनी सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा सफलतापूर्वक पार कर ली। रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) पूर्वोत्तर परिमंडल के प्रणजीव सक्सेना की मौजूदगी में खैरार-अकोना रेलखंड पर निरीक्षण यान का 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सफल स्पीड ट्रायल किया गया। ट्रायल के सफल होने के बाद अब सीआरएस की अंतिम स्वीकृति का इंतजार है। मंजूरी मिलते ही इस रेलखंड पर ट्रेनों का संचालन शुरू करने का रास्ता साफ हो जाएगा। यह उपलब्धि केवल बांदा जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे बुंदेलखंड के लिए बड़ी राहत है।

खैरार स्टेशन बांदा जिले में स्थित है, जबकि इचौली और अकोना स्टेशन हमीरपुर जिले में आते हैं। यह रेलखंड झांसी-मानिकपुर एवं खैरार-भीमसेन दोहरीकरण परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो भविष्य में बांदा, हमीरपुर, महोबा, चित्रकूट और कानपुर की रेल कनेक्टिविटी को नई मजबूती देगा।

इचौली-अकोना के बीच शेष रेलखंड का निरीक्षण पूरा कर विंडो ट्रेलिंग की गई और इसके बाद 120 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से स्पीड ट्रायल कराया गया। ट्रायल के दौरान ट्रैक की स्थिरता, विद्युतीकरण, संरक्षा उपकरणों और सिग्नलिंग प्रणाली की कार्यक्षमता की जांच की गई।

सीएम के निर्देश पर आयुष्मान सेवाओं का विस्तार

निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण उपचार

आयुष्मान कार्डधारकों को बड़ी राहत, अब जिले में ही होगा समस्याओं का समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

योगी सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसी क्रम में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों के लिए एक बड़ी राहत भरी व्यवस्था लागू की गई है। अब आयुष्मान कार्ड से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए लाभार्थियों को राज्य स्वास्थ्य एजेंसी (साचीज) के लखनऊ स्थित कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उनकी समस्याओं का निस्तारण अब जिला स्तर पर ही किया जा सकेगा। साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रयास है कि आयुष्मान भारत योजना का वास्तविक लाभ सभी पात्र लोगों तक पहुंचे। ऐसे में प्रदेश के सभी मुख्य

चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ), नोडल आयुष्मान अधिकारियों तथा जिला कार्यान्वयन इकाई की टीमों को विशेष तकनीकी आईडी उपलब्ध करा दी गई है। इसके माध्यम से अब जिला स्तरीय अधिकारी आयुष्मान कार्ड के अप्रूवल, रिजेक्शन और कार्ड को डिसेबल करने जैसी तकनीकी प्रक्रियाओं का स्थानीय स्तर पर ही त्वरित समाधान कर सकेंगे।

300 अस्पतालों का कराया जा रहा फील्ड ऑडिट

करीब 300 अस्पताल ऐसे चिन्हित किए गए हैं, जिनके विरुद्ध अपकोडिंग अथवा संदिग्ध दावों के माध्यम से अनुचित भुगतान प्राप्त करने की आशंका सामने आई है। ऐसे अस्पतालों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं और उनके विरुद्ध विस्तृत फील्ड ऑडिट कराया जा रहा है। जांच में अनियमितता प्रमाणित होने पर संबंधित अस्पतालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। साचीज का स्पष्ट लक्ष्य है कि आयुष्मान भारत योजना के तहत केवल वही अस्पताल सक्रिय रहें, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान कर रहे हैं। ऐसे अस्पतालों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

पिता दिवस विशेष

आम लोग हों या सेलिब्रिटी, हर किसी के जीवन में पिता बहुत मायने रखते हैं। भले ही वे संतान से जुड़ी अपनी भावनाओं को व्यक्त ना करते हों, लेकिन उसके जीवन को संवारने के साथ उसे हमेशा सुरक्षा और संबल देते हैं। अलग-अलग क्षेत्र से जुड़ी कुछ नामचीन हस्तियां यहां बता रही हैं कि अपने पिता से उनकी कैसी बॉन्डिंग रही है, उन्होंने किस-किस तरह से उनका हौसला बढ़ाया, उनके जीवन को संवारा।

उदात्त-अद्वितीय पिता का साया

{ आवरण कथा }

मैं उसी तरह का इंसान हूं, जैसे पिताजी थे

वरुण बडोला, अभिनेता-लेखक

मेरे पिता विश्वमोहन बडोला जाने-माने रंगकर्मी और पत्रकार थे। पढ़ने-लिखने के बहुत शौकीन। बचपन में मेरे सामने भी दो विकल्प थे कि मैं भी उनकी तरह पत्रकार बन जाऊं या कलाकार। मैंने अभिनय को चुना। लिखने का शौक भी मेरे अंदर पिताजी से ही आया। चूंकि मैं एक कलाकार के घर में पल रहा था तो उस वातावरण में मैं बहुत सारी थिएटर, अभिनय और स्टेज से जुड़ी शुरुआती बेसिक स्किल्स, जो लोग बाहर जाकर कोर्स करके सीखते हैं, जैसे- कैसे बोलना है, चलना है, भाषा, उच्चारण आदि, यह सब मैंने पिताजी से घर पर ही सीखीं। उन्हें थिएटर और रेडियो में काम करते हुए देखकर, सुनकर सीखा, समझा। एक कलाकार के घर जन्म लेने का यह फायदा मुझे मिला। जब मैं हताशा और निराशा के पलों में होता तो भी वे मुझे बहुत अच्छी तरह से समझाते थे। मुझे लगता है कि हर पिता में यह दूरदर्शिता होती है और जब बात अपने बच्चों पर आ जाती है, तब वे पहले ही भांप लेते हैं कि जो स्थिति है उसका परिणाम क्या हो सकता है? ऐसा कई बार हुआ, मैं किसी परिस्थिति से जूझ रहा होता और वे मुझे कहते थे कि मुझे ऐसा लग रहा है कि आने वाले दिनों में परिस्थितियां ऐसे बदलेंगी और इस तरीके की एक तस्वीर सामने आएगी। इसके अलावा कोई काम करना चाहिए या नहीं करना चाहिए। या एक ही जगह पर रुक जाना चाहिए? इस तरह की बहुत-सी बातों पर वे अपनी राय रखते थे। आज पापा को गए छह साल हो चुके हैं। मेरा और पापा का रिश्ता बहुत कुछ अनकहे पर आधारित था। हमारी एक-दूसरे को लेकर जो सोच और भावनाएं थीं, वह हम दोनों ने शब्दों में बहुत ज्यादा कभी व्यक्त नहीं की, लेकिन मैं यह मानता हूं कि भावनाओं का आदान-प्रदान बिना कुछ कहे भी हो सकता है। मैं उसी तरह का इंसान हूं, जिस तरह के वे थे। समय के साथ रिश्ते आगे बढ़ते हैं लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि हम दोस्त हो गए। मैं चाहता भी नहीं था कि मेरे पिताजी मेरे दोस्त बने। मैं अपने पिताजी को पिता के रूप में ही देखना चाहता था। *

मेरी सफलता का सारा श्रेय पिताजी को जाता है

अनूप जलोटा, गायक

मेरे पिता श्री पुरुषोत्तम दास जलोटा ने मुझे पढ़ाने-लिखाने पर जितना ध्यान दिया, उतना ही गुरु के रूप में संगीत सिखाने के लिए भी हर संभव प्रयास किया। इस तरह वे मेरे पिता व गुरु दोनों थे। मेरे लिए वे ईश्वरतुल्य हैं, मुझे उनकी बहुत कृपा प्राप्त हुई। मेरी सफलता का सारा श्रेय पिताजी को जाता है। संगीत के क्षेत्र में करियर कैसे बनाना है, आगे कैसे बढ़ना है, सब उन्हीं का मार्गदर्शन रहा। उन्होंने जो कहा, मैंने वैसा किया। उन्होंने मुझे जीवन की एक ऐसी सीख दी, जिसे मैं आज भी याद रखता हूं। उन्होंने कहा था, 'बेटा सबसे प्रेम से मिला करो। चाहे कितना भी सफल हो जाना, घमंड कभी मत करना। ये नेम-फेम क्षणिक होता है। इसलिए अगर लोगों से प्रेम से मिलोगे, उनसे मधुर संबंध बनाओगे तो यह जीवन भर बहुत काम आएगा।'

बतौर संगीत गुरु मेरे पिताजी बहुत सख्त और अनुशासनप्रिय थे। मुझे याद है, मैं जब सात-आठ साल का था, तब वे अकसर मुझे एक तानपुरा देकर कमरे में बंद कर देते और कहते थे कि अब दो घंटे बस एक ही सुर लगाओ। उस समय मुझे यह बहुत मुश्किल लगता था, लेकिन उस समय मैंने जो सुर लगाने का अभ्यास किया, वो आज तक बरकरार है। एक बार मुझे एक प्रोग्राम में गाने के लिए बुलाया गया, लेकिन आयोजकों के पास तबला, हारमोनियम वादक नहीं थे। मैंने सोचा कि मैं बिना संगत के कैसे गाऊंगा? मैंने पिताजी को सारी बात बताई। इस पर पिताजी बोले, 'तुम आज से हारमोनियम बजाना सीखो।' मैंने वैसा ही किया। उस समय मैं आठ वर्ष का था। तब से आज तक गाते समय मैंने कभी किसी हारमोनियम वादक को संगत के लिए नहीं बुलाया। मैं गाते वक्त खुद हारमोनियम बजाता हूं। कहने का मतलब है कि उनकी हर सीख ने बतौर गायक मुझे संवारा। उनकी हर सीख मेरे साथ हमेशा रहती है। *

जीवन के हर पड़ाव पर पापा हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं

स्नेहा चक्रधर, भरतनाट्यम नृत्यांगना

मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि एक ऐसे माहौल में पैदा हुई, जहां साहित्य व संगीत दोनों लगातार मौजूद रहे। ऐसा माहौल आम घरों में आसानी से नहीं मिलता, लेकिन मुझे विरासत में मिला। इसी माहौल ने मेरे व्यक्तित्व का निर्माण किया। बचपन से मैं देखती थी कि मेरे पापा, श्री अशोक चक्रधर जो भी काम करते हैं, बेहद परफेक्शनिज्म के साथ करते हैं। कोई कमी न रह जाए, इसलिए पूरा तन-मन-धन लगा देते हैं। बचपन की एक घटना मुझे याद है कि एक बार मैंने अपनी किसी सहेली से बोला, 'अगर मेरे पापा मोची होते तो दुनिया का सबसे सुंदर जूता बनाते।' मतलब, मैं बचपन से जानती थी कि पापा के काम में कमी निकालना बहुत मुश्किल काम है। मैंने समाजशास्त्र और नृत्य दो विषयों को चुना और इन दोनों को एक साथ देखने, समझने की प्रेरणा मुझे पापा से ही मिली। पापा का व्यक्तित्व बहुआयामी रहा है, चाहे फिल्म निर्माण हो, लेखन, कविता, नाटक, साहित्यिक आलोचना, कला, शिक्षण या प्रशासन हर क्षेत्र में उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनके इसी बहुआयामी दृष्टिकोण से मैंने सीखा कि अलग-अलग रुचियों और ज्ञान क्षेत्रों को जोड़कर ही एक समृद्ध और सार्थक जीवन जिया जा सकता है। जीवन के हर पड़ाव पर पापा हमेशा मेरे साथ खड़े रहे हैं। हर चुनौती या मुश्किल समय में उन्होंने मेरा साथ दिया। उनकी बेटी होने के मुझे बहुत फायदे मिले हैं। चाहे दिल्ली के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक और बौद्धिक परिवेश हों या छोटे-छोटे गांव, जहां भी मैं कार्यशालाओं के लिए गई। जब लोगों को पता चलता था कि मैं काका हाथरसी की नातिन और अशोक चक्रधर की बेटी हूं तो जो अपनापन, प्यार, स्वागत, सत्कार मेरा होता रहा है कि उसे शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल है। अब मैं अमेरिका में बस गई हूं लेकिन आज भी जब पापा कुछ नया लिखते हैं तो मम्मी के बाद मैं उनकी दूसरी पाठक/श्रोता होती हूं। मैं उनसे रोज बात करती हूं और चाहती हूं कि वे हमेशा स्वस्थ रहें और लिखते रहें। *

प्रस्तुतिः रेणु खंतवाल

अपने पिता को मैं हर सांस में याद करता हूं

चित्तरंजन त्रिपाठी, एनएसडी डायरेक्ट-एक्टर

मेरे पिता श्री विश्वनाथ त्रिपाठी मेरे आदि गुरु हैं। मैंने अपने कला व सामाजिक जीवन में जो कुछ सीखा उसमें उनकी सबसे बड़ी भूमिका रही। पिताजी विद्वान होने के साथ सिंगर व एक्टर भी रहे हैं। वे कहते हैं, 'जीवन में कभी किसी का बुरा न करना, न सोचना। जीवन के हर मोड़ या परिस्थिति में सुकर्म करते रहना।' मूलतः उन्होंने मुझे यही सिखाया।

मुझे याद है, मैं बहुत छोटा था तभी मां का देहांत हो गया। हम तीनों भाई-बहन छोटे थे। उन्होंने हमें अकेले पाला। तमाम घरेलू काम अकेले करना, खाना बनाने से लेकर अपना काम भी करना। वे चाहते तो दूसरी शादी करके अपने जीवन को आसान बना सकते थे, लेकिन उन्होंने पूरा जीवन हम पर लगा दिया। तमाम कठिनाइयों को कठिनाई न मानकर हंसकर करने वाले व्यक्ति मेरे पिता हैं। उनकी परवरिश, देखभाल ऐसी थी कि हमें कभी मां की कमी महसूस ही नहीं हुई। समय पर खाना मिला, साफ धुले कपड़े, बिस्तर। रात को सोने से पहले हमारे पैर के तलवों पर तेल लगाना और रात को हमें दूध का गिलास पिलाना वे कभी नहीं भूलते थे।

संगीत की शुरुआती शिक्षा मैंने उन्हीं से ली। एक बार पिताजी ने मुझे 15 अगस्त पर ब्लॉक स्तर की गायन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए भेजा। उस समय मैं बहुत छोटा था, वहां जाकर डर गया और बिना गाए वापस घर आ गया। घर आकर पिताजी को बताया तो उन्होंने कहा, 'जिसका बाप जिंदा हो वह बच्चा कभी हार या डर नहीं सकता।'

अगले साल मैंने फिर उसी प्रतियोगिता में भाग लिया और मुझे पुरस्कार मिला। उसके बाद मैंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। कहने का अर्थ है कि आर्थिक रूप से तंगी के बावजूद पिताजी ने हमें दुनिया के आगे सकारात्मक रूप से कैसे खड़ा होना है, यह सिखाया। यह भी समझाया, 'तुम्हारी सारी जिम्मेदारी मेरी है, तो तुम्हें डर किस बात का!'

मैंने 1998 में जब पहली बार 'ताजमहल का टेंडर' नाटक किया तब उन्हें उड़ीसा से दिल्ली नाटक देखने बुलाया था। नाटक समाप्त होने के बाद जब उन्होंने देखा कि दर्शक लगातार तालियां बजा रहे हैं, मुझे बधाई दे रहे हैं तो उन्हें बहुत गर्व हुआ। रात को खाना खाते वक्त उन्होंने मेरी पीठ थपथपाई और कहा, 'बहुत अच्छा हुआ कि तुमने अपने दिल की आवाज सुनी और किसी नौकरी में खुद को नहीं बांधा।' वे खुद अच्छे कलाकार हैं, इसलिए समझते हैं कि एक कलाकार को जो तालियां और प्रोत्साहन जनता से मिलता है, वह अनमोल होता है। उनसे जुड़ी कई मीठी यादें मेरी स्मृतियों में दर्ज हैं। एक बार मैं स्कॉलरशिप लेकर लंदन पढ़ने गया था। मैंने उन्हें फोन किया और कहा, 'बधाई हो आप लंदन में घूम रहे हैं।' तो बोले, 'मैं लंदन कब चला गया?' तब मैंने कहा, 'मैं आपका अंश हूं, संपूर्ण तो आप हैं। अगर मैं यहां पढ़ रहा हूं, घूम रहा हूं, तो वह आप ही हैं।' इस पर वह मुस्कुरा दिए। आज भी जब मैं अपने घर (ओडिशा) जाता हूं तो पिताजी से खूब देर तक ढेर सारी बातें करता हूं। हालांकि वे 90 वर्ष के हो चुके हैं। लेकिन मेरी बातों को ध्यान से सुनते हैं, अपने मन की बात भी कहते हैं। फादर्स डे के खास मौके पर पर मैं उनसे यही कहना चाहूंगा, 'मैं आपको हर सांस में याद करता हूं। हर पल आप मेरे दिलोदिमाग में रहते हैं। इसलिए मेरे लिए तो रोज फादर्स-डे है।' *

{ कहानी / प्रभा पारीक }

सुरक्षा कवच

पेशे से वकील माथुर साहब के घर में बने ऑफिस वाले कमरे में उनके वृद्ध पिताजी भी बैठे रहते। पिताजी को लगता कि उनकी वजह से बेटे को असुविधा होती होगी। लेकिन एक बार जब उन्होंने अपने पुत्र को पौत्र से उस कमरे और अपने बारे में बात करते सुना तो वे भावविभोर हो गए। पिता-पुत्र के संबंध पर आधारित मार्मिक कहानी।

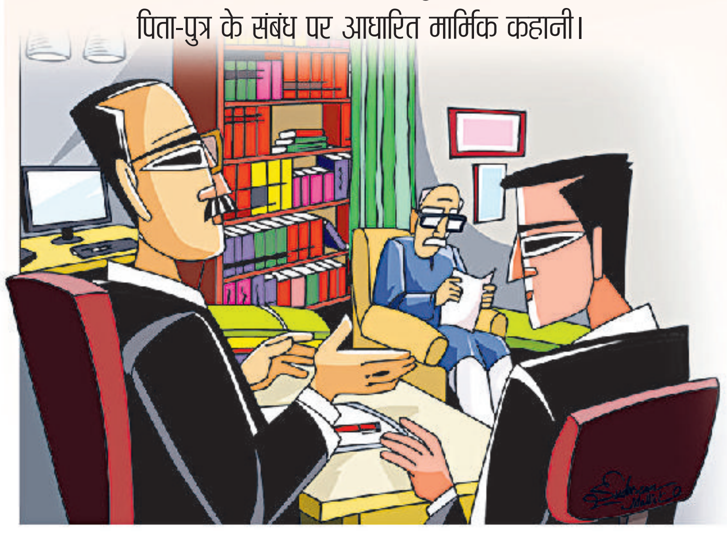

माथुर साहब के घर का वह कमरा सबसे महत्वपूर्ण था। उनके दादाजी के द्वारा बनवाया गया यह घर आज के जमाने को देखते हुए काफी बड़ा और हवादार था। उसमें भी आंगन वाले इस कमरे की बात अलग ही थी। पूरे दिन सारा कमरा माथुर साहब के पिताजी द्वारा पूजा में चढ़ाए फूलों व अगरबत्ती की खुशबू से सराबोर रहता। इस कमरे की सफाई घर में सबसे पहले होनी चाहिए, यह नियम वर्षों से था। कुछ फालतू सामान कमरे में रखा हो तो माथुर साहब स्वयं बाहर रख आते। प्रतिवर्ष पिताजी की कुर्सी-पलंग, दरवाजे-खिड़कियों पर पॉलिश होती। इसीलिए पूरा कमरा चमकता दिखता।

पेशे से वकील माथुर साहब ने पिताजी के इसी कमरे को अपना ऑफिस बना रखा था। ऑफिस के समय के दौरान घर का कोई भी सदस्य कमरे के अंदर नहीं आता। बच्चे भी दादाजी के पास शाम के बाद ही आते। दिन भर वकील साहब के पास लोगों का आना-जाना लगा रहता। पिताजी को भी इसकी आदत हो गई थी। शुरू-शुरू में एक-दो बार दबी जुबान से बेटे को कमरा बदल लेने की सलाह दी भी थी, पर माथुर साहब ने साफ इनकार कर दिया। फिर पिताजी ने भी इस विषय पर मौन धारण कर लिया था। काफी बड़ा हॉल नुमा कमरा था। माथुर साहब के पिताजी कमरे के एक कोने में बैठ कर किताब या अखबार पढ़ते कभी धीमी आवाज में रेडियो सुनते। कमरे में मौजूद छोटे से मंदिर के पास रैक में रखी धार्मिक पुस्तकें कमरे का अहम हिस्सा थीं। माथुर साहब की ओर से पिताजी के लिए कोई रोक-टोक नहीं थी। वह अपने हिसाब से पूजा-पाठ या मंत्रोच्चार करते रहते। जब उनके लिए चाय आती तब पिताजी को भी देते। पिताजी की खाने-पीने की सीमित आदतों के कारण उन्हें कोई शारीरिक तकलीफ तो नहीं थी, पर उम्र तो थी ही। माथुर साहब के पास वकालत के काम से आने-जाने वाले लोगों को पिताजी भी पहचानते थे, दुआ-सलाम के लिए वो भी अकसर उनके पास आ बैठते।

कुल मिलाकर पिताजी की उपस्थिति से माथुर साहब को कोई तकलीफ नहीं होती। पिता को क्या तकलीफ है इसकी उनको परवाह नहीं थी, ऐसा पिताजी का मानना था। उन्होंने अकसर ऐसा महसूस भी किया था पर पिताजी को इतना संतोष था कि इस बहाने से बेटा पूरे दिन उनकी आंखों के सामने रहता है। उन्हें भी अलग-अलग तरह के लोगों को नजर भर देखते रहने का अवसर मिलता। वर्षों यही सिलसिला चलता रहा। माथुर साहब का बेटा भी अब पढ़-लिखकर वकालत के लिए तैयार हो गया। उनके साथ ही काम करने लगा था। बेटे को भी यह कमरा पसंद था, क्योंकि इस कमरे में सारी सुविधाएं थीं। पर उस कमरे में दादाजी की उपस्थिति पोते को नहीं भाती थी। एक दिन उसने माथुर साहब से कहा, 'दादाजी का कमरा बदल दें या हम अपना ऑफिस किसी दूसरी जगह पर शिफ्ट कर लेते हैं।' वर्षों से माथुर साहब की पत्नी भी यही चाहती थीं, क्योंकि पिताजी की उपस्थिति के कारण वह कभी पति के पास जाकर बैठ नहीं पाती थीं। लेकिन लंबी बहस के बाद भी जब माथुर साहब इस बात के लिए तैयार नहीं हुए तो बेटा दो दिन रूठा रहा। माथुर साहब ने समस्या की गंभीरता को समझते हुए बेटे को दूसरी जगह, जहां वह चाहे, ऑफिस लेने की अनुमति दे दी, और साथ में आशीर्वाद भी। बेटे से माथुर साहब बोले, 'मैं तो यहीं से काम करूंगा। तुम अपने निर्णय के लिए स्वतंत्र हो।'

अंत में ऐसा ही हुआ, जैसा बेटा चाहता था। नई पीढ़ी हमेशा से नई सोच के साथ ही काम करती है। उसके लिए संस्कार, मूल्य कहां मायने रखते हैं। इसीलिए कुछ केस उसने अनुभव न होने के कारण ऐसे स्वीकार कर लिए, जिसमें अपयश की संभावनाएं अधिक थीं पर उसे तो मोटी फीस नजर आ रही थी। माथुर साहब ने भी सोचा परिपक्वता के लिए ठोकर और असफलता भी जरूरी है। इसी सोच के कारण उन्होंने बेटे के काम में दखल नहीं दिया। अब तो उसके पास इसी तरह के ही केस आने लगे और मुंह मांगी रकम के ऑफर भी। पर अनुभवहीन पुत्र तो पहले वाले केस को ही अभी पूरा नहीं कर पाया था। मुवक्किल का सामना करना भी आसान न था। नतीजा हुआ कि वह बहुत तनावग्रस्त रहने लगा। अपने सारे तनाव व चिंता लेकर वह एक दिन माथुर साहब के पास आकर बैठा। उस दिन किसी मुवक्किल के न होने के कारण पिता-पुत्र कमरे में अकेले थे। पुत्र ने उस दिन अपने मन का सारा तनाव पिता को कह सुनाया। कोने में बैठे उसके दादाजी भी सारी बातें सुन रहे थे। सारी बात सुनकर माथुर साहब ने अपने पुत्र से कहा, 'मेरी सफलता, मान-सम्मान के पीछे अगर किसी की सबसे बड़ी भूमिका है तो यह कमरा और इसमें बैठे रहने वाले तुम्हारे दादाजी हैं। जब मैंने काम शुरू किया तभी से यह कमरा मुझे सुरक्षा देता आया है। तुम्हारे दादाजी ने अनेक बार कहा कि मैं दूसरे कमरे में बैठकर आराम से काम करूं। पर उन्हें नहीं पता कि वे मेरे लिए कितने बड़े सुरक्षा कवच रहे हैं। शुरुआत से अपने पिता की नजरों के सामने रहा, इसीलिए किसी के लिए अपशब्द बोलना मेरी आदत में नहीं आया। पिताजी की उपस्थिति के कारण समय की मर्यादा का पालन करना मेरी आदत बन गई। इसी कमरे के कारण आने-जाने वालों ने भी मर्यादा का सदा पालन किया। तुम्हें आश्चर्य होगा कि मुझे आज तक किसी प्रकार के गलत तरह के पैसे का कोई प्रलोभन नहीं दिया गया, क्योंकि पिताजी की उपस्थिति में स्वीकारना तो दूर की बात थी, किसी को मुझसे अनैतिक कुछ कहने की हिम्मत ही नहीं हुई। इसीलिए बेटा इस पवित्र कमरे को, जिसे मैं अपना सुरक्षा कवच समझता हूं, इसके रहते मुझसे कभी कोई गलत काम नहीं होगा। अभी तक का जीवन सिद्धांतों पर चलकर बीता है, आगे भी बीत जाएगा। तुम्हें मैं यही कहूंगा कि अब समय बदल गया है। नई शैली से काम करने में परहेज मत करना, पर नैतिकता का चलन हर युग में रहा है और रहेगा। यही संस्कार मुझे अपने पिताजी से मिले और यही मैं तुमसे कहना चाहता हूं। मेरा आशीर्वाद सदा तुम्हारे साथ है। तुम्हें कभी-भी मेरी आवश्यकता होगी, मैं तुम्हारे साथ रहूंगा।' यह सुनकर उनके युवा पुत्र ने माथुर साहब के हाथों को थामकर, उन्हें आश्वस्त किया।

उधर कमरे के कोने में बैठे पुत्र के मुंह से अपने बारे में ऐसी बातें सुनकर माथुर साहब के पिताजी की बूढ़ी आंखों से झर-झर बहते आंसू बहुत कुछ कह रहे थे। जिसमें असीम खुशी और संतुष्टि घुली हुई थी। *

मुख्यमंत्री ने कहा, मप्र का सर्वांगीण विकास ही शासन का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को इंदौर में आयोजित लोकार्पण व भूमिपूजन कार्यक्रम में कहा कि सरकार ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास का संकल्प लिया है और उसी दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि नगर निगम इंदौर ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा स्वच्छता अभियान में इंदौर ने देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अवधि में देश ने विकास के अनेक नए आयाम स्थापित किए हैं।

डॉ. यादव ने इंदौर में किया सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन

विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा प्रदेश

सीएम ने कहा कि देश और प्रदेश दोनों विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश के सभी 55 जिलों में विकास के विभिन्न मानकों पर निरंतर कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना, रोजगार और जनकल्याण के क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को विकास का लाभ मिल सके।

सीएम ने हितग्राहियों को किए हितलाभ वितरित

मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना के तहत जोन 8 में सड़क और सीवर लाइन निर्माण के लिए भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्दौर के जोन 8 के वार्ड 37 में तुलसी नगर पुलिया से निपानिया तक प्रस्तावित सड़क विकास कार्य और प्राइमरी तथा आंतरिक सीवर लाइन निर्माण कार्य का रिमोट से भूमिपूजन कर शुभारंभ किया। इसमें सड़क निर्माण कार्य की लागत 13.26 करोड़ रुपए और प्राइमरी तथा आंतरिक सीवर लाइन निर्माण कार्य की लागत 2.64 करोड़ रुपए है। सड़क के निर्माण से तुलसी नगर, निपानिया, अंकुर आंगन, राजाराम ऐवेन्यु तथा महालक्ष्मी नगर सहित आसपास के क्षेत्रों के रहवासियों को आवागमन में सुविधा होगी।

डॉ. मोहन ने विकास कार्यों की घोषणा की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भूमिपूजन समारोह में कनाड़िया रोड से खजराना रोड तक लगभग 1400 मीटर लिंक रोड बनाने की घोषणा की। उन्होंने पूर्वी रिंग रोड से रोबोट चौराहे तक 6 लेन फ्लाई-ओवर बनाने की घोषणा की। इसकी अनुमानित लागत लगभग 50 करोड़ रुपए होगी। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों को वैध करने के लिए भी ठोस कार्य करने के प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 2 हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया गया, जिसमें राहुल मरमट और जगदीश उपाध्याय को 50-50 हजार के प्रतीकात्मक चेक मंच से प्रदान किए गए।

खबर संक्षेप

अधिकारियों की भलाई सर्वोच्च प्राथमिकताः सिंह

भोपाल। पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा है कि अधिकारियों की भलाई, मानसिक स्वास्थ्य और कार्यकुशलता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से श्रम विभाग के अधिकारियों के लिए उच्च तनाव वाली लोक सेवा भूमिकाओं में बर्नआउट की रोकथाम विषय पर ऑनलाइन सत्र किया गया। मंत्री पटेल ने कहा कि अधिकारी लगातार जनसेवा के दबाव में काम करते हैं, इसलिए उनके मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने बताया कि कार्यस्थल पर तनाव से जुड़े फीडबैक तंत्र को लागू कर विभागीय टीमों की कार्यक्षमता और बेहतर बनाई जाएगी। सत्र में प्रदेशभर के 79 वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। संचालन आर्डेन विश्वविद्यालय, लंदन की स्वास्थ्य मनोविज्ञान विशेषज्ञ मुक्ति सिंह ठाकुर ने किया।

भोपाल में बदले जिला शिक्षा अधिकारी, अब आर्य को जिम्मेदारी

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रशासनिक स्थानांतण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत पहली सूची 23 अधिकारियों की जारी की गई है। जारी सूची के अनुसार, भोपाल जिले के जिला शिक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी अब सहायक संचालक अभिनव आर्य को सौंपी गई है। वर्तमान आर्य लोक शिक्षण संचालनालय में पदस्थ हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सहायक संचालक आयोग सोमवार तक पदभार ग्रहण कर सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव जबलपुर में रहेंगे

भोपाल। राज्य शासन ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के लिए जिलेवार होने वाले कार्यक्रमों के लिए मुख्य अतिथि की सूची जारी की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मंत्री राकेश सिंह और इंदर सिंह परमार सभी जबलपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। विधायक व भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल बैतूल, राजेंद्र शुक्ला रीवा, विजय शाह खंडवा, कैलाश विजयवर्गीय इंदौर, करण सिंह वर्मा सीहोर, उदय प्रताप सिंह नरसिंहपुर, संपत्तियां उईके मंडला, निर्मला भूरिया झाबुआ, प्रद्युमन सिंह तोमर शिवपुरी, कृष्णा गौर भोपाल में शामिल होंगे।

आमजनों के लिए भी चलाया जाएगा जागरुकता अभियान

कोई भी अधिकारी बगैर मंजूरी मप्र से बाहर की यात्रा नहीं कर सकेगा

अधिकारियों को सार्वजनिक परिवहन, कार-पूलिंग या इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करना होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य सरकार ने शुक्रवार को एक बड़ा निर्णय लेते हुए सरकारी कार्यालयों की फिजूलखर्ची पर रोक लगा दी। विभाग प्रमुखों और जिला कलेक्टरों से कहा गया है कि वे हर हाल में मितव्ययिता बरते। शासकीय कार्य से यदि मप्र से बाहर या फिर प्रदेश में ही बड़े होटलों में कार्यक्रम आयोजित करना चाहते हैं, तो यथासंभव रोक लगाए या फिर सरकार से अनुमति प्राप्त करने के बाद ही कार्यक्रम करें। मप्र से बाहर या जिलों की यात्रा करने के बजाय वीडियो कांफ्रेसिंग से बैठकें करें। इन निर्देशों का कड़ाई से पालन करें, इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए।

सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों के दृष्टिगत प्रधानमंत्री के आह्वान के चलते राज्य शासन ने शासकीय कार्यालयों में मितव्ययता बरतने के साथ ही आमजन के बीच जन-जागरूकता अभियान चलाने के लिए विभाग प्रमुख और कलेक्टर्स को निर्देश जारी किए हैं। निर्देश में कहा गया है कि अनावश्यक यात्रा और व्यय में कमीं लाने के लिए विभागीय बैठकों, कार्य-शालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सेमीनारों का आयोजन यथा संभव वीडियों कांफ्रेंसिंग अथवा हाईब्रिड माध्यम से किया जाए।

मप्र में फिजूलखर्ची पर लगी रोक, जीएडी ने जारी किया आदेश

अत्यावश्यक परिस्थितियों में प्रदेश की बाहर की यात्राएं कर सकेंगे

सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी निर्देश के अनुसार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालय आने-जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन, कार-पूलिंग इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया है। भारसाधक सचिव अपने अधीनस्थों की प्रदेश के बाहर की यात्राएं अत्यावश्यक परिस्थितियों में ही स्वीकृत करेंगे। भार साधक सचिव की प्रदेश के बाहर शासकीय यात्राएं पूर्व अनुसार मुख्य सचिव के अनुमोदन उपरांत स्वीकृत की जाएंगी। भारत सरकार से संबंधित प्रकरणों के अनुसरण के लिए नई दिल्ली-मुंबई की मदद ले सकेंगे।

रूफ-टॉप सोलर लगाने विभाग करेंगे प्रचार

सामान्य प्रशासन विभाग ने विद्युत के उचित उपयोग के साथ ही पीएम सूर्यघर योजना में निः शुल्क बिजली योजना में रूफ-टॉप सोलर स्थापित करने के लिए सभी विभागों से प्रचार करने के लिए कहा है। जनसंपर्क विभाग को मेरा भारत-मेरा योगदान जैसा अभियान चलाकर नागरिकों को ऊर्जा सरंक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित करने के लिए कहा गया है। इसी तरह पर्यटन विभाग को मप्र से संबंधित प्रवासी भारतीयों को देखो अपना देश तथा छुट्टियां भारत में बिताने के लिए फ्रेंडस ऑफ एमपी एवं अन्य एसोसिएशन के माध्यम से प्रेरित करने की अपेक्षा की गई है।

रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग करने के निर्देश

कृषि, उद्यानिकी तथा संबद्ध विभाग को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने एवं रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग को अभियान के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए हैं। इसी तरह पाइप्ड नेचुरल गैस की लाइन के विस्तार के लिए खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग को तेजी से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य

लीज अप्रूवल की कार्रवाई सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर

खनिज साधन विभाग से कहा गया है कि क्रिटिकल मिनरल्स की अनुज्ञाएं एवं लीज अप्रूवल की कार्रवाई सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र प्रदान करने की कार्रवाई करें, जिससे आयात से बचा जा सके।

बैतूल में 'विजय सेवा न्यास' ने आयोजित किया कार्यक्रम

42 परिवारों के 59 बेसहारा बच्चों को मिली स्कूल फीस, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल ने सौंपा चेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शुक्रवार को बैतूल के रामकृष्ण बगिया में 'विजय सेवा न्यास' द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 42 बेसहारा परिवारों के 59 बच्चों की स्कूल के फीस का चेक संबंधित विद्यालयों के संचालकों व प्राचार्यों को सौंपे हैं।

साथ ही शैक्षणिक सामग्री के लिए अलग से दो-दो हजार रूपए प्रति बच्चो दिए गए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल ने बेसहारा परिवारों की देखभाल करने वाले उनके अभिभावकों को भी 20-20 हजार की आर्थिक सहायता देने के साथ शासकीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बेसहारा बच्चों के परिजनों को भी 10-10 हजार की आर्थिक मदद की है।

बेसहारा बच्चों को शिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास : हेमंत

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि पूर्व सांसद स्वर्गीय विजय कुमार खंडेलवाल की स्मृति में संचालित किए जा रहे विजय सेवा न्याय द्वारा गोद लिए 59 बेसहारा बच्चों की पढ़ाई सहित उनके समग्र विकास की जिम्मेदारी खण्डेलवाल परिवार द्वारा निर्वहन की जा रही है। विजय सेवा न्यास बेसहारा बच्चों को शिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रहा है। बेसहारा बच्चों की शिक्षा पूरी होने के बाद उनके रोजगार और स्वरोजगार की भी चिंता की जाएगी।

परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रहे

खंडेलवाल ने कहा कि बेसहारा बच्चों को शिक्षा का पूरा खर्च वहन करने के साथ ही उनके अभिभावकों की भी आर्थिक मदद की जा रही है। ऐसे परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने में विजय सेवा न्यास प्रकल्पों के जरिए मदद पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि केवल बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था करना पर्याप्त नहीं है, उनके परिवारों को आत्मनिर्भर बनाना भी जरूरी है। कार्यक्रम को केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके, विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने भी संबोधित किया।

भाजपा नेता सहित तीन लोगों को जिंदा जलाने के आरोपियों में से तीन ने किया आत्मसमर्पण

कोरिया। जिले में सोनहत ब्लॉक के नौगई गांव में हुए खौफनाक तिहरे हत्याकांड मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। इस मामले के चार मुख्य आरोपी, जिनमें भाजपा के स्थानीय नेता भी शामिल हैं,चारों ने पुलिस के बढ़ते दबाव के आगे आत्मसमर्पण कर दिया है। हालांकि, एक अन्य आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है उसकी तलाश में छापेमारी जारी है। यह दिल दहला देने वाली वारदात 16 जून की रात नौगई इलाके में हुई थी, नौगई गांव में एक भाजपा नेता सहित तीन लोगों को उनकी ही कार में जिंदा जला दिया गया था। इस जघन्य हत्याकांड के बाद से पूरे इलाके में आक्रोश और दहशत का माहौल बना हुआ था।

नगरीय निकाय कर्मियों की सेवाकाल में असमय मृत्यु पर आश्रितों को मिलेगा 1.25 लाख तक का अनुग्रह अनुदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र वेतन पुनरीक्षण नियम, 2017 के दायरे में आने वाले नगर पालिक निगम, नगर पालिका परिषद एवं नगर परिषद के कर्मचारियों की सेवा में रहते हुए मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

कर्मचारी के बैण्ड वेतन तथा ग्रेड पे के सम्मिलित योग के छह गुना के बराबर की धनराशि अनुग्रह अनुदान के रूप में प्रदान की जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा 1,25,000 रुपए (एक लाख पच्चीस हजार रुपए) होगी। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि यह कल्याणकारी निर्णय एक अप्रैल, 2025 और उसके उपरांत घटित होने वाले सभी प्रकरणों पर प्रभावशील होगा।

यह निर्णय नगरीय प्रशासन के मैदानी कार्यकर्ताओं और कर्मचारियों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और उनके सुरक्षित भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

सॉल्व फॉर टुमॉरो' कार्यक्रम ने गाजियाबाद के विद्यार्थियों को नई दिशा दिखाई

गाजियाबाद। तेजी से बदलती डिजिटल सेवाओं के दौर में युवा नई तकनीकों की मदद से लोगों के जीवन को अधिक सरल और सुविधाजनक बनाने के उपाय खोज रहे हैं। इसी उद्देश्य के साथ गाजियाबाद के न्यू एरा विद्यालय में आयोजित सैमसंग 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 306 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को मानवीय जरूरतों को समझकर समाधान विकसित करने की प्रक्रिया से परिचित कराया गया। उन्हें यह बताया गया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी आधुनिक तकनीकें भविष्य की डिजिटल सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और उपयोगकर्ता हितैषी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' सैमसंग इंडिया की एक प्रमुख शैक्षिक और नवाचार पहल है। इसका उद्देश्य 14 से 22 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को वास्तविक जीवन की चुनौतियों के समाधान तैयार करने के लिए प्रेरित करना है। इस कार्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वास्थ्य एवं शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा खेल तकनीक जैसे विषयों पर नए विचार विकसित करने का अवसर दिया जाता है।

कार्यशाला में भाग लेने वाली विज्ञान वर्ग की छात्राओं दिशा गर्ग और राशि शर्मा ने डिजिटल वितरण सेवाओं से जुड़े अनुभवों का अध्ययन किया। उन्होंने ग्राहकों, सेवा प्रदाताओं और वितरण सहयोगियों की आवश्यकताओं को समझते हुए उन क्षेत्रों की पहचान की, जहाँ तकनीक के माध्यम से सुविधाओं में सुधार किया जा सकता है।

गुस्साई भीड़ ने ट्रक फूंका, प्रतापपुर थाना क्षेत्र के बैकोना गांव की घटना

खड़े ट्रक से टकराई तेज रफ्तार बाइक तीन की मौके पर मौत, एक गंभीर

घायल युवक को अस्पताल में कराया भर्ती, पुलिस को देख ट्रक ड्राइवर मौके से भागा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सूरजपुर

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में एक भीषण सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। इस दुर्घटना में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल है। यह घटना प्रतापपुर थाना क्षेत्र के बैकोना गांव में हुई। मृतकों में बैकोना गांव निवासी रूपचंद पैकरा (20), रविंद्र पैकरा (19) और ओम प्रकाश पैकरा (18) शामिल हैं। घायल अरमान पैकरा (16) की हालत नाजुक है। उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। चारों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर शादी समारोह में जा रहे थे। उनकी बाइक रामपुर के मुख्य मार्ग पर खड़े मक्का लोड ट्रक से पीछे से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रक में आग लगा दी। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे, आग पर काबू पाया। उन्होंने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और मामले की जांच कर रही है।

112 के आरक्षक और ड्राइवर से ग्रामीणों ने की मारपीट, मारपीट मामले में दर्ज होगा प्रकरण

हादसे के पहले कार से टकराया था ट्रक

इस हादसे से पहले शिवपुर के पास इसी ट्रक की एक कार से टक्कर हुई थी। टक्कर के बाद कार सवारों और ट्रक ड्राइवर के बीच विवाद हुआ। पुलिस पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर ट्रक ड्राइवर सड़क पर ट्रक छोड़कर भाग निकला। कार सवार पुलिस से चर्चा के बाद चले गए थे। हादसे की सूचना पर डायल 112 की टीम दोबारा मौके पर पहुंची। टीम ने दो घायलों को प्रतापपुर अस्पताल पहुंचाया। बैकोना के ग्रामीणों ने डायल 112 के आरक्षक नीतेश टोप्पो और ड्राइवर से मारपीट की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गाड़ियों की चेकिंग और ट्रक रोकने के कारण हादसा हुआ। प्रतापपुर एसडीओपी अनूप एक्का ने बताया कि मारपीट मामले में अलग से प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **अर्जुन उर्फ नेपो पुत्रः** श्री नरबहादुर **पताः** ए–692, 25 गज, रघुबीर नगर, दिल्ली, ने **FIR No. 379/2021 U/S 356/379/34 IPC थानाः राजौरी गार्डन, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अर्जुन उर्फ नेपो** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अर्जुन उर्फ नेपो** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 379/2021 U/S 356/379/34 IPC थानाः राजौरी गार्डन, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **अर्जुन उर्फ नेपो** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक**14.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री शशांक नंदन भट्ट
जेएमएफसी–02, कमरा नंबर 356
तीस हजारी कोर्ट, नई दिल्ली

DP/7989/WD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्तियों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **1. विक्की दीनेवाला** पुत्र दीनदयाल, निवासी 11 / 362, कल्याणपुरी, दिल्ली और **2. आसिफ बेग** पुत्र शारिक बेग निवासी जयंत एन्क्लेव, थाना सदर केन्ट, जिला बरेली उ.प्र. ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 508 / 2025 धारा 21 / 61 / 85 एन.डी.पी.एस, थाना कल्याणपुरी, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **1. विक्की दीनेवाला** और **2. आसिफ बेग** मिल नहीं रहे हैं, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गंया है कि उक्त **1. विक्की दीनेवाला** और **2. आसिफ बेग** फरार हो गये हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं)। इनके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr. P.C. / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 508 / 2025 धारा 21 / 61 / 85 एन.डी.पी.एस, थाना कल्याणपुरी, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **1. विक्की दीनेवाला** और **2. आसिफ बेग** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **05.08.2026** को हाजिर हों।

आदेशानुसारः श्री मनु वेदवान
अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश–02 सह विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस), पूर्वी
कमरा नंबर 311,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/8378/ED/2026

कार्यालय नगर पंचायत गुरूर, जिला - बालोद (छ.ग.)
Email : nagarpanchayatgurur@gmail.com, Phone No : 07749-299800,

-:: ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण द्वितीय सूचना ::-

Main Portal: http//eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक/377/लो.नि.वि./ई-निविदा/2026-27 गुरूर, दिनांक 19/06/2026

नगर पंचायत गुरूर अनुपचारित जल प्रबंधन घटक अंतर्गत निम्नानुसार कार्य के लिये छ.ग. के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ रयपुर द्वारा जारी प्रभावशील दर अनुसूची अनुसार लमसम दर पर कार्य संपादन हेतु दिनांक 06/07/2026 तक ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है -

क्र.	कार्य का नाम	टेण्डर सिस्टम नम्बर	अनु. लागत (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि	प्रभावशील दर अनुसूची
01	02	03	04	05	06	07	08
1	Construction, Testing, Commissioning of all the Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) work including 05 Years of Operation and Maintenance of the Entire System in NAGAR PANCHAY-AT, GURUR under SBM 2.0	193760	388.65	1.94	ब एवं उच्च वर्ग	15 माह	LUM-SUM

उपरोक्त कार्य का निर्धारित अमानत राशि, निविदा की सामान्य शर्तें, निविदा दस्तावेज व कार्य से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में नगर पंचायत गुरूर कार्यालय के लोक कर्म शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल Main portal:eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत गुरूर, जिला बालोद (छ.ग.)

देश की राजनीति में उठापटक का दौर जारी है। आज के राजनीतिक परिदृश्य में 'दलबदल' एक ऐसा संक्रामक रोग बन चुका है, जिसने लोकतांत्रिक नैतिकता को हाशिए पर धकेल दिया है। विचारधारा, जो कभी राजनीति का दिशा-सूचक यंत्र हुआ करती थी, अब एक ऐसा आवरण बन गई है जिसे सत्ता की सुविधानुसार कभी भी ओढ़ा और उतारा जा सकता है। 'आया राम, गया राम' की संस्कृति से शुरू हुआ यह सफर आज थोक में दलबदल करने के आधुनिक 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' तक पहुंच चुका है। दल-बदल विरोधी कानून (एंटी-डिफेक्शन लॉ), जो इसी बुराई को रोकने के लिए लाया गया था, आज के चतुर राजनेताओं ने उसकी भी कानूनी काट ढूंढ़ ली है। यह स्थिति बेहद निराश करने वाली है। इसके सभी प्रावधानों पर पुनर्विचार की भी जरूरत है और कुछ कठोर व अलोकप्रिय निर्णय की भी शिद्दत से दरकार है। आम जनता दलबदलू नेताओं को मतदान के माध्यम से यह कड़ा अहसास करा देगी कि वैचारिक निष्ठा से किया गया कोई भी समझौता उनके राजनीतिक अस्तित्व को समाप्त कर सकता है, केवल तभी इस अनैतिक खेल पर स्थायी विराम लगेगा। अब ज्वलंत प्रश्न यह है कि इस दोहरी धारणा और अवसरवाद का यह नंगा खेल आखिर कब तक चलेगा? ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

दलबदल कानून पर पुनर्विचार की दरकार

विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय राजनीति के इतिहास में 1960 और 70 के दशक को राजनीतिक अस्थिरता और अवसरवादिता के एक बेहद चिंताजनक दौर के रूप में याद किया जाता है। इसी राजनीतिक अनैतिकता पर अंकुश लगाने और चुनी हुई सरकारों को स्थिरता प्रदान करने के महान उद्देश्य से वर्ष 1985 में संविधान के 92वें संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची जोड़ी गई, जिसे आम बोलचाल में 'दलबदल विरोधी कानून' कहा जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य विधायकों और सांसदों को व्यक्तिगत लाभ या मंत्री पद के लालच में अपनी पार्टी बदलने से रोकना था। अगर हम पिछले कुछ वर्षों के राजनीतिक घटनाक्रमों और सत्ता परिवर्तन के खेल पर गहराई से नज़र डालें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे चतुर राजनेताओं ने इस कानून की अचूक काट खोज ली है।

वैसे नैतिकता की चर्चा अब किसी भी क्षेत्र में बेमानी और अप्रासंगिक है, लेकिन हाल ही की राजनीतिक उठापटक बेहद निराश करती है। इसके सभी प्रावधानों पर पुनर्विचार की भी जरूरत है और कुछ कठोर व अलोकप्रिय निर्णय भी दरकार हैं। भारतीय राजनीति के इतिहास में उन्नीस सौ साठ और सत्तर के दशक को राजनीतिक अस्थिरता और अवसरवादिता के एक बेहद चिंताजनक दौर के रूप में याद किया जाता है। इसी राजनीतिक अनैतिकता पर अंकुश लगाने और चुनी हुई सरकारों को स्थिरता प्रदान करने के महान उद्देश्य से वर्ष उन्नीस सौ पच्चासी में संविधान के बावनवें संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची जोड़ी गई, जिसे आम बोलचाल में 'दलबदल विरोधी कानून' कहा जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य विधायकों और सांसदों को व्यक्तिगत लाभ या मंत्री पद के लालच में अपनी पार्टी बदलने से रोकना था। अगर हम पिछले कुछ वर्षों के राजनीतिक घटनाक्रमों और सत्ता परिवर्तन के खेल पर गहराई से नज़र डालें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे चतुर राजनेताओं ने इस कानून की अचूक काट खोज ली है।

यह कानून मूल रूप से 'फुटकर' यानी एक या दो विधायकों के दलबदल को तो सख्ती से रोकता है, लेकिन 'थोक' दलबदल को एक तरह से कानूनी और संवैधानिक मान्यता दे देता है। कानून के वर्तमान प्रावधानों के अनुसार, यदि किसी राजनीतिक दल के दो-तिहाई सदस्य एक साथ टूटकर किसी अन्य दल में विलय करते हैं, तो उन पर दलबदल विरोधी कानून का चाबुक नहीं चलता। इसी 'विलय' के प्रावधान का अनुचित फायदा उठाकर कई राज्यों में रातों-रात पूरे के पूरे विधायक दल दूसरी पार्टी में शामिल हो गए और यह सख्त दिखने वाला कानून महज एक मूकदर्शक बना रहा।

खास बातें

- अयोग्यता का निर्णय लेने का अधिकार विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष से वापस लिया जाए क्योंकि उनका पद राजनीतिक दबावों से मुक्त नहीं होता।
- यह अधिकार चुनाव आयोग की बाध्यकारी सलाह पर सीधे राष्ट्रपति या राज्यपाल को दिया जाए, या 'दलबदल निरोधी न्यायाधिकरण' गठित हो

विस सदस्यता से इस्तीफा

हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति में एक नया और अधिक चिंताजनक 'मॉडल' सामने आया है, जिसे 'इस्तीफा और पुनः चुनाव' का मॉडल कहा जा सकता है। इस राजनीतिक चाल के तहत सत्ता पक्ष के असंतुष्ट विधायक दलबदल करने के बजाय सीधे अपनी विधानसभा सदस्यता से ही इस्तीफा दे देते हैं। इससे सदन में बहुमत का जादुई आंकड़ा गिर जाता है और सत्तारूढ़ सरकार अल्पमत में आकर भरभरा कर गिर जाती है। इसके तुरंत बाद ये बागी विधायक दूसरी पार्टी के टिकट पर शान से उपचुनाव लड़कर वापस आ जाते हैं और अक्सर नई सरकार में महत्वपूर्ण मंत्री पद भी प्राप्त कर लेते हैं। हालिया राजनीतिक घटनाक्रम इस बात के ज्वलंत उदाहरण हैं कि कैसे इस कानून की मूल भावना और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की खुलेआम धज्जियां उड़ाई गई हैं।

विस या लोस अध्यक्ष की भूमिका

इस कानून को कमजोर, निष्प्रभावी और काफी हद तक अप्रासंगिक बनाने में एक बहुत बड़ा और विवादास्पद योगदान विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका का भी रहा है। दलबदल कानून के तहत किसी भी सदस्य को अयोग्य घोषित करने का अंतिम और एकाधिकार पीठासीन अधिकारी यानी अध्यक्ष के पास सुरक्षित होता है। हमारी विधायिकाएं जो कि स्वतंत्र बहस, वैचारिक विमर्श और जन-आकांक्षाओं के जीवंत मंच होनी चाहिए थीं, वे अब केवल राजनीतिक दलों के संख्याबल का मूक प्रदर्शन करने की जगह बनकर रह गई हैं। इन तमाम गंभीर खामियों और दुरुपयोग के मामलों को देखते हुए यह कहना जल्दबाजी नहीं होगी कि यह कानून अपने वर्तमान स्वरूप में काफी हद तक अपर्याप्त और अक्षम साबित हो रहा है।

आया राम-गया राम

क्या इन कमियों के आधार पर इसे पूरी तरह से अप्रासंगिक मानकर रद्दी की टोकरी में डाल देना चाहिए? इसका उत्तर है-बिल्कुल नहीं। दलबदल कानून ने व्यक्तिगत स्तर पर होने वाली सौदेबाजी और 'आया राम-गया राम' की उस पुरानी, निर्लज्ज संस्कृति पर जरूर एक मजबूत लगाम लगाई है। यदि यह कानून बिल्कुल न हो, तो शायद हर दिन सरकारें गिरेंगी और बनेंगी, जिसका सीधा खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा। दलबदल विरोधी कानून पर निश्चित रूप से एक समग्र और गंभीर पुनर्विचार की तत्काल आवश्यकता है, जिसके तहत कुछ बुनियादी और कड़े सुधार किए जाने चाहिए। सबसे पहला कदम यह होना चाहिए कि अयोग्यता का निर्णय लेने का अधिकार विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष से वापस ले लिया जाए, क्योंकि उनका पद अक्सर राजनीतिक दबावों से मुक्त नहीं होता। इसके बजाय, यह अधिकार चुनाव आयोग की बाध्यकारी सलाह पर सीधे राष्ट्रपति या राज्यपाल को दिया जाना चाहिए, या फिर इसके लिए एक स्वतंत्र और स्वायत्त 'दलबदल निरोधी न्यायाधिकरण' का गठन किया जाना चाहिए, जो अधिकतम तीन महीने के भीतर अपना अंतिम फैसला सुनाए।

कानून की कमियों को दूर करें

इस्तीफे के खेल को रोकने के लिए यह कड़ा प्रावधान होना चाहिए कि यदि कोई विधायक या सांसद दलबदल के इरादे से अपनी सदस्यता से इस्तीफा देता है या अयोग्य घोषित होता है, तो उस पर उस सदन के शेष कार्यकाल तक कोई भी चुनाव लड़ने और किसी भी सार्वजनिक या लाभ के पद को धारण करने पर सख्त और पूर्ण प्रतिबंध होना चाहिए। इसलिए अब वह समय आ गया है कि हमारी संसद, चुनाव आयोग और न्यायपालिका एकजुट होकर इस कानून की तमाम कमियों को दूर करें।

कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर पा रहे क्षेत्रीय दल

असमंजस

डॉ. पवन कुमार शर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

वर्तमान भारतीय राजनीति एक अत्यंत दिलचस्प और जटिल दौर से गुजर रही है। एक तरफ जहां केंद्र में बीजेपी का मजबूत और आक्रामक नेतृत्व है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष एकजुट होकर अपनी जमीन बचाने के संघर्ष में है। इस परिदृश्य में दो अहम सवाल राजनीति की समझ रखने वाले हर व्यक्ति को मथते हैं- पहला, क्या क्षेत्रीय दलों को 'दलबदल' या अपनी सरकारें गिरने के डर से बचने के लिए देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के साथ चले जाना चाहिए? दूसरा, तमाम मजबूत क्षेत्रीय क्षत्रप कांग्रेस के साथ पूरी तरह हाथ मिलाने से हिचकते क्यों हैं? इस कशमकश को एम. के. स्टालिन, नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी के राजनीतिक दृष्टिकोण और उनके राज्यों के परिपेक्ष्य में बेहद बारीकी से समझा जा सकता है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक प्रमुख एम. के. स्टालिन का कांग्रेस के साथ रिश्ता वर्तमान राजनीति में सबसे सहज और स्थिर माना जाता है। इसका स्पष्ट कारण है कि तमिलनाडु की राजनीति में कांग्रेस बहुत पहले अपनी मुख्य भूमिका खो चुकी है। वहां सीधा मुकाबला द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच रहता है। चूंकि कांग्रेस वहां द्रमुक के लिए कोई संगठनात्मक खतरा नहीं है, इसलिए स्टालिन को कांग्रेस को सीटें देने या उनके साथ मंच साझा करने में कोई हिचक नहीं होती। वहां के विधायकों में वैचारिक रूप से दलबदल कराना बेहद कठिन है। स्टालिन के लिए कांग्रेस के साथ जाना दलबदल से बचने की मजबूरी नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी मोर्चे को मजबूत करने की एक सोची-समझी रणनीति है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार भारतीय राजनीति में 'दलबदल' और 'पलटीमार' राजनीति के सबसे बड़े प्रतीक माने जाते हैं। नीतीश की सबसे बड़ी दुविधा यह है कि बिहार में कांग्रेस का पारंपरिक सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल है। जब भी नीतीश कांग्रेस या 'इंडिया' गठबंधन के करीब जाते हैं तो बिहार में तेजस्वी यादव का कद बढ़ने लगता है जो नीतीश की पार्टी के राजनीतिक वजूद के लिए सीधा खतरा है। नीतीश ने खुद को बचाने के लिए कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा का सहारा लिया। वर्तमान परिपेक्ष्य में, नीतीश को यह भली-भांति पता है कि कांग्रेस के साथ जाने से उनके विधायकों को दलबदल से सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं मिलती क्योंकि कांग्रेस खुद कई राज्यों में अपने विधायक बचाने में नाकाम रही है। इसलिए वे दलबदल से बचने के लिए वैचारिक स्थिरता के बजाय सत्ता के संतुलन यानी कभी इधर, कभी उधर का फॉर्मूला अपनाते हैं। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की राजनीति का उदय ही कांग्रेस के विरोध और भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की कोख से हुआ था। दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को पूरी तरह मटियामेट करके अपनी सत्ता बनाई। अगर केजरीवाल राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के साथ बहुत गहरे जुड़ते हैं तो राज्यों में उनके कार्यकर्ताओं के सामने वैचारिक संकट खड़ा हो जाएगा कि जिस कांग्रेस को हराकर वे सत्ता में आए, उसी के साथ गठबंधन कैसे करें? कांग्रेस खुद दिल्ली और पंजाब में 'आप' की जमीन वापस छीनने की ताक में रहती है। इसलिए केजरीवाल मजबूरी में लोकसभा चुनाव जैसे बड़े मंचों पर तो कांग्रेस के साथ दिखते हैं, लेकिन राज्यों के स्तर पर अपनी दूरी बनाए रखते हैं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी कांग्रेस से हिचक का सबसे मुखर चेहरा हैं। उनका मानना है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा को हराने की ताकत सिर्फ टीएमसी के पास है। वहां कांग्रेस और लेफ्ट मिलकर टीएमसी के खिलाफ लड़ते हैं। ममता किसी भी कीमत पर बंगाल की राजनीति में कांग्रेस को 'स्पेस' देकर दोबारा जीवित नहीं करना चाहतीं। ममता बनर्जी ने बंगाल में दलबदल विरोधी कानून और अपने कड़े प्रशासनिक नियंत्रण के दम पर पार्टी को लंबे समय तक संभाले रखा। टीएमसी में टूट और बिखराव के बावजूद ममता बनर्जी को डर है कि कांग्रेस के साथ आने से राज्य में अल्पसंख्यक वोटों का बंटवारा हो सकता है जिससे बीजेपी को सीधा फायदा होगा। क्षेत्रीय दलों की कांग्रेस से हिचक के तीन मुख्य कारण हैं। अधिकांश क्षेत्रीय दलों का जन्म कांग्रेस के कमजोर होने के बाद हुआ है जैसे टीएमसी और आप। अगर ये दल कांग्रेस को अपने राज्य में दोबारा पैर पसारने का मौका देंगे तो इनका खुद का जनाधार खतरे में पड़ जाएगा। दूसरा, क्षेत्रीय दलों को लगता है कि कांग्रेस सीधे मुकाबले वाले राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में बीजेपी को उस मजबूती से नहीं हरा पाती जितने प्रभावी ढंग से क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में भाजपा को रोक लेते हैं। तीसरा, क्षेत्रीय क्षत्रप अपने राज्यों के 'किंग' हैं। वे कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के तहत 'जूनियर पार्टनर' बनकर काम करने में असहज महसूस करते हैं। भारतीय राजनीति के वर्तमान दौर में कांग्रेस खुद दलबदल और सांगठनिक कमजोरी की शिकार रही है। ऐसे में कोई भी क्षेत्रीय दल अपनी आंतरिक बगावत या बाहरी दबाव जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर से बचने के लिए कांग्रेस को सुरक्षा कवच नहीं मान सकता। क्षेत्रीय दलों के पास दलबदल से बचने का एकमात्र तरीका अपनी सांगठनिक एकजुटता, मजबूत स्थानीय कैडर और जनता के बीच अपनी पैठ बनाए रखना ही है।

भारतीय राजनीति के वर्तमान दौर में कांग्रेस खुद दलबदल और सांगठनिक कमजोरी की शिकार रही है। ऐसे में कोई भी क्षेत्रीय दल अपनी आंतरिक बगावत या बाहरी दबाव जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर से बचने के लिए कांग्रेस को सुरक्षा कवच नहीं मान सकता।

अब जरूरत के मुताबिक बदल रही विचारधारा

सियासत

डॉ. विजेंद्र कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

लोकतंत्र की मूल आत्मा उस विश्वास में बसती है, जो एक मतदाता अपने प्रतिनिधि को चुनते समय मतपेटी में डालता है। यह केवल एक वोट नहीं होता, बल्कि एक वैचारिक सहमति, भविष्य की उम्मीद और एक सामाजिक अनुबंध होता है, लेकिन समकालीन राजनीति के पटल पर जब हम दृष्टि डालते हैं, तो यह पवित्र अनुबंध एक बाजारू सौदे में तब्दील होता नजर आता है। आज के राजनीतिक परिदृश्य में 'दलबदल' एक ऐसा संक्रामक रोग बन चुका है, जिसने लोकतांत्रिक नैतिकता को हाशिए पर धकेल दिया है।

विचारधारा, जो कभी राजनीति का दिशा-सूचक यंत्र हुआ करती थी, अब एक ऐसा आवरण बन गई है जिसे सत्ता की सुविधानुसार कभी भी ओढ़ा और उतारा जा सकता है। जब दलबदल की इस प्रवृत्ति के साथ 'लालच' का घातक कॉकटेल मिल जाता है, तो जनमत का सीधा-सीधा अपहरण होता है। ऐसे में यह सवाल पूरी शिद्दत के साथ उठता है कि आखिर नैतिकता के बिना राजनीति का स्वरूप क्या रह जाता है और लोक-कल्याण का दावा करने वाले दल अपने ही बुने हुए पाखंड के जाल में कब तक सुरक्षित रह सकते हैं? दलबदल की इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में यदि कोई एक तत्व निर्विवाद रूप से स्थापित है तो वह है लालच। यह लालच केवल धन का नहीं है; यह सत्ता के गलियारों में बने रहने का लालच है, मंत्री पद की लालसा है और कई बार अपनी पुरानी गलतियों या भ्रष्टाचार के मामलों पर पर्दा डालने के लिए 'सुरक्षित पनाहगाह' खोजने की विवशता भरा स्वार्थ है। जब कोई जन-प्रतिनिधि अपने दल को छोड़कर किसी अन्य दल का दामन थामता है, तो उसके पीछे कोई वैचारिक हृदय परिवर्तन या जनता की सेवा करने का कोई नया महान उद्देश्य कतई नहीं होता। इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का गणित काम कर रहा होता है। इसे हम राजनीतिक भ्रष्टाचार का सबसे परिष्कृत और 'कानूनी' रूप कह सकते हैं, जहां प्रतिनिधि स्वयं को एक उत्पाद के रूप में सत्ता के बाज़ार में नीलाम कर देता है। इस समूचे घटनाक्रम में सबसे अधिक हास्यास्पद और विडंबनापूर्ण स्थिति राजनीतिक दलों के उस दोहरे मापदंड की है, जिसे हम 'मेरा दलबदल ठीक और तुम्हारा दलबदल गलत' के रूप में देखते हैं। जब किसी पार्टी के विधायक या सांसद टूटकर किसी अन्य दल में जाते हैं, तो वह पार्टी इसे 'लोकतंत्र की हत्या', 'जनादेश का अपमान' और 'धनबल का नंगा नाच' करार देती है।

उनके नेता टीवी चैनलों पर बैठकर नैतिकता की लंबी-लंबी दुहाई देते हैं और इसे एक अक्षम्य राजनीतिक अपराध बताते हैं। लेकिन जब वही पार्टी किसी दूसरे दल के असंतुष्ट विधायकों को अपने पाले में खींचती है, तो उनकी शब्दावली रातों-रात बदल जाती है। मानों उस राजनीतिक दल का कार्यालय कोई पवित्र स्नानघर हो, जहां प्रवेश करते ही सारे राजनीतिक और नैतिक पाप धुल जाते हों और व्यक्ति एक नए बेदाग अवतार में जन्म ले लेता हो।

'आया राम, गया राम' की संस्कृति से शुरू हुआ यह सफर आज थोक में दलबदल करने के आधुनिक 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' तक पहुंच चुका है। दल-बदल विरोधी कानून (एंटी-डिफेक्शन लॉ) जो इसी बुराई को रोकने के लिए लाया गया था, आज के चतुर राजनेताओं ने उसकी भी कानूनी काट ढूँढ ली है। अब ज्वलंत प्रश्न यह है कि यह दोहरी धारणा और अवसरवाद का यह नंगा खेल आखिर कब तक चलेगा?

इस प्रश्न का उत्तर सीधे तौर पर जन-चेतना और नागरिक उत्तरदायित्व में छिपा है। जब तक दलबदल करने वाले नेताओं को उनके पाले बदलने के बाद होने वाले उप-चुनावों में जनता द्वारा फिर से चुनकर सदन में भेजा जाता रहेगा, तब तक उनका दुस्साहस और सत्ता का यह लालच फलता-फूलता रहेगा। जब 'मेरा दलबदल ठीक और तुम्हारा गलत' की इस खोखली और पाखंडी दलील को आम जनता पूरी तरह से खारिज कर देगी और दलबदलू नेताओं को मतदान के माध्यम से यह कड़ा अहसास करा देगी कि वैचारिक निष्ठा से किया गया कोई भी समझौता उनके राजनीतिक अस्तित्व को समाप्त कर सकता है, केवल तभी इस अनैतिक खेल पर स्थायी विराम लगेगा। बदलाव की वास्तविक शुरुआत इसी चेतना से होगी कि गलत हमेशा गलत होता है, चाहे वह सत्ता पक्ष द्वारा किया गया हो या विपक्ष द्वारा, 'मेरे' द्वारा किया गया हो या 'तुम्हारे' द्वारा।

जब कोई जन-प्रतिनिधि अपने दल को छोड़कर किसी अन्य दल का दामन थामता है, तो उसके पीछे कोई वैचारिक हृदय परिवर्तन या जनता की सेवा करने का कोई नया महान उद्देश्य कतई नहीं होता। इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का गणित काम कर रहा होता है।

विपक्ष की निष्क्रियता से एनडीए मुखर

मंथन

चरणजीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

बारह वर्षों के शासन के बावजूद आज एनडीए भारतीय राजनीति में जिस तरह से मुखर और आक्रामक रहता है वह दुनिया के तमाम राजनीतिक पंडितों के लिए शोध का विषय है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए एक चुनाव के बाद पांच साल बाद दूसरे चुनाव में जाना बहुत ही चूनौतीपूर्ण कार्य होता है। पूरे न किए गए वादों का दबाव इतना अधिक होता है कि अधिकतर राजनीतिक दल इस दलदल में धंस जाते हैं। बावजूद इसके तमाम विरोधों के होते हुए एनडीए के नेताओं के चेहरे पर कोई शिकन नज़र नहीं आती है। वे हर नए चुनाव में पहले से अधिक ऊर्जा के साथ जाते है और चुनाव जीतते हैं।

इस सारे विचार का मंथन अगर खुले मन से किया जाए तो बहुत से ऐसे बिंदु हैं जो एनडीए को साल दर साल मज़बूत बनाते हैं। विपक्ष के पास किसी निश्चित विचारधारा का न होना विपक्षी दलों की सबसे बड़ी कमजोरी है। जाति, धर्म, राष्ट्र, विदेश नीति, युद्ध नीति, पड़ोसी देशों से सम्बन्ध आदि मुद्दों पर विपक्ष हमेशा बंटा हुआ रहता है। इसी का फायदा एनडीए उठाता है, जैसे हिन्दू धर्म के मुद्दे पर विपक्ष का रुख हमेशा खामोश हो जाने का रहता है। जबकि एनडीए के सभी दल अपने सभी विवादों को भूलकर एक लाइन पर रहते हैं। राम मंदिर जैसे बहुसंख्यक समाज के मुद्दे पर एनडीए के सभी दल खुलकर हिंदू मत के साथ रहते हैं। विपक्ष के लोगों की मत भिन्नता पूरे देश ने महसूस की है। एक समय तक एनडीए के प्रमुख घटक के रूप में रही शिव सेना जहां राम मंदिर के समर्थन में रही, वहीं बाकी दल इसके विरोध में खड़े नजर आए।

राहुल गांधी द्वारा सावरकर को माफ़ीवीर कहने पर सावरकर की प्रचंड समर्थक शिव सेना कभी खुलकर इसका विरोध नहीं करती। परिणाम स्वरूप आज शिव सेना पूर्णतया खत्म होने के कगार पर है। सनातन को डेंगू मलेरिया कहने वाले डीएमके के नेता जब बाकी विपक्षी दलों के साथ मंच साझा करते हैं तो एनडीए को ये कहने का मौका मिलता है कि ये सब हिन्दू धर्म विरोधी हैं और पूरा एनडीए इस विचार को देश की जनता के बीच ले जाने में सफल रहता है, जिसका परिणाम चुनाव में देखने को मिलता है। अपने बारह वर्षों के शासनकाल में मोदी कभी थके हुए, हारे हुए या अपनी नीतियों को लेकर अस्पष्ट नज़र नहीं आए। बात चाहे देश की हो या विदेश की, उन्होंने हर जगह अपनी बात पूरी दृढ़ता के साथ रखी, जबकि विपक्ष के सभी नेता बार-बार अपने बयानों से पीछे हटते या बयानों को बदलते नज़र आते हैं। उनके एजेंडे में किसी एक मूल विचार धारा का न होना भी विपक्ष के भटकाव का मुख्य कारण है। वहीं, जहां बीस वर्षों से सत्ता पर काबिज़ नवीन पटनायक को एनडीए के हाथों शिकस्त खानी पड़ी। एक और ताज़ा उदाहरण अजेय माने जाने वाले बंगाल का है, जहां सबसे आक्रामक राजनीति करने वाली ममता बनर्जी को बहुत बुरी हार का सामना करना पड़ा। हालांकि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा जो 2022 में की थी और न्याय यात्रा जो 2024 में की, इन दोनों यात्राओं के माध्यम से उन्होंने देश को एकजुट करने का दावा किया, लेकिन उनके सहयोगी दलों का साथ उनको नहीं मिला। इसका परिणाम ये हुआ इन दोनों यात्राओं के जितने सार्थक परिणाम विपक्ष को मिल सकते थे, नहीं मिले। निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं कि देश के संवेदनशील मुद्दों पर विपक्ष का एक मत एक विचार न होना, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग सुरों में बोलना, देश की विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों के मुद्दों की विदेश में आलोचना करना। जनता के बीच जनहित के मुद्दों को उठाने के बजाय वोट चोरी या चुनाव चोरी जैसे अनर्गल प्रचार से अपनी नाकामी को ढकने की कोशिश करना, ये वो सारे कारण हैं जिन्हें भारतीय मतदाता अब सुनना नहीं चाहता। कुल मिलाकर एनडीए की आक्रामकता का एक विशेष कारण विपक्ष की निष्क्रियता है।

इसे मोदी का सौभाग्य कहिए या विपक्ष का दुर्भाग्य कि पूरे विपक्ष के पास ऐसा एक भी सशक्त नेता नहीं है, जिसका नेतृत्व करिश्माई कहा जा सके। जैसे दिल्ली में केजरीवाल ने दस वर्षों तक राज्य की सत्ता बचाकर रखी, लेकिन वह केंद्र में एनडीए का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर उन्हें भी दिल्ली की सत्ता गंवानी पड़ी।

एनडीए अपने राष्ट्रवाद और हिंदू धर्म के मुद्दे पर हमेशा अडिग रहा है। राष्ट्रवाद और हिंदू एकता, सीमाओं की सुरक्षा, घुसपैठ को पूर्णतया रोकना एनडीए के प्रमुख मुद्दे हैं। बाकी मुद्दे राज्य की जरूरतों के अनुसार बदलते रहते हैं। इसे मोदी का सौभाग्य कहिए या विपक्ष का दुर्भाग्य कि पूरे विपक्ष के पास ऐसा एक भी ऐसा सशक्त नेता नहीं है जिसका नेतृत्व करिश्माई कहा जा सके। जैसे दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने दस वर्षों तक राज्य की सत्ता बचाकर रखी, लेकिन वह केंद्र में एनडीए का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर उन्हें भी दिल्ली की सत्ता गंवानी पड़ी। उड़ीसा,

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व में वायुसेना की पूर्वी कमांड द्वारा आयोजित एक समारोह में बोले रक्षा मंत्री

भारत की सुरक्षा, समृद्धि और सामरिक ताकत का एक बेहद अहम स्तंभ है पूर्वी क्षेत्रः राजनाथ सिंह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को चीन सीमा से लगे हुए भारत के पूर्वी क्षेत्र को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। जिसमें उन्होंने दो टूक अंदाज में कहा कि यह इलाका देश की भौगोलिक सीमाओं का एक हिस्सा मात्र नहीं है। बल्कि यह हमारे देश की सुरक्षा, समृद्धि और सामरिक ताकत का एक बेहद महत्वपूर्ण स्तंभ है। जिसे मैं, भारत की सामरिक नियति का एक सांस्कृतिक हिस्सा मानता हूं। यहां हमारी सीमाएं, नदियां और संस्कृति सब एक-दूसरे के साथ आपस में जुड़ी हुई हैं। जब हम पूर्व की बात करते हैं। तो केवल देश के मानचित्र पर अंकित एक हिस्से की बात नहीं करते हैं। बल्कि हम उस विविधतापूर्ण भाग की चर्चा करते हैं। जहां इतिहास, भूगोल के साथ-साथ सुरक्षा और भविष्य भी मौजूद है। वहीं, इसमें कोई दोराय नहीं है कि इलाके में हमारी सामरिक स्थिति जितनी मजबूत होगी। उतनी हमारी समूची सुरक्षा भी चाक-चौबंद होगी। यह जानकारी रक्षा मंत्री ने 20 जून को शिलांग में वायुसेना की पूर्वी कमांड के मुख्यालय में आयोजित किए गए 'रक्षा सांस्कृतिक संध्या' नामक समारोह को संबोधित करते हुए दी है। बताते चलें कि रक्षा मंत्री का यह बयान एक ऐसे समय पर सामने आया है। जब बीते काफी वक्त से चीन पूर्वी सीमा के कई इलाकों के स्वतः ही नाम परिवर्तित कर एक सूची जारी कर रहा है। चीन की इस पूरी कवायद को हालांकि विदेश मंत्रालय समय-समय पर आधिकारिक रूप से खारिज करता आया है।

- रविवार को शिलांग स्थित वायुसेना के एडवांस लैंडिंग ग्राउंड में योग दिवस के कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

आज वायुवीरों संग करेंगे योगासनः रक्षा मंत्री रविवार 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर वायुसेना के शिलांग स्थित एडवांस लैंडिंग ग्राउंड (एएलजी) में आयोजित एक कार्यक्रम में योगासन करते हुए नजर आएंगे। जिसे ध्यान में रखते हुए वह 20 से 21 जून तक मेघालय की यात्रा पर हैं। यात्रा की शुरुआत में राजनाथ सिंह ने लेतकोर पीक स्थित वायुसेना 509 सिग्नल यूनिट का दौरा कर वहां वायुवीरों से सीधे संवाद किया। साथ ही यूनिट की परिचालन और सुरक्षा संबंधी तैयारियों की भी समीक्षा की है। रक्षा मंत्री के साथ वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी.सिंह और बल के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। योग दिवस के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रक्षा मंत्री मेघालय के मुख्यमंत्री से भी मुलाकात कर सकते हैं।

व्यापक तैयारी बनाए रखेंः उन्होंने ये भी कहा कि वर्तमान में वैश्विक व्यवस्था इतनी तेजी से बदल रही है। जिसमें हर जगह न केवल अनिश्चितता देखने को मिल रही है। बल्कि वह तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में भारत के लिए यह नितांत आवश्यक हो जाता है कि वह अपनी व्यापक तैयारी को बनाए रखे। क्योंकि मौजूदा दौर में युद्धक्षेत्र में बहुत बड़ा बदलाव आया है। आज हाइब्रिड खतरे, सुरक्षा चुनौतियां, सूचना युद्ध, लॉजिस्टिक्स लचीलापन, सप्लाई चेन सुरक्षा और ड्रोन भी बड़े कारक के रूप में उभरे हैं। जिसे देखते हुए सेनाओं के लिए महज परंपरागत तैयारी ही पर्याप्त नहीं है। तकनीकी विकास, सामरिक दूरदृष्टि और संस्थागत नवाचार की भी आवश्यकता है। इस दिशा में भारत की सेनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। पूर्वी क्षेत्र भारत की पूर्व की ओर देखो नीति का भी एक जरूरी हिस्सा है।

आत्मनिर्भरता से कर पाएंगे अपनी सुरक्षाः रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का उल्लेख करते हुए कहा कि जब हम आत्मनिर्भर रहेंगे। तभी हम अपने दम पर अपनी सुरक्षा को भी पुख्ता कर पाएंगे। इस संदर्भ में किए गए प्रयासों का ही नतीजा था कि हमारा ऑपरेशन सिंदूर अभियान सफल रहा है। जिसके लिए मैं सभी वायु योद्धाओं को बधाई देता हूं कि इस अभियान के जरिए हमने आतंकियों, उनके आकाओं को यह दिखा दिया है कि भारत अपनी सुरक्षा और संप्रभुता से कभी भी किसी भी प्रकार का कोई समझौता नहीं करेगा। अभियान की वजह से भारतीय सशस्त्र सेनाओं की क्षमता, सतर्कता और दक्षता पूरे विश्व के सामने उभरकर सामने आ गई है।

पूर्वी कमांड के योगदान को सराहाः राजनाथ ने वायुसेना की पूर्वी कमांड का जिक्र करते हुए कहा, जब इसका नाम आता है। तब हमारे मन में एक मजबूत परंपरा, गहरे जुड़ाव की भावना एक साथ उभरती है। ये कमांड देश के पूर्वी मोर्चे की सुरक्षा का एक अहम स्तंभ है। जिसने देश की सुरक्षा को मजबूत करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। फिर चाहे युद्धकाल हो, शांति का समय, आपदा राहत अभियान या फिर अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों तक मदद पहुंचाना हो या सीमा प्रबंधन की जिम्मेदारियां। हर मामले में पूर्वी कमांड की योगदान सराहनीय रहा है। यहां तैनात अधिकारियों, वायुसैनिकों ने तमाम तरह की कठिन परिस्थितियों में अपने साहस, समर्पण, त्याग, तपस्या और कर्तव्यनिष्ठा के साथ देशवासियों, राष्ट्र रक्षा का दायित्व निभाया है। जिसके लिए हम सभी आपके ऋणी रहेंगे।

पेश की जीवंत संस्थान की अद्भुत मिसाल

उन्होंने कहा कि कमांड द्वारा आयोजित किए गए भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होना मेरे लिए एक सुखद अनुभूति प्रदान करती है। आज की सभी प्रस्तुतियां समृद्ध भारत की जीवंत अभिव्यक्ति थी। हर प्रस्तुति में मुझे अनुशासन, संवेदनशीलता के साथ परंपरा भी देखने को मिली है। सभी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से यह संदेश दिया है कि भारत की सशस्त्र सेनाएं केवल युद्धक ताकत का नाम नहीं हैं। बल्कि वह एक जीवंत संस्थान हैं। जिसमें परंपरा, मूल्य, सद्भावना, साहस और सेवा भी समाहित है। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी सांस्कृतिक विविधता, भारत की विविधता में एकता की भावना को सशक्त बनाती है। सेनाएं हमेशा से ही स्वाभाविक रूप से इस प्राकृतिक एकता की प्रतीक रही हैं। जिनमें भाषा, क्षेत्र, जाति या प्रांत नहीं। बल्कि केवल एक चीज ही सर्वोपरि है। वह है हमारा राष्ट्र।

खबर संक्षेप

कोलकाता एयरपोर्ट पर बंदूक संग शख्स गिरफ्तार

कोलकाता। टीएमसी सांसद अभिषेक बेनर्जी के बीती रात कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचने से पहले हवाई अड्डे पर काफी बवाल हुआ। टीएमसी ने दावा किया कि उनके कार्यकर्ताओं ने एक व्यक्ति को पकड़ा, जिसके बाद बंदूक थी। भाजपा के एक गुंडे ने अभिषेक की हत्या की योजना बनाई थी।

उषा सहित 4 को लाइफटाइम अचीवमेंट

नई दिल्ली। एएफआई की ओर से आयोजित पहले इंडियन एथलेटिक्स अवॉर्ड्स समारोह में भारतीय खेल जगत की 4 दिग्गज हस्तियों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। महान धाविका पीटी उषा, पूर्व एशियाई खेल स्वर्ण पदक विजेता गुरबचन सिंह रंधावा, पूर्व राष्ट्रीय मुख्य कोच बहादुर सिंह चौहान शामिल हैं।

बेस्ट कर्मियों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

मुंबई। बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) के कर्मचारी शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी हड़ताल पर हैं। महाराष्ट्र सरकार के द्वारा आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम लागू किए जाने के बावजूदकर्मचारियों ने हड़ताल जारी रखी है। लोग लोकल ट्रेनों और मेट्रो सेवाओं, टैक्सियों, ऑटो-रिक्शा और कैब सेवा पर निर्भर हैं।

'अष्टलक्ष्मी' ने वैश्विक मंच पर बनाई पहचान

शिलांग। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर भारत अब वैश्विक स्तर के कई महत्वपूर्ण स्थलों का केंद्र बन चुका है और यह क्षेत्र सतत एवं समावेशी विकास का उत्कृष्ट उदाहरण पेश कर रहा है। 'अष्टलक्ष्मी' के नाम से प्रसिद्ध पूर्वोत्तर के 8 राज्यों ने मानचित्र पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ओडिशा को 47,600 करोड़ की सौगात दी

पीएम मोदी ने विपक्ष पर बोला हमला

कांग्रेस राज में पिछड़ा रहा पूर्वी भारत बदली राह और बना विकास का गेटवे

पीएम मोदी ने पहाड़पुर गांव में पूजा-अर्चना की

मयूरभंज ज़िले में विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते प्रधानमंत्री

एजेंसी ▶▶ मयूरभंज

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के लिए 47,600 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि ओडिशा अब विकास की राह पर तेजी से दौड़ रहा है। कल्याणकारी योजनाएं गरीबों का जीवन बदल रही हैं। इस दौरान कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में पूर्वी भारत हमेशा पिछड़ा रहा। लेकिन आज यही क्षेत्र देश के विकास का मुख्य द्वार बन रहा है।

पीएम मोदी ओडिशा के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्रीने कहा कि केंद्र सरकार 'पूर्वोदय' नीति पर काम कर रही है। हमारा लक्ष्य पूर्वी भारत के विकास से पूरे देश का विकास करना है। जो पूर्वी भारत कांग्रेस के दौर में पिछड़ेपन की पहचान बन चुका था, वह अब प्रगति का प्रवेश द्वार बन रहा है। भाजपा सरकार ओडिशा के संसाधनों को नई संभावनाओं में बदल रही है। राज्य को अब तक करीब 20 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं।

'पूर्वोदय' नीति से दिख रही पूर्वी भारत की तस्वीर

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस पूर्वी भारत को कांग्रेस शासन के दौरान पिछड़ेपन का पर्याय बना दिया गया था, आज वही क्षेत्र देश की प्रगति का प्रवेश द्वार बन रहा है। उन्होंने कहा कि ओडिशा इस सकारात्मक बदलाव का प्रत्यक्ष साक्षी है। उन्होंने ओडिशा की भाजपा सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर राज्य की जनता को बधाई देते हुए कहा कि मयूरभंज आना और बड़ी संख्या में लोगों का स्नेह प्राप्त करना उनके लिए विशेष अवसर है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के कारण विकास की गति और तेज हुई है।

भाजपा सरकार खुद जनता तक पहुंच रही

पीएम मोदी ने कहा कि डबल इंजन सरकार की डबल विशेषता ये है कि वो खुद जनता तक पहुंचती है। हमारा प्रयास है कि सामान्य नागरिक को किसी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।

ओडिशा की बेटी ने बढ़ाया पूरे राज्य का गौरव

पीएम मोदी ने कहा कि ओडिशा की बेटी आज देश के सर्वोच्च पद पर पहुंची है, जो पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपतिके उदार व्यक्तित्व, सहृदय स्वभाव और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण ने न केवल मयूरभंज बल्कि पूरे ओडिशा की पहचान को मजबूत किया है।

राष्ट्रपति के गांव पहुंचे प्रधानमंत्री, बधाई दी

पीएम मोदी के लिए यह दिन बेहद खास रहा। शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जन्मदिन भी था। पीएम मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि ओडिशा की बेटी आज देश के सर्वोच्च पद पर है। वह हम सभी का मार्गदर्शन कर रही हैं। यह पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने मयूरभंज और ओडिशा की पहचान को पूरे विश्व में मजबूत किया है। पीएम मोदी राष्ट्रपति के ससुराल पहाड़पुर गांव भी गए। वहां उन्होंने स्थानीय बच्चों के स्कूल का दौरा किया।

राष्ट्रपति का गांव पहाड़पुर बनेगा 'सूर्यग्राम'

प्रधानमंत्री ने रायरंगपुर में राज्यस्तरीय कार्यक्रम में बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ढके गांव पहाड़पुर को जल्द ही 'सूर्यग्राम' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके तहत गांव के प्रत्येक परिवार को सौर ऊर्जा से जुड़ी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस परियोजना पर शीघ्र काम शुरू होगा।

बंगाल में गरजे पीएम मोदी

दशकों के कुशासन से मुक्त हुआ प्रदेश विकास का महाअभियान हो गया शुरू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल दौरे पर पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के बैंक खातों में दो-दो हजार रुपए ट्रांसफर किए। इसके बाद अपने संबोधन के दौरान उन्होंने राज्य में सत्ता परिवर्तन को रेखांकित किया। पीएम मोदी ने बंगाल के तारकेश्वर में कार्यक्रम में कहा कि 'पश्चिम बंगाल दिवस' के मौके पर मैं लोगों को बधाई और शुभकामनाएं देना चाहता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुलामी के दौर में हमारे बंगाल ने क्या कुछ नहीं सहा, कितने बलिदान दिए, कितने त्याग सहे, 1946 में कोलकाता में हिंसा हुई थी, तब कितने निर्दोष बंगाली लोग उसकी भेंट चढ़ गए।

बंगाल ने रक्तपात सहा, अपनों को खोया, अपनी मातृभूमि के टुकड़े होते देखे, लेकिन बंगाल ने अपनी अस्मिता और पहचान को नष्ट नहीं होने दिया। इसी का परिणाम था कि जब पूरे बंगाल को भारत से अलग करने की साजिश हो रही थी तब अलग पश्चिम बंगाल बनाकर उन मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया गया। पश्चिम बंगाल दिवस के रूप में हम केवल एक तारीख को याद नहीं कर रहे, बल्कि पूरे इतिहास को याद कर रहे हैं।

सम्मान निधि जारी की

9.44 करोड़ से अधिक किसानों को दी 23वीं किस्त

पीएम मोदी ने मंच से कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 23वीं किस्त जारी की गई है। 9 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खाते में लगभग 19 हजार करोड़ रुपए सीधे भेजे गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23वीं किस्त जारी कर दी है। इसके साथ ही 9.44 करोड़ से अधिक पात्र किसानों के बैंक खाते में 23वीं किस्त हस्तांतरित की गई है प्रधानमंत्री ने बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने पर खुशी भी जाहिर की। उन्होंने कहा कि बंगाल की हवा में एक नई ताजगी है।

योग दिवस से पहले की अपील

पीएम मोदी ने कहा कि कल देश, दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाना है। इस बार मैं बंगाल में ही योग दिवस का हिस्सा बनूंगा। स्वामी विवेकानंद और महर्षि अरविंद जैसे योगियों की भूमि से जो संदेश जाएगा उससे पूरे विश्व का मार्गदर्शन होगा। मैं चाहूंगा कि इस बार बंगाल के कोने-कोने में योग दिवस के आयोजन हो।

मध्य प्रदेश में 42,000 आवास स्वीकृत

प्रत्येक नया घर परिवारों के लिए सम्मान सुरक्षा और उम्मीद का प्रतीकः मनोहर लाल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने मध्य प्रदेश में 'सभी के लिए आवास' पहल के तहत इंदौर जिले के सांवेर में एक कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) के तहत आयोजित इस कार्यक्रम से आवास स्वीकृति और गृह प्रवेश के माध्यम से 80,000 से अधिक परिवार लाभान्वित हुए। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश सरकार के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्य मंत्री (नगरीय प्रशासन एवं विकास) प्रतिमा बागरी तथा राज्य सरकार के अन्य मंत्री भी मौजूद रहे। पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत 42,000 से अधिक पात्र लाभार्थियों को आवास मंजूरी पत्र वितरित किए गए, जिनके लिए सरकार द्वारा 1,050 करोड़ की सब्सिडी प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में 38,000 परिवारों ने अपने नव-निर्मित पक्के मकानों में गृह प्रवेश किया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने आवास स्वीकृति प्राप्त करने वाले तथा नए घरों में प्रवेश करने वाले सभी लाभार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नया घर परिवारों के लिए सम्मान, सुरक्षा और उम्मीद का प्रतीक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सभी के लिए आवास' के संकल्प को पूरा करने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। राज्य में 10.39 लाख आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं, जबकि 9.08 लाख आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है।

नवीन ने श्री हरमिंदर साहिब में मत्था टेका

नवीन ने पंजाब में पार्टी की कोर कमेटी संग की बैठक और संगठनात्मक मुद्दों पर की चर्चा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को 3दिवसीय पंजाब प्रवास की शुरुआत की। नवीन ने अमृतसर स्थित आईटीसी वेलकम होटल में प्रदेशाध्यक्ष सरदार केवल सिंह ढिल्लों के साथ प्रदेश कोर कमेटी की बैठक की। इस अहम बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने तथा प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक एवं संगठनात्मक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा की। संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं की भूमिका और आगामी रणनीति से जुड़े विभिन्न विषयों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। नवीन ने पवित्र एवं ऐतिहासिक श्री हरमंदिर साहिब श्री दरबार साहिब में मत्था टेका और अरदास की। इस अवसर पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सूचना केंद्र द्वारा नवीन का सम्मान किया गया तथा सूचना केंद्र के अधिकारियों ने उन्हें रस्मी तौर पर पगड़ी भी बांधी। नवीन ने हरमंदिर साहिब में सेवा भी दी और बर्तन साफ किए। नवीन ने कहा कि गुरु महाराज साहब का आशीर्वाद लेने का अवसर प्राप्त हुआ। आज यहां अरदास कर पूरे देश के लोगों के लिए शांति और अमन तथा पंजाब के लोगों की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की है। मैं पटना साहिब, गुरु गोविंद सिंह जी के जन्मस्थान से आया हूं, जो मेरी कर्मभूमि है और यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे गुरुओं की इस भूमि पर आकर मत्था टेकने और अरदास करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश जिस गति से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, उसी प्रकार पंजाब भी प्रगति के नए आयाम स्थापित करे। हमारा स्पष्ट विजन है कि यदि पंजाब को कोई वास्तव में नशामुक्त बना सकता है, तो वह केवल प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली डबल-इंजन भाजपा सरकार ही है। इसके उपरांत नितिन नवीन ने जलियांवाला बाग पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और देश के अमर बलिदानियों को नमन किया।

कोल्हापुर में केंद्रीय गृहमंत्री शाह बोले

संपूर्ण विपक्ष पर साधा निशाना

भारत कोई धर्मशाला नहीं, जिसका यहां जन्म हुआ वही रहेगा, बाकी होंगे बाहर

एजेंसी ▶▶ कोल्हापुर

महाराष्ट्र के कोल्हापुर में शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर से घुसपैठ का मुद्दा उठाया। अमित शाह ने कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। इस देश में वही रहेगा, जिसका जन्म यहां हुआ है।

बाकि लोगों को हिंदुस्तान से चुन-चुनकर बाहर किया जाएगा। इस दौरान शाह ने उद्धव ठाकरे, कांग्रेस और टीएमसी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह लोग घुसपैठ को बढ़ावा देना चाहते हैं, लेकिन मोदी सरकार इनको मंसबों को कामयाब नहीं होने देगी। मैं विश्वास के साथ इस कोल्हापुर की पवित्र धरती से देश की जनता को कहकर जाता हूं कि बंगाल की जनता से हमें आशीर्वाद दिया है।

अंबाबाई कॉरिडोर के मंच से कहा

अब सिर्फ एक ही शिवसेना गुट कहने का दौर खत्म

महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना की पहचान और नेतृत्व को लेकर लंबे समय से चल रही बहस के बीच शाह ने बड़ा बयान दिया है। कोल्हापुर में एक जनसभा में शाह ने कहा कि पहले लोगों को एकनाथ शिंदे का नाम लेते समय 'शिवसेना-शिंदे गुट' कहना पड़ता था, अब कोई गुट नहीं बचा है और केवल एक ही शिवसेना है।

मुख्यमंत्री बोलेः हरियाणा में होगा एआई सैंडबॉक्स लांच, एसपीबी होगी गठित

कहा, अर्जुन एसपीबी गठित कर प्रोजेक्ट की हर तीसरे माह बैठक आयोजित कर समीक्षा की जाएगी

हरियाणा क्लीन एयर प्रोजेक्ट के तहत 3647 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगेः सीएम नायब

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में हरियाणा क्लीन एयर प्रोजेक्ट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट तथा हरियाणा एआई डेवलपमेंट प्रोजेक्ट तैयार किए गए हैं। इनके माध्यम से लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करवाई जाएंगी। मुख्यमंत्री सैनी शनिवार को राज्य में शुरू क्लीन एयर और एआई प्रोजेक्ट की विस्तार से समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, प्रधान सचिव अरूण गुप्ता,

आयुक्त एवं सचिव क्रीड जे गणेशन, संयुक्त सचिव दीपक कुमार, क्रीड के सीपीओ नितिन बसंल, निनाद राजपुत, पुलीन सिंह, सांगर जैन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हरियाणा क्लीन एयर प्रोजैक्ट के तहत 3647 करोड़ रुपए खर्च किए जाएगें। इसमें हरियाणा प्रदुषण नियत्रण बोर्ड, गुरूग्राम मेट्रोपोलिटन सिटी बस सेवा, हरियाणा सिटी बस सेवा, विकास एवं पंचायत विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण, परिवहन, उद्योगिक एवं वाणिज्य तथा शहरी स्थानीय निकाय विभाग सहित 9 विभाग मिलकर कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अर्जुन एसपीबी गठित कर प्रोजैक्ट की हर तीसरे माह बैठक आयोजित कर समीक्षा की जाएगी ताकि इन्हें जल्द से जल्द पूरा कर जनता को लाभ दिया जा सके। सीएम ने कहा कि हरियाणा एआई डिवलपमेंट प्रोग्राम के तहत पंचकूला में स्टेट एआई डाटा सेंटर व गुरूग्राम में जीएआईसी बनाया जा रहा हैं। इन पर 474 करोड़ रुपए की लागत आएगी। प्रदेश का अपना एआई का स्टेट डाटा सेंटर होगा जिसमें पूर्ण रूप से पारदर्शी और सही डाटा एकत्र होगा और उस पर पीपीपी से मिलान किया जा सकेगा। इसके अलावा 40 करोड़ रुपए की लागत से उद्योगों के लिए स्किल कोर्स, कोलाबोरेशन वर्कशॉप हेतू दो सेंटर आफ एक्सीलेंस बनाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में एआई सेंण्डबॉक्स लांच किया जाएगा।

क्या स्टार्टअप फंड्स दिला सकते हैं 10 गुणा रिटर्न?

स्टार्टअप फंड्स उच्च जोखिम और संभावित रूप से असाधारण रिटर्न का देने में सक्षम

● अब हाई-रिस्क, हाई-रिवॉर्ड निवेश का बढ़ रहा आकर्षण ● स्टार्टअप निवेश और एसआईपी दो बिल्कुल अलग निवेश श्रेणियां ● एसआईपी स्थिरता और अनुशासित निवेश का माध्यम

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशकों का लक्ष्य अपनी पूंजी को धीरे-धीरे बढ़ाना होता है। इसके लिए एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) लंबे समय से सबसे लोकप्रिय और भरोसेमंद विकल्प माना जाता रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में स्टार्टअप्स की सफलता की कहानियों ने निवेशकों का ध्यान एक नए एसेट क्लास की ओर खींचा है। कई लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या स्टार्टअप फंड्स या एंजेल इन्वेस्टिंग वास्तव में 10 गुना या उससे अधिक रिटर्न दे सकते हैं? इसका जवाब है—हां, लेकिन इसके साथ जोखिम भी उतना ही बड़ा होता है। स्टार्टअप निवेश और एसआईपी दो बिल्कुल अलग निवेश श्रेणियां हैं। जहां एसआईपी स्थिरता और अनुशासित निवेश का माध्यम है, वहीं स्टार्टअप फंड्स उच्च जोखिम और संभावित रूप से असाधारण रिटर्न का अवसर प्रदान करते हैं।

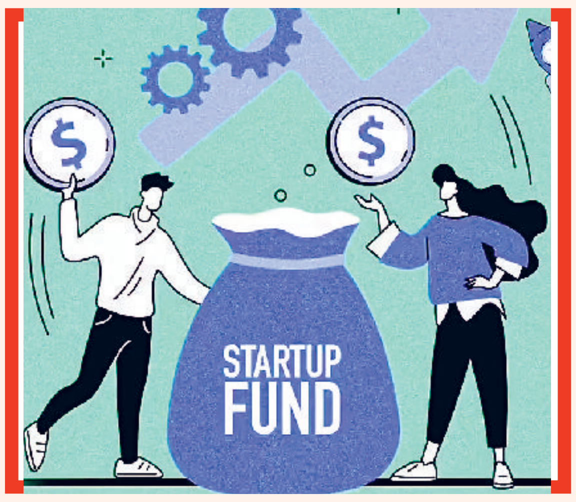

एसआईपी-स्टार्टअप फंड्स में अंतर

- एसआईपी के माध्यम से निवेशक म्यूचुअल फंड में नियमित अंतराल पर छोटी-छोटी राशि निवेश करते हैं। यह पैसा विभिन्न कंपनियों और सेक्टरों में फैला होता है, जिससे जोखिम कम हो जाता है। लंबी अवधि में कंपाउंडिंग का लाभ मिलने से निवेशक अच्छी संपत्ति बना सकते हैं।
- स्टार्टअप फंड्स या एंजेल निवेश में पैसा सीधे उन कंपनियों में लगाया जाता है जो अपने शुरुआती विकास चरण में होती हैं। इन कंपनियों का भविष्य अनिश्चित होता है। यदि बिजनेस मॉडल सफल हो गया तो निवेशकों को कई गुना रिटर्न मिल सकता है, लेकिन यदि स्टार्टअप असफल हुआ तो पूरी पूंजी डूबने का खतरा भी रहता है।

एक्सपोनेंशियल ग्रोथ की ताकत

स्टार्टअप्स की सबसे बड़ी विशेषता उनकी तेज विकास क्षमता होती है। पारंपरिक कंपनियों की तुलना में स्टार्टअप्स नई तकनीक, नए बिजनेस मॉडल और बड़े बाजार अवसरों के कारण बहुत तेजी से बढ़ सकते हैं। यदि किसी निवेशक ने शुरुआती दौर में किसी सफल स्टार्टअप में निवेश किया हो और वह कंपनी बाद में बड़ी बन जाए, तो निवेश की गई राशि कई गुना बढ़ सकती है। दुनिया भर में कई उदाहरण हैं जहां शुरुआती निवेशकों ने 10, 50 और यहां तक कि 100 गुणा तक का रिटर्न हासिल किया है।

तुरंत नहीं मिलता एग्जिट

स्टार्टअप निवेश में धैर्य सबसे महत्वपूर्ण गुण माना जाता है। यहां निवेशक को अपने पैसे पर रिटर्न पाने के लिए कई वर्षों तक इंतजार करना पड़ सकता है। आमतौर पर किसी स्टार्टअप से लाभ कमाने के लिए कंपनी का अधिग्रहण, शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना या किसी बड़े निवेशक द्वारा हिस्सेदारी खरीदना आवश्यक होता है। यह प्रक्रिया अक्सर 5 से 10 वर्ष या उससे अधिक समय ले सकती है।

कम लिक्विडिटी

एसआईपी या शेयर बाजार में निवेश को जरूरत पड़ने पर अपेक्षाकृत आसानी से भुनाया जा सकता है, जबकि स्टार्टअप निवेश में ऐसा संभव नहीं होता। इसलिए इस श्रेणी में वही पैसा लगाना चाहिए जिसकी तत्काल आवश्यकता न हो।

निवेश के नए अवसर

पहले स्टार्टअप निवेश केवल बड़े निवेशकों और वेंचर कैपिटल फंड्स तक सीमित था। लेकिन अब भारत में एंजेल नेटवर्क, स्टार्टअप निवेश प्लेटफॉर्म और वैकल्पिक निवेश साधनों के जरिए छोटे निवेशकों के लिए भी अवसर बढ़ रहे हैं। कई प्लेटफॉर्म निवेशकों को चुनिंदा स्टार्टअप्स में भागीदारी का मौका देते हैं।

सीमित समय में बड़ी वैल्यूएशन

जब कोई स्टार्टअप लगातार फंडिंग जुटाता है और उसका कारोबार बढ़ता है, तो उसकी वैल्यूएशन भी तेजी से बढ़ती है। शुरुआती निवेशक कम वैल्यूएशन पर हिस्सेदारी खरीदते हैं, इसलिए कंपनी की कीमत बढ़ने पर उनके निवेश का मूल्य भी कई गुना बढ़ जाता है।

अधिकांश स्टार्टअप्स हो जाते हैं असफल

स्टार्टअप निवेश का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें असफलता की दर बहुत अधिक होती है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, अधिकांश शुरुआती स्टार्टअप्स लंबे समय तक टिक नहीं पाते। कई कंपनियां फंडिंग की कमी, कमजोर बिजनेस मॉडल या प्रतिस्पर्धा के कारण बंद हो जाती हैं। यही कारण है कि अनुभवी निवेशक केवल एक या दो स्टार्टअप्स पर दांव नहीं लगाते, बल्कि कई कंपनियों में निवेश करके जोखिम को फैलाने की कोशिश करते हैं।

पूंजी डूबने की संभावना

म्यूचुअल फंड या सूचीबद्ध शेयरों की तरह स्टार्टअप निवेश में निवेशक को रोजाना बाजार मूल्य देखने या आसानी से पैसा निकालने की सुविधा नहीं मिलती। यदि स्टार्टअप बंद हो जाए तो निवेश की गई पूरी राशि खोने की संभावना रहती है।

रिसर्च सबसे महत्वपूर्ण

स्टार्टअप में निवेश करते समय केवल आकर्षक प्रेजेंटेशन या बड़े दावों से प्रभावित नहीं होना चाहिए। निवेश से पहले फाउंडर्स की क्षमता, बिजनेस मॉडल, कंपनी की आय संभावनाएं, प्रतिस्पर्धा, बाजार का आकार और स्केलेबिलिटी जैसे पहलुओं का गहराई से विश्लेषण करना आवश्यक है।

पोर्टफोलियो का छोटा हिस्सा ही लगाएं

वित्तीय सलाहकार आमतौर पर सुझाव देते हैं कि स्टार्टअप निवेश को कुल पोर्टफोलियो का सीमित हिस्सा ही रखा जाए। अधिकांश निवेशकों के लिए यह अनुपात 5% से 10% के बीच उपयुक्त माना जाता है। मुख्य निवेश, आपातकालीन फंड और रिटायरमेंट की तैयारी जैसी महत्वपूर्ण वित्तीय जरूरतें अभी भी एसआईपी, म्यूचुअल फंड, पीपीएफ और अन्य अपेक्षाकृत स्थिर निवेश साधनों पर आधारित होनी चाहिए।

विविधीकरण बनाए रखें

एक ही स्टार्टअप में बड़ी राशि लगाने की बजाय अलग-अलग क्षेत्रों और कंपनियों में निवेश करना जोखिम कम करने का बेहतर तरीका हो सकता है। इससे किसी एक असफल निवेश का प्रभाव पूरे पोर्टफोलियो पर कम पड़ता है।

डेट फंड्सः टैक्स लाभ खत्म क्या एफडी बेहतर विकल्प?

● इंडेक्सेशन हटने के बाद निवेशकों के सामने बड़ा सवाल

जानकारी
बिजनेस डेस्क

एक समय था जब डेट म्यूचुअल फंड्स को फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) का बेहतर विकल्प माना जाता था। इसकी सबसे बड़ी वजह थी इंडेक्सेशन का टैक्स लाभ, जिससे निवेशकों का वास्तविक टैक्स बोझ काफी कम हो जाता था। लेकिन 2023 में सरकार द्वारा इंडेक्सेशन बेनिफिट हटाने के बाद निवेशकों के सामने नया सवाल खड़ा हो गया है—क्या अब डेट फंड्स की उपयोगिता खत्म हो गई है और एफडी बेहतर विकल्प बन गए हैं? विशेषज्ञों का मानना है कि केवल टैक्स के आधार पर यह फैसला लेना सही नहीं होगा। निवेश का चुनाव करते समय लिक्विडिटी, रिटर्न, कंपाउंडिंग, ब्याज दरों का रुझान, महंगाई और निवेश अवधि जैसे कई अन्य पहलुओं पर भी विचार करना जरूरी है।

टैक्स बराबर, लेकिन दोनों उत्पाद समान नहीं

इंडेक्सेशन हटने के बाद डेट फंड्स से होने वाला लाभ अब निवेशक की आयकर स्लैब के अनुसार टैक्स के दायरे में आता है। यही नियम अधिकांश एफडी निवेशकों पर भी लागू होता है। इसलिए पहली नजर में दोनों उत्पाद टैक्स के मामले में समान दिखाई देते हैं। हालांकि एक महत्वपूर्ण अंतर अब भी मौजूद है। एफडी में अर्जित ब्याज पर हर वर्ष टैक्स देना पड़ता है, चाहे निवेशक पैसा निकाले या नहीं। इसके विपरीत डेट फंड्स में टैक्स तभी लगता है जब निवेशक यूनिट्स को रिडीम करता है। इसका फायदा यह होता है कि पूरा निवेश बिना टैक्स कटौती के लंबे समय तक कंपाउंड होता रहता है।

रिटर्न के मामले में अभी भी प्रतिस्पर्धी हैं डेट फंड्स

इंडेक्सेशन हटने के बावजूद डेट फंड्स ने अपनी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति बरकरार रखी है। पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि लिक्विड फंड और लो-ड्यूरेशन फंड जैसी श्रेणियों ने कई मामलों में आकर्षक रिटर्न दिए हैं। हालांकि डेट फंड्स का रिटर्न बाजार आधारित होता है और इसमें कुछ उतार-चढ़ाव संभव है, लेकिन उचित अवधि के लिए निवेश करने पर ये एफडी के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन भी कर सकते हैं।

जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाले जा सकते हैं पैसे

एफडी और डेट फंड्स के बीच सबसे बड़ा अंतर लिक्विडिटी का है। यदि निवेशक एफडी को समय से पहले तोड़ता है तो उसे पेनाल्टी या कम ब्याज दर का सामना करना पड़ सकता है। दूसरी ओर अधिकांश डेट फंड्स में कोई लॉक-इन नहीं होता। निवेशक जरूरत पड़ने पर आसानी से अपना पैसा निकाल सकता है। यही कारण है कि कई वित्तीय विशेषज्ञ डेट फंड्स को अल्प और मध्यम अवधि की वित्तीय जरूरतों के लिए बेहतर विकल्प मानते हैं। कई मामलों में दोनों का संयोजन ही सबसे प्रभावी रणनीति साबित हो सकता है।

गिरती ब्याज दरों में बढ़ सकता है फायदा

एफडी निवेशकों को पहले से तय रिटर्न मिलता है। इसमें बाजार परिस्थितियों का कोई असर नहीं पड़ता।लेकिन डेट फंड्स बॉन्ड और अन्य फिक्स्ड-इनकम सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं। जब ब्याज दरें घटती हैं, तो पुराने उच्च ब्याज वाले बॉन्ड की कीमत बढ़ जाती है, जिससे डेट फंड्स को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। यानी यदि भविष्य में ब्याज दरों में कटौती का दौर जारी रहता है, तो डेट फंड्स FD की तुलना में बेहतर प्री-टैक्स रिटर्न दे सकते हैं।

एफडी में सुरक्षा, डेट फंड्स में सीमित उतार-चढ़ाव

एफडी का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी निश्चितता है। निवेशक को पहले दिन ही पता होता है कि मैच्योरिटी पर कितनी राशि मिलेगी। वहीं डेट फंड्स में नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) में हल्का उतार-चढ़ाव संभव है। हालांकि यह उतार-चढ़ाव इक्विटी फंड्स की तुलना में काफी कम होता है। जो निवेशक बाजार आधारित मामूली जोखिम स्वीकार कर सकते हैं, उनके लिए डेट फंड्स अतिरिक्त लाभ का अवसर प्रदान कर सकते हैं।

महंगाई को नजरअंदाज करना नुकसानदायक

कई निवेशक केवल ब्याज दर देखकर एफडी चुन लेते हैं, लेकिन वास्तविक रिटर्न का आकलन महंगाई और टैक्स को घटाने के बाद ही किया जाना चाहिए। यदि कोई निवेश 7% रिटर्न दे रहा है और महंगाई 5% के आसपास है, तो वास्तविक संपत्ति निर्माण सीमित रह सकता है। इसलिए निवेशकों को नाममात्र रिटर्न की बजाय वास्तविक रिटर्न पर ध्यान दें।

एफडी किसके लिए उपयुक्त?

- सेवानिवृत्त निवेशक
- आपातकालीन फंड रखने वाले
- पूंजी सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाले निवेशक
- एक से दो साल के निश्चित लक्ष्य वाले निवेशक

डेट फंड्स किसके लिए उपयुक्त?

- 1 से 5 वर्ष की निवेश अवधि वाले
- बेहतर लिक्विडिटी चाहने वाले
- सीमित जोखिम लेकर अतिरिक्त रिटर्न की संभावना तलाशने वाले
- टैक्स-डिफर्ड कंपाउंडिंग का लाभ चाहने वाले निवेशक
- दोनों का संयोजन भी बेहतर
- वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि एफडी और डेट फंड्स को प्रतिस्पर्धी उत्पाद मानने की बजाय पूरक निवेश साधन के रूप में देखना चाहिए।
- उदाहरण के लिए, आपातकालीन फंड और निकट भविष्य की जरूरतों के लिए एफडी उपयुक्त हो सकती है, जबकि 2 से 5 वर्षों के वित्तीय लक्ष्यों के लिए डेट फंड्स बेहतर लचीलापन और संभावित रूप से बेहतर रिटर्न प्रदान कर सकते हैं।

लार्ज कैप फंड्स पिछड़ रहे हैं क्या अब निकल जाना बेहतर

आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष लार्ज कैप फंड्स का औसत रिटर्न नकारात्मक रहा है, जबकि मिड और स्मॉल कैप श्रेणियों ने सकारात्मक रिटर्न दिया है। इसलिए अब निवेशक इनका रुख कर सकते हैं। हालांकि यह ध्यान रखने योग्य है कि हर साल हर सेगमेंट रिटर्न अलग-अलग रहता है। इसलिए सोच समझकर ही कदम उठाएं

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

पिछले कुछ महीनों में मिड कैप और स्मॉल कैप फंड्स ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिए हैं, जबकि लार्ज कैप फंड्स अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन करते नजर आए हैं। यही वजह है कि कई निवेशकों के मन में सवाल उठ रहा है कि क्या अब लार्ज कैप फंड्स से पैसा निकालकर मिड और स्मॉल कैप फंड्स में शिफ्ट कर देना चाहिए? वर्तमान आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष लार्ज कैप फंड्स का औसत रिटर्न नकारात्मक रहा है, जबकि मिड और स्मॉल कैप श्रेणियों ने सकारात्मक रिटर्न दिया है। हालांकि केवल कुछ महीनों के प्रदर्शन के आधार पर निवेश रणनीति बदलना हमेशा सही निर्णय नहीं होता। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्ज कैप फंड्स अभी भी किसी भी संतुलित निवेश पोर्टफोलियो की मजबूत नींव बने हुए हैं। हाल के महीनों में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय बाजार में बड़े पैमाने पर बिकवाली की है। इसका सबसे ज्यादा असर बैंकिंग, आईटी और ऑयल एंड गैस जैसे सेक्टरों पर पड़ा, जिनका लार्ज कैप इंडेक्स में बड़ा हिस्सा होता है। आईटी सेक्टर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी अनिश्चितताओं का दबाव रहा, जबकि बैंकिंग और ऊर्जा क्षेत्र वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और महंगाई संबंधी चिंताओं से प्रभावित हुए। इन परिस्थितियों ने लार्ज कैप शेयरों की बढ़त को सीमित कर दिया।

हर दौर का अपना विजेता

निवेश की दुनिया में कोई भी श्रेणी हमेशा नंबर-1 नहीं रहती। कभी लार्ज कैप आगे रहते हैं तो कभी मिड और स्मॉल कैप निवेशकों को बेहतर रिटर्न देते हैं। इतिहास बताता है कि बाजार का नेतृत्व समय-समय पर बदलता रहता है। जब मिड और स्मॉल कैप शेयरों की वैल्यूएशन बहुत अधिक हो जाती है या उनकी कमाई की रफ्तार धीमी पड़ती है, तब निवेशकों का रुझान फिर से लार्ज कैप कंपनियों की ओर बढ़ता है। इसलिए केवल वर्तमान प्रदर्शन देखकर निवेश निर्णय लेना नुकसानदायक साबित हो सकता है।

क्यों अब भी महत्वपूर्ण लार्ज कैप फंड्स?

1. **मजबूत और स्थापित कंपनियों में निवेश**
   लार्ज कैप फंड्स देश की सबसे बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं। इन कंपनियों के पास मजबूत बैलेंस शीट, स्थिर कारोबार और बेहतर कॉरपोरेट गवर्नेंस होती है। बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान ये कंपनियां अपेक्षाकृत बेहतर स्थिरता प्रदान करती हैं।
2. **विदेशी और संस्थागत निवेशकों की पहली पसंद**
   जब बाजार में जोखिम लेने की क्षमता बढ़ती है, तो सबसे पहले बड़े निवेशक लार्ज कैप शेयरों में पैसा लगाते हैं। उनकी बेहतर लिक्विडिटी और मजबूत व्यवसायिक स्थिति उन्हें निवेशकों के लिए आकर्षक बनाती है। यही कारण है कि बाजार में सकारात्मक माहौल बनने पर लार्ज कैप शेयर तेजी से वापसी कर सकते हैं।
3. **कम जोखिम के साथ संतुलित रिटर्न**
   लार्ज कैप कंपनियां पहले से ही बड़े बाजार हिस्से पर कब्जा रखती हैं, इसलिए उनकी वृद्धि दर मिड और स्मॉल कैप कंपनियों की तुलना में धीमी हो सकती है। फिर भी उन्होंने लंबे समय में अपेक्षाकृत कम जोखिम के साथ अच्छा रिटर्न देने का रिकॉर्ड बनाया है। जो निवेशक स्थिर और दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण चाहते हैं, उनके लिए यह श्रेणी आज भी महत्वपूर्ण है।

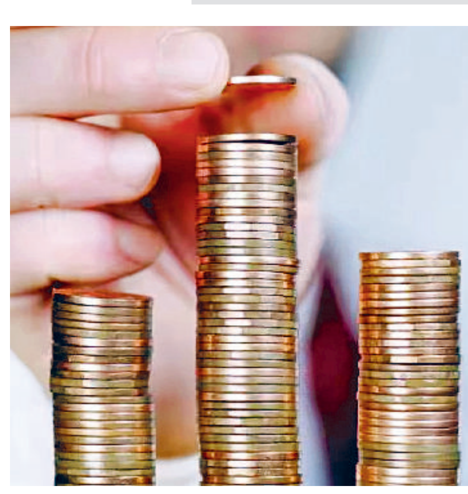

क्या अभी वैल्यूएशन का अवसर बन रहा

सस्ते होते लार्ज कैप शेयर

कई बार लंबे समय तक कमजोर प्रदर्शन किसी निवेश श्रेणी को आकर्षक बना देता है। जब निवेशकों का ध्यान मिड और स्मॉल कैप शेयरों की ओर चला जाता है, तब कई अच्छी लार्ज कैप कंपनियां उचित या कम वैल्यूएशन पर उपलब्ध हो जाती हैं। ऐसी स्थिति भविष्य में बेहतर रिटर्न का आधार बन सकती है। निवेशक जब फिर से सुरक्षित और स्थिर कंपनियों की ओर लौटते हैं, तब लार्ज कैप शेयर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

विविधीकरण और स्थिरता

किसी भी संतुलित इक्विटी पोर्टफोलियो में लार्ज कैप फंड्स की भूमिका सिर्फ हर साल सबसे ज्यादा रिटर्न देना नहीं होती। उनका मुख्य उद्देश्य निवेशकों को बाजार की अग्रणी कंपनियों में भागीदारी, बेहतर लिक्विडिटी और अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव प्रदान करना है। यही कारण है कि अधिकांश वित्तीय सलाहकार लार्ज कैप फंड्स को पोर्टफोलियो का ₹कोर₹ हिस्सा मानते हैं।

नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प

जो निवेशक पहली बार इक्विटी बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, उनके लिए लार्ज कैप फंड्स अपेक्षाकृत सुरक्षित शुरुआत माने जाते हैं। इनमें जोखिम कम होने के कारण निवेशक बाजार की प्रकृति को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।

मिड और स्मॉल कैप फंड्स में निवेश किसे करना चाहिए?

मिड और स्मॉल कैप फंड्स में लंबी अवधि में अधिक रिटर्न की संभावना होती है, लेकिन इनके साथ उतार-चढ़ाव भी काफी अधिक होता है। कई बार ये फंड्स कुछ ही महीनों में 20-30 प्रतिशत तक गिर सकते हैं। इसलिए इनमें वही निवेशक अधिक निवेश करें जो लंबी अवधि का निवेश दृष्टिकोण रखते हों। बाजार की बड़ी गिरावट सहन कर सकते हों। उच्च जोखिम लेने के लिए तैयार हों। अपने पोर्टफोलियो में पहले से स्थिर निवेश बनाए हुए हों।

यह भी रखें ध्यान

- लार्ज कैप फंड्स का हालिया कमजोर प्रदर्शन निवेश से बाहर निकलने का पर्याप्त कारण नहीं है। बाजार चक्रों में अलग-अलग समय पर अलग-अलग श्रेणियां बेहतर प्रदर्शन करती हैं। लार्ज कैप फंड्स आज भी स्थिरता, लिक्विडिटी, विविधीकरण और मजबूत कंपनियों में निवेश का अवसर प्रदान करते हैं।
- निवेशकों को हाल के विजेताओं का पीछा करने की बजाय अपनी एसेट एलोकेशन रणनीति पर कायम रहना चाहिए। यदि आपका लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण है, तो लार्ज कैप फंड्स को पूरी तरह छोड़ने की बजाय उन्हें पोर्टफोलियो के मजबूत आधार के रूप में बनाए रखना अधिक समझदारी भरा कदम हो सकता है।

कमाई के साथ सुरक्षा भी, निवेशकों का बदल रहा नजरिया

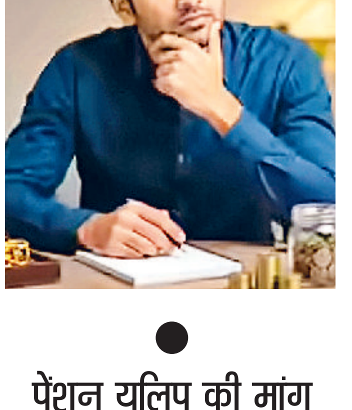

●
पेंशन यूलिप की मांग में 10 गुना उछाल
●
केवल वेल्थ क्रिएशन नहीं, अब वेल्थ प्रोटेक्शन भी प्राथमिकता
●

सुझाव
बिजनेस डेस्क

भारतीय निवेशकों की सोच में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। पहले जहां अधिकांश लोग केवल अधिक रिटर्न और संपत्ति निर्माण पर ध्यान देते थे, वहीं अब वे अपनी पूंजी की सुरक्षा और भविष्य की आय सुनिश्चित करने पर भी जोर दे रहे हैं। यही कारण है कि रिटायरमेंट-केंद्रित निवेश उत्पादों और गारंटीड रिटर्न योजनाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। हालिया आंकड़े बताते हैं कि निवेशक अब ऐसे विकल्प तलाश रहे हैं जो बाजार आधारित वृद्धि के साथ-साथ वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करें। इस बदलती सोच का सबसे बड़ा लाभ पेंशन यूलिप (यूएलआईपी) और गारंटीड रिटर्न प्लान्स को मिल रहा है।

पेंशन यूलिप की मांग में 10 गुना वृद्धि

बीते वित्त वर्ष की तुलना में पेंशन यूलिप योजनाओं की मांग में लगभग 10 गुना की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह संकेत है कि लोग अब रिटायरमेंट की तैयारी को गंभीरता से लेने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती जीवन प्रत्याशा, महंगाई और पारंपरिक पारिवारिक सुरक्षा ढांचे में बदलाव के कारण लोग अपनी वृद्धावस्था की वित्तीय जरूरतों के लिए पहले से योजना बना रहे हैं। पेंशन यूलिप की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण यह भी है कि इसमें निवेशकों को बाजार आधारित वृद्धि के साथ दीर्घकालिक रिटायरमेंट फंड बनाने का अवसर मिलता है।

बदल रही है निवेश की परिभाषा

पहले निवेशक अक्सर अधिक रिटर्न और सुरक्षा में से किसी एक को चुनते थे, लेकिन अब वे दोनों का संतुलन चाहते हैं। इसी वजह से कई निवेशक पेंशन यूलिप के साथ ₹वेवर ऑफ प्रीमियम₹ जैसी अतिरिक्त सुविधाएं भी चुन रहे हैं। यह सुविधा किसी अप्रत्याशित स्थिति में भी निवेश योजना को जारी रखने में मदद करती है। वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार आज का निवेशक केवल संपत्ति बनाना नहीं चाहता, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि उसका परिवार और भविष्य वित्तीय रूप से सुरक्षित रहे।

रिटायरमेंट प्लानिंग की बढ़ती जागरूकता

पेंशन यूलिप खरीदने वालों में सबसे बड़ा हिस्सा 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग का है। इस वर्ग की भागीदारी लगभग 40 प्रतिशत है। वहीं 36 से 45 वर्ष आयु वर्ग के निवेशकों की हिस्सेदारी करीब 35 प्रतिशत है। इस प्रकार कुल मिलाकर 36 वर्ष से अधिक आयु के निवेशक पेंशन यूलिप निवेश का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा बना रहे हैं। यह दर्शाता है कि मध्यम आयु वर्ग रिटायरमेंट प्लानिंग को लेकर पहले से अधिक जागरूक हो रहा है।

स्थिरता की ओर बढ़ रहा झुकाव

दिलचस्प बात यह है कि 26 से 35 वर्ष आयु वर्ग के निवेशक गारंटीड रिटर्न प्लान्स को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। इस आयु वर्ग का इन योजनाओं में लगभग 50 प्रतिशत योगदान है। विशेषज्ञों का मानना है कि नौकरीपेशा युवाओं में वित्तीय अनुशासन और भविष्य की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में निश्चित आय और पूंजी सुरक्षा वाले उत्पाद उन्हें अधिक भरोसेमंद लग रहे हैं।

हर आय वर्ग के लिए विकल्प

पेंशन यूलिप और गारंटीड रिटर्न प्लान्स की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें छोटे निवेशक भी आसानी से शुरुआत कर सकते हैं। पेंशन यूलिप में निवेश कुछ हजार रुपये से शुरू होकर लाखों रुपये तक पहुंच सकता है। वहीं गारंटीड रिटर्न प्लान्स में भी कम मासिक प्रीमियम से निवेश शुरू करने की सुविधा उपलब्ध है।

निवेश संस्कृति का विस्तार

पहले निवेश संबंधी जागरूकता मुख्य रूप से महानगरों तक सीमित थी, लेकिन अब टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी वित्तीय योजनाओं के प्रति रुचि तेजी से बढ़ रही है। हालांकि मेट्रो शहर अभी भी निवेश में अग्रणी हैं, लेकिन छोटे शहरों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। यह संकेत है कि वित्तीय साक्षरता और डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म्स ने निवेश को देश के हर हिस्से तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

क्या पेंशन यूलिप और गारंटीड प्लान

- पेंशन यूलिप उपयुक्त हो सकते हैं यदिः
- आपका लक्ष्य रिटायरमेंट कॉर्पस बनाना है।
- निवेश अवधि लंबी है।
- आप बाजार आधारित वृद्धि चाहते हैं।
- बीमा और निवेश का संयोजन पसंद करते हैं।

गारंटीड रिटर्न प्लान

- जोखिम लेने की क्षमता सीमित है।
- पूंजी सुरक्षा प्राथमिकता है।
- भविष्य की निश्चित वित्तीय जरूरतों की योजना बना रहे हैं।
- हालांकि गारंटीड रिटर्न योजनाएं सुरक्षा प्रदान करती हैं, लेकिन निवेशकों को वास्तविक रिटर्न का मूल्यांकन महंगाई को ध्यान में रखकर करना चाहिए। इसी तरह यूलिप में निवेश से पहले शुल्क, लॉक-इन अवधि, फंड विकल्प और दीर्घकालिक रिटर्न की संभावनाओं को समझना जरूरी है।

अमेरिका ने किया राउंड ऑफ 32 के लिए क्वालिफाई

अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया

एजेंसी ▶▶| सिएटल

अपने स्टार स्ट्राइकर क्रिश्चियन पुलिसिच के बिना खेल रही अमेरिका की टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट दौर में प्रवेश कर लिया। यह पहला अवसर है जबकि अमेरिकी टीम ने पहले दो मैचों के बाद ही नॉकआउट राउंड में जगह बना ली। पिछली बार जब अमेरिका ने 1994 में विश्व कप की मेजबानी की थी, तब वह तीसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक होने के कारण क्वालीफाई कर गया था। तब वह अंतिम 16 में ब्राजील से हार गया था। एसी मिलान के लिए खेलने वाले और 87 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 33 गोल कर चुके पुलिसिच पिंडली की चोट के कारण मैच में नहीं खेल पाए।

96 साल बाद जीते दो शुरुआती मैच

अमेरिका के लिए इस जीत का महत्व सिर्फ क्वालिफिकेशन तक ही सीमित नहीं था। 1930 में हुए पहले वर्ल्ड कप के बाद यह पहली बार था जब अमेरिकी टीम ने पुरुषों के वर्ल्ड कप में अपने शुरुआती दो मैच जीते। उस समय अमेरिकियों ने बेल्जियम को 3-0 और पैराग्वे को 3-0 से हराया था और आखरि में तीसरे स्थान पर रहे थे, जो उनका अब तक का सबसे अच्छा वर्ल्ड कप नतीजा है।

आत्मघाती गोल के जरिए बढ़त

अमेरिका ने आत्मघाती गोल के जरिए बढ़त बनाई। बालोगुन ने 11वें मिनट में स्ट्राइकर रिकार्डो पेपी की ओर एक सटीक पास दिया। गेंद पेपी तक नहीं पहुंची और ऑस्ट्रेलिया के डिफेंडर कैमरुन बर्गेस से टकराकर गोल में चली गई, जिससे आत्मघाती गोल हो गया। टीम के सबसे युवा खिलाड़ी 21 वर्षीय एलेक्स फ्रीमैन ने 43वें मिनट में अमेरिका को 2-0 से आगे कर दिया।

ब्राजील से हराकर हैती बाहर होने वाली पहली टीम

फिलाडेल्फिया। विनीसियस जूनियर ने एक गोल किया और मैथियस कुन्हा के दोनों गोल में मदद की, जिससे पांच बार के चैंपियन ब्राजील ने हैती को 3-0 से पराजित करके उसे विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। हैती 1974 के बाद पहली बार विश्व कप में खेल रहा है।

वह मौजूदा विश्व कप में नॉकआउट राउंड की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है। दूसरी तरफ ब्राजील ने अपनी लय हासिल करके अगले दौर में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले स्टार खिलाड़ी कुन्हा को शुरुआती लाइनअप में जगह मिली। लिंकन फाइनेंशियल फील्ड में मौजूद 68,324 दर्शकों में से अधिकतर ब्राज़ील के प्रशंसक थे, जिन्हें कुन्हा ने 23वें मिनट में अपने करियर का पहला विश्व कप गोल करके रोमांचित कर दिया। इसके बाद उन्होंने 36वें मिनट में बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर ब्राजील को हैती की कमजोर टीम पर 2-0 की बढ़त दिला दी। विनीसियस ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में तीसरा गोल किया। ब्राजील के फॉरवर्ड राफिन्हा के शुरुआती गोल को ऑफसाइड के कारण अमान्य कर दिया गया था।

मैथियस कुन्हा ने दागे दो गोल

टूर्नामेंट का सबसे तेज गोल

माटियास ने 65 सेकंड में बॉल को नेट में पहुंचाया, पराग्वे ने तुर्किए को हराया

एजेंसी ▶▶| सांता क्लारा

माटियास गलार्जा ने खेल शुरू होने के 65 सेकंड के अंदर गेंद को नेट में पहुंचाकर मौजूदा विश्व कप का सबसे तेज गोल किया, जिससे पराग्वे ने अधिकतर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद तुर्किए को 1-0 से हराया। पराग्वे की इस जीत से यह सुनिश्चित हो गया कि अमेरिका ग्रुप डी में शीर्षक पर रहेगा। इससे तुर्किए की नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदें भी लगभग समाप्त हो गई। पराग्वे अगले गुरुवार को ग्रुप चरण के आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा, जिसमें ग्रुप में दूसरे स्थान का फैसला होगा। पराग्वे को दूसरा स्थान हासिल करने के लिए यह मैच जीतना जरूरी है। इस मैच में पराग्वे की जीत में गुस्तावो अल्फारो के किए लाइनअप में बदलाव का भी अहम योगदान रहा। माटियास को पहले मैच में नहीं खिलाया गया था, लेकिन तुर्किए के खिलाफ उन्हें शुरुआती लाइनअप में शामिल किया गया। उन्होंने मैच के शुरू होने के महज 65 सेकेंड के भीतर ही लगभग 25 गज की दूरी से बाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर गोल दागकर कोच के फैसले को सही साबित किया।

सैबारी ने दूसरे मिनट में किया गोल मोरक्को ने स्कॉटलैंड को हराया

एजेंसी ▶▶| फॉक्सबोरो

इस्माइल सैबारी ने गोल करने की अपनी काबिलियत का एक बार फिर से शानदार नमूना पेश करते हुए दूसरे मिनट में ही स्कोरशीट पर अपना नाम लिखवाया, जिससे मोरक्को ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप सी के मैच में स्कॉटलैंड को 1-0 से हराया। सैबारी को ब्राज़ील के खिलाफ विश्व कप में अपने पदार्पण मैच में गोल करने में केवल 21 मिनट लगे थे। लेकिन स्कॉटलैंड के खिलाफ जिलेट स्टेडियम में उन्होंने केवल 72 सेकंड में ही गोल कर दिया, जो निर्णायक साबित हुआ। इससे मोरक्को के लगातार दूसरी बार विश्व कप के नॉकआउट दौर में पहुंचने की उम्मीदें जीवंत रहीं। मोरक्को ने मैच की शुरुआत में ही अपनी शानदार पासिंग से स्कॉटलैंड को हैरान कर दिया। सैबारी स्कॉटलैंड के दो डिफेंडरों को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़े और ब्राहिम डियाज ने उन्हें गेंद पास की।

बहस के दौरान अलमिरोन ने ढका मुंह, मिला लाल कार्ड

सांता क्लारा। पराग्वे के मिडफील्डर मिगुएल अलमिरोन विश्व कप में मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड पाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह घटना पराग्वे और तुर्किए के बीच खेले गए ग्रुप डी के मैच के पहले हाफ के इंजरी टाइम के दौरान घटी, जब मिडफील्ड के पास फाउल के बाद अलमिरोन और मर्ट मुल्डर के बीच कहा-सुनी हो गई। अलमिरोन ने मुल्डर से कुछ कहते हुए अपना मुंह ढक लिया। इस पर मुल्डर ने तुरंत रेफरी इवान बार्टन से सजा देने की अपील की। बार्टन ने वीडियो समीक्षा का सहारा लिया और इस साल विश्व कप में लागू किए गए एक नए नियम के तहत अलमिरोन को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया।

खबर संक्षेप

एशियाई चैंपियनशिपः जूनियर टीम ने जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली। भारत की जूनियर पुरुष कलात्मक जिम्नास्टिक टीम ने चीन के जुनी में खेली जा रही एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। हर्षित दामोदरन, निषाद नरवाने, एसके नबीघ अली, अक्षत बजाज और मोहम्मद जैद अंसारी की युवा भारतीय टीम ने महाद्वीप की कुछ मजबूत टीमों के सामने शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय टीम ने 224.493 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया और पहली बार अपने नाम पर पदक दर्ज कराया।

डच लेडीज ओपन : संयुक्त पांचवें स्थान पर अवनि-दीक्षा

एमनेस। भारतीय महिला गोल्फरों ने लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा जब अवनि प्रशांत और दीक्षा डागर डच लेडीज ओपन के पहले दिन अच्छी शुरुआत करते हुए संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहीं। अवनि और दीक्षा ने गॉयर गोल्फ एंड कंट्री क्लब में तीन अंडर 69 का स्कोर बनाया। अवनि और दीक्षा संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रही चार खिलाड़ियों से एक शॉट पीछे हैं।

टीम इंडिया को झटका, इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर पंड्या

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या इंग्लैंड के खलिाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। पंड्या को बॉलिंग का वर्कलोड पूरा न कर पाने के कारण सीरीज से बाहर करने का फैसला लिया गया।

वह 10 ओवर का अपना पूरा कोटा नहीं डाल सके। भारतीय टीम को अगले महीने इंग्लैंड का दौरा करना है, जहां टी20 और वनडे सीरीज खेली जानी है। इससे पहले भारतीय वनडे टीम को पंड्या के रूप में बड़ा झटका लगा है।

1 जुलाई से भारत का इंग्लैंड दौरा

भारत का इंग्लैंड दौरा 1 जुलाई से शुरू होगा। 1 से 11 जुलाई के बीच 5पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच 14 से 19 जुलाई के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज नहीं खेल पाए पंड्या

पंड्या इससे पहले क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव के कारण अफगानिस्तान के खलिाफ वनडे सीरीज से भी बाहर हो गए थे। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पंड्या ने सीरीज से पहले एक सप्ताह जबरदस्त ट्रेनगि की थी और पूरा कोटा गेंदबाजी भी की थी, मगर फिर बेंगलुरु से रवाना होने से कुछ घंटे पहले उन्हें अपने क्वाड्रिसेप्स में तकलीफ महसूस हुई थी, जिस वजह से वह अफगानिस्तान के खलिाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे और अब स्पोर्ट्स तक को जानकारी मिली है कि वह इंग्लैंड के खलिाफ वनडे सीरीज से भी बाहर हो गए हैं।

लगातार दो जीत, अब द.अफ्रीका से भिड़ंत

महिला टी20 विश्वकप : आज शाम 7 बजे से हरमनप्रीत और वोल्वार्ट की टीमों में मुकाबला

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

भारतीय महिला टीम टी20 विश्व कप में शानदार शुरुआत के बाद अब रविवार को यहां ग्रुप वन के कठिन मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका जैसी खतरनाक टीम के सामने उस लय को कायम रखने की कोशिश करेगी।

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने पाकिस्तान पर 64 रन से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष ने बल्ले से योगदान दिया जबकि दीप्ति शर्मा ने पांच विकेट चटकाए। नीदरलैंड को दूसरे मैच में भारत ने 95 रन से हराया।

अब तक टी20 विश्व कप नहीं जीत सकी टीम इंडिया

पांच बार सेमीफाइनल में पहुंच चुकी भारतीय टीम अभी तक टी20 विश्व कप नहीं जीत सकी है। अब उसे अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और बेहतरीन गेंदबाजी के लिए विख्यात दक्षिण अफ्रीका की चुनौती से पार पाना है। यह मुकाबला दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी और भारत की बल्लेबाजी के बीच हो सकता है। पावरप्ले में तेजी से रन बनाने की मंधाना की काबिलियत और हरमनप्रीत के अनुभव के साथ शेफाली वर्मा और रिचा की आक्रामक बल्लेबाजी अहम होगी।

द.अफ्रीका के पास दबाव से निपटने का अनुभव

वहीं दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदें कप्तान लौरा वोल्वार्ट और मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर टिकी होंगी। दक्षिण अफ्रीका ने आस्ट्रेलिया से मिली पराजय के बाद पाकिस्तान को दो विकेट से हराकर वापसी की। दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट की सबसे प्रतिस्पर्धी टीमों में से है। पिछली बार टी20 विश्व कप फाइनल खेल चुकी इस टीम के पास दबाव से निपटने का काफी अनुभव है।

भारत ने दी चिली को 6-0 से शिकस्त, फाइनल में एंट्री

हॉकी महिला नेशंस कप कप्तान सलीमा चुनी गई 'प्लेयर आफ द मैच'

एजेंसी ▶▶| आकलैंड

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए चिली को 6-0 से हराकर एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत के लिए नवनीत कौर (छठा और 13वां मिनट) और दीपिका (14वां और 18वां) ने दो-दो गोल किए जबकि नेहा (32वां) और रुतुजा पिसाल (39वां) ने एक-एक गोल दागा। टूर्नामेंट में भारत की यह लगातार चौथी जीत है। 'प्लेयर आफ द मैच' चुनी गई कप्तान सलीमा टेटे ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। भारत का सामना फाइनल में अमेरिका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

टीम इंडिया ने बनाया रखा गेंद पर नियंत्रण

भारत ने शुरू ही से गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और पहले पेनल्टी कॉर्नर पर नवनीत के गोल की मदद से बढत बना ली। भारत की बढत जल्दी ही दुगुनी हो गई जब बाएं फ्लैंक से सलीमा ने दौड़कर नवनीत को गेंद सौंपी, जिसने गोल कर दिया। ड्रैग फ्लिकर दीपिका ने 18वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर तब्दील करके भारत की बढत 3-0 की कर दी। दीपिका के नाम अब टूर्नामेंट में सर्वाधिक छह गोल हो गए हैं।

सेमीफाइनल में हारीं अश्मिता

मकाऊ। अश्मिता चालिहा की महिला एकल के सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया की पार्क गा यून से सीधे गेम में हार के साथ भारत का मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया। विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज भारतीय खिलाड़ी 38 मिनट तक चले मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 61वें नंबर की खिलाड़ी पार्क से 17-21, 9-21 से हार गईं। जब अश्मिता ने 15-11 की बढ़त बनाई तो ऐसा लग रहा था कि वह पहला गेम जीत जाएंगी, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने लगातार छह अंक जीतकर जोरदार वापसी की और 16-15 से आगे हो गईं। भारतीय खिलाड़ी ने भी हार नहीं मानी और स्कोर 17-17 से बराबर कर दिया, लेकिन पार्क ने एक बार फिर अपने खेल का स्तर बढ़ाया और अगले चार अंक हासिल करके पहला गेम 21-17 से अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी का दबदबा बना रहा क्योंकि अश्मिता अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती रहीं।

प्रसिद्ध के 5 विकेट, जायसवाल का शतक

भारत ने अफगानिस्तान को हराकर क्लीनस्वीप किया

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

प्रसिद्ध कृष्णा (23 रन पर पांच विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के दूसरे शतक से भारत ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी के करियर के पहले शतक के बावजूद अफगानिस्तान को नौ विकेट से हराकर श्रृंखला में 3-0 से सूपड़ा साफ किया। अफगानिस्तान के 219 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अफगानिस्तान के बेहद खराब क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए जायसवाल (नाबाद 110 रन, 86 गेंद, 14 चौके, तीन छक्के) और रोहित शर्मा (79 रन, 69 गेंद, नौ चौके, तीन छक्के) के बीच पहले विकेट की 170 रन की साझदोरी से सिर्फ 28.4 ओवर में एक विकेट पर 224 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। अफगानिस्तान ने इससे पहले प्रसिद्ध की तूफानी गेंदबाजी के सामने 10वें ओवर में 36 रन तक चार विकेट गंवा दिए थे। शाहिदी ने हालांकि अंतिम बल्लेबाज के तौर पर आउट होने से पहले 131 गेंद में 13 चौकों और एक छक्के से 102 रन की पारी खेलने के अलावा अजमतुल्लाह उमरजई (50) के साथ पांचवें विकेट के लिए 117 गेंद में 105 रन की साझेदारी करके टीम को 218 रन के सम्माजनक स्कोर तक पहुंचाया। शाहिदी ने मोहम्मद नबी (21) के साथ भी छठे विकेट के लिए 53 गेंद में 57 रन की साझेदारी की। मेहमान टीम हालांकि अंत में 44.2 ओवर में सिमट गई। भारत को जायसवाल और रोहित की जोड़ी ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों को अफगानिस्तान के खराब क्षेत्ररक्षण का फायदा भी मिला।

विश्व बॉक्सिंग कप 2026: पुरुषों में दीपक फाइनल में, जुगनू और निखिल को कांस्य मिला

रोहतक की बेटी मीनाक्षी और ज्योति समेत 4 भारतीय मुक्केबाज फाइनल में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

चीन के गुइयांग में आयोजित हो रहे विश्व मुक्केबाजी कप 2026 में भारतीय मुक्केबाजों ने अपने पंच का दम दिखाते हुए दुनिया भर में देश का मान बढ़ाया है। भारत की स्टार मुक्केबाज और रोहतक (रूड़की) की बेटी मीनाक्षी हुड्डा सहित देश के चार मुक्केबाजों ने अपने-अपने वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही सेमीफाइनल में थमे सफर के बाद भारत की झोली में दो कांस्य पदक भी आ चुके हैं।

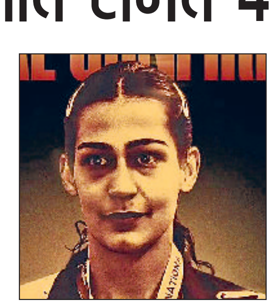

ज्योति गुलिया और प्राची ने भी फाइनल में गाड़े झंडे

मीनाक्षी के बाद 48 किलोग्राम वर्ग का जिम्मा संभाल रहीं पूर्व यूथ वर्ल्ड चैंपियन और यूथ ओलंपिक खेल चुकीं ज्योति गुलिया ने भी रिंग में अपना जज्बा दिखाया। उन्होंने स्टेज-1 विश्व कप की रजत पदक विजेता मैक्सिको की फातिमा हेरेरा को एक रोमांचक और बेहद करीबी मुकाबले में 3-2 से शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटाया। फाइनल में ज्योति का सामना उज्बेकिस्तान की फरजोना फोजिलोवा से होगा। वहीं, महिलाओं के 57 किलोग्राम वर्ग में प्राची ने फ्रांस की अमीना जिदानी पर 4-1 से आत्मविश्वास से भरी जीत दर्ज की। प्राची ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में पेरिस 2024 ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपे की वू शिह-यी को मात दी थी। फाइनल में प्राची का मुकाबला उज्बेक बॉक्सर निगीना उक्तामोवा से होगा।

पुरुषों में दीपक फाइनल में जुगनू-निखिल को कांस्य

पुरुषों के 70 किलोग्राम वर्ग में भारत के दीपक ने शानदार खेल दिखाते हुए फ्रांस के मकान ट्राओरे को 5-0 से करारी शिकस्त दी। अब स्वर्ण पदक के लिए दीपक की भिड़ंत कजाकिस्तान के अबलाइखान झुसुपोव से होगी। दूसरी ओर, सेमीफाइनल मुकाबलों में हार के साथ भारत का सफर दो कांस्य पदकों पर भी थमा। 85 किलोग्राम वर्ग में जुगनू को फ्रांस के जूनियर तादाह से 5-0 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि 55 किलोग्राम वर्ग में निखिल को अमेरिका के लोरेंजो पेट्रीसियो ने 5-0 से हराया। दोनों ही मुक्केबाजों ने देश के लिए कांस्य पदक सुरक्षित किए।

नए भार वर्ग में भी मीनाक्षी का जलवा अब चीनी ओलिंपिक चैंपियन से टक्कर

महिला 48 किलोग्राम वर्ग की मौजूदा चैंपियन और विश्व की नंबर-1 मुक्केबाज मीनाक्षी हुड्डा ने इस सीजन में अपना भार वर्ग बदला है। वर्ष 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में 48 किलोग्राम वर्ग शामिल न होने के कारण मीनाक्षी इस बार 51 किलोग्राम वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। नए भार वर्ग में भी उनका दबदबा कायम है। मीनाक्षी ने सेमीफाइनल के कड़े मुकाबले में स्पेन की लौरा फ्यूर्टेस को एकतरफा अंदाज में सर्वसम्मति (5-0) से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। इससे पहले क्वार्टर फाइनल में उन्होंने इस वर्ग की मौजूदा विश्व चैंपियन कजाकिस्तान की अलुआ बाल्किबेकोवा को नॉकआउट कर सनसनी मचा दी थी। फाइनल में अब उनका मुकाबला घरेलू दावेदार और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन वू यू से होगा।

प्रमुख शहरों को जोड़ने के लिए मोदी सरकार ने 7 नए बुलेट ट्रेन रूटों को दी हरी झंडी!

इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य देश के सबसे बड़े आर्थिक, औद्योगिक, तकनीकी और पर्यटन केंद्रों को आपस में तेज रफ्तार से जोड़ना है। इसके तहत दिल्ली, वाराणसी, लखनऊ, पुणे, हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे बड़े शहरों के बीच बुलेट ट्रेन चलाने का रास्ता साफ हो गया है

जल्द ही हर रूट का अध्ययन किया जाएगा, फिर अन्य तैयारी

मुंबई-पुणे बुलेट ट्रेन के रूट का काम अगले साल से शुरू

भारत में हाई स्पीड रेल का सपना होगा पूरा

एजेंसी ▶▶ पटना

भारत में हाई-स्पीड रेल यानी बुलेट ट्रेन का सपना देख रहे लोगों के लिए केंद्र सरकार ने एक बहुत बड़ी खुशखबर दी है। देश की पहली मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना पर चल रहे काम के बीच, मोदी सरकार ने देश के अन्य प्रमुख शहरों को जोड़ने के लिए 7 नए बुलेट ट्रेन रूटों की पहचान कर उन्हें मंजूरी दे दी है। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य देश के सबसे बड़े आर्थिक, औद्योगिक, तकनीकी और पर्यटन केंद्रों को आपस में तेज रफ्तार से जोड़ना है। इसके तहत दिल्ली, वाराणसी, लखनऊ, पुणे, हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे बड़े शहरों के बीच बुलेट ट्रेन चलाने का रास्ता साफ हो गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिहार की राजधानी पटना में यह जानकारी दी।

अहमदाबाद से मुंबई के बीच चलने वाली भारत की पहली बुलेट ट्रेन की तस्वीर

ये हैं वो 7 नए मार्ग

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

मंत्री वैष्णव ने बताया कि सरकार द्वारा प्रस्तावित किए गए नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की सूची में मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी शामिल हैं। हालांकि सरकार ने अभी तक इन नए रूटों पर निर्माण कार्य शुरू होने की कोई निश्चित तारीख घोषित नहीं की है। जमीन पर काम शुरू होने से पहले सरकारी मंजूरी, फंडिंग की व्यवस्था और भूमि अधिग्रहण जैसी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। सरकार जल्द ही हर रूट की व्यवहार्यता का अध्ययन करेगी।

समय की होगी बचत

रेल मंत्री ने बताया कि बुलेट ट्रेन नेटवर्क तैयार होने के बाद दो शहरों के बीच यात्रा के समय में भारी कटौती आएगी। सरकार द्वारा जारी अनुमानित समय इस प्रकार है। मुंबई से पुणेः मात्र 48 मिनट, बेंगलुरु से चेन्नईः मात्र 73 मिनट (1 घंटा 13 मिनट), मुंबई से अहमदाबाद (पहला प्रोजेक्ट): 1 घंटा 57 मिनट, पुणे से हैदराबादः 2 घंटे 8 मिनट, बेंगलुरु से हैदराबादः 2 घंटे 10 मिनट, दिल्ली से लखनऊः 2 घंटे, दिल्ली से वाराणसीः 3 घंटे 15 मिनट और दिल्ली से सिलीगुड़ीः 6 घंटे।

4 घंटे 41 मिनट में पटना से दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आने वाले समय में बिहार में बुलेट ट्रेन आएगी। ये ट्रेन दिल्ली से लखनऊ, लखनऊ से वाराणसी, वाराणसी से पटना और पटना से सिलिगुड़ी तक जाएगी। इसके बाद दिल्ली से पटना की यात्रा मात्र 4 घंटे और 41 मिनट की रह जाएगी। आने वाले समय में इसके लिए भी तैयारी शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में बिहार में रेल इंफ्रा के विस्तार के लिए 10 हजार करोड़ रुपए दिए हैं।

अगले साल शुरू होगी पहली बुलेट ट्रेन

वैष्णव ने बताया कि पहली बुलेट ट्रेन अहमदाबाद से मुंबई के बीच में अगले साल शुरू होने वाली है। इससे पहले रेल मंत्री ने कहा था कि भारत ने अब स्वयं बुलेट ट्रेन बनाने की क्षमता रखता है। उन्होंने अगले साल मुंबई-पुणे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर काम शुरू करने की घोषणा की है।

खबर संक्षेप

गांदरबल में 'नारानाग' पर्यटन स्थल फिर से खुला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को गांदरबल जिले में स्थित पर्यटन स्थल 'नारानाग' को फिर से खोलने का आदेश दिया। पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इसे बंद कर दिया गया था और यह लगभग 14 महीने तक बंद रहा। मध्य कश्मीर के इस जिले में स्थित इस लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर भगवान शिव को समर्पित आठवीं सदी का नारानाग मंदिर भी है। उप राज्यपाल ने कहा कि सुरक्षा की पूरी समीक्षा के बाद नारानाग मंदिर को श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए खोलने का फैसला किया गया है।

भीषण आग से रिसॉर्ट तबाह, 1 की मौत

सैंटो डोमिंगो। डोमिनिकन गणराज्य में एक लक्जरी रिसॉर्ट में भीषण आग लग गई जिसके बाद करीब 1,700 पर्यटकों को वहां से सुरक्षित निकाला गया। आग की इस घटना में इटली के एक पर्यटक की मौत हो गई जबकि कई अन्य पर्यटकों को चिकित्सकीय सहायता दी गई। 'वीवा डोमिनिकस बीच बाय विन्धम रिज़ॉर्ट' डोमिनिकन गणराज्य के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित बायाहिबे में है, जो अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के बीच एक लोकप्रिय जगह है। आग लगने के कारण की जांच की जा रही है। आसपास के रिसार्ट सुरक्षित हैं।

दो बम धमाकों से थर्राया पाकिस्तान, 7 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले में शनिवार को सड़क किनारे हुए दो बम धमाकों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। फिलहाल किसी भी समूह ने इस आत्मघाती कृत्य की जिम्मेदारी नहीं ली है और सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पहला इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट एक यात्री वैन को निशाना बनाकर किया गया। जिसमें पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके तुरंत बाद, उसी स्थान पर राहत और बचाव कार्य में जुटे लोगों को निशाना बनाकर दूसरा धमाका किया गया, जिसमें दो और लोगों की जान चली गई। यह धमाका बन्नू जिले के मार्का बेरा इलाके में हुआ। बन्नू जिला पुलिस अधिकारी यासिर अफरीदी ने यह जानकारी दी।

एक्सियोस को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी की प्रशंसा की

कहा- वे महान इंसान और नेता, लंबे समय तक सत्ता में बने रहना उनकी बड़ी उपलब्धि

इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने कई बार पीएम मोदी की नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मोदी का लंबा राजनीतिक कार्यकाल, मजबूत नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी पहचान उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाती है

दुनिया के सबसे सम्मानित नेताओं में शामिल

राजनीतिक स्थिरता का उदाहरण हैं पीएम मोदी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें एक महान नेता और बेहद सख्त व्यक्तित्व वाला इंसान बताया है। एक्सियोस को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने पीएम मोदी को उन वैश्विक नेताओं में शामिल किया, जिनकी वह सबसे अधिक प्रशंसा करते हैं। इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने कई बार पीएम मोदी की नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मोदी का लंबा राजनीतिक कार्यकाल, मजबूत नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी पहचान उन्हें अन्य नेताओं से अलग बनाती है। ट्रंप ने कहा कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में लंबे समय तक सत्ता में बने रहना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। ट्रंप ने कूटनीति और वैश्विक नेतृत्व जैसे विषयों पर अपने विचार रखे।

फ्रांस में जी7 सम्मेलन के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप

जी7 समिट के संदर्भ में किया उल्लेख

हाल ही में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल नेताओं का जिक्र करते हुए ट्रंप ने पीएम मोदी की मौजूदगी को विशेष रूप से याद किया। उन्होंने सरकारों के प्रमुखों और वैश्विक नेताओं की बैठक का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के पीएम एक महान इंसान हैं।

मोदी बेहद मजबूत नेता

जब ट्रंप से पूछा गया कि वह एक महान नेता को कैसे परिभाषित करते हैं, तो उन्होंने पीएम मोदी को राजनीतिक स्थिरता का उदाहरण बताया। ट्रंप ने कहा कि मैंने जीवन भर भारत के बारे में यही देखा कि वहां नेतृत्व तेजी से बदलता रहा। कोई छह महीने तो कोई एक साल तक रहता था। फिर नरेंद्र मोदी पीएम बने। वे 12 साल से अधिक समय से पद पर हैं और बेहद मजबूत नेता हैं।

शांत लेकिन बहुत सख्त भी

ट्रंप ने कहा कि पीएम मोदी शांति के साथ राजनीतिक सख्ती को भी दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि वह ऐसा आचरण करते हैं जैसे सब कुछ बहुत शांत है, लेकिन वह शांत स्वाभाव के इंसान नहीं हैं। वह बहुत सख्त इंसान हैं। मैं उन्हें काफी अच्छी तरह जानता हूं।

भारत काफी बड़ा देश

जब ट्रंप से उन नेताओं के बारे में पूछा गया जिनकी नेतृत्व क्षमता और प्रभाव उन्हें सबसे अधिक प्रभावित करते हैं, तो उन्होंने पीएम मोदी का नाम प्रमुखता से लिया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पीएम मोदी बहुत अच्छे हैं। वे एक बेहतरीन नेता हैं। वहां 1.5 बिलियन (150 करोड़) लोग हैं। भारत वास्तव में सबसे बड़ा है।

युद्ध से दूर रहना, समझदारी भरा कदम

ट्रंप ने भारत की हालिया आर्थिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने आर्थिक दृष्टि से कुछ बहुत अच्छे आंकड़ों की घोषणा की है। वह युद्ध से दूर रहते हैं, जो एक समझदारी भरा कदम है।

क्यूबा में हो सकती है सैन्य कार्रवाईः ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को लेकर बड़ा बयान दिया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या क्यूबा में भी वेनेजुएला जैसी सैन्य कार्रवाई हो सकती है, तो ट्रंप ने जवाब दिया कि यह संभव है, ऐसा हो सकता है। ट्रंप ने क्यूबा और वेनेजुएला की तुलना करते हुए कहा कि दोनों मामलों में एक बड़ा अंतर है। वेनेजुएला के पास तेल है, जबकि क्यूबा के पास तेल नहीं है। लेकिन क्यूबा के पास अच्छी प्रॉपर्टी है और शानदार समुद्री तट हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि वेनेजुएला नजदीक है और क्यूबा तो बिल्कुल पड़ोस में है। ईरान बहुत दूर है। उनके इस बयान को कई विश्लेषक संभावित सैन्य कार्रवाई की ओर इशारा मान रहे हैं।

जेडी वेंस ने खोली मुनीर-शहबाज की पोल

ईरान-अमेरिका एमओयू जारी होने में देरी के लिए पाकिस्तान जिम्मेदार!

पाकिस्तान और कतर में प्रेस की आजादी नहीं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

जेडी वेंस शहबाज शरीफ

अमेरिका-ईरान शांति समझौता के मुख्य मध्यस्थ पाकिस्तान को अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रेस की आजादी नहीं होने के लिए घेरा है। पाकिस्तानी आर्मी चीफ असीम मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ लगातार इस समझौते के लिए अपनी पीठ ठोक रहे हैं। वहीं वेंस का कहना है कि पाकिस्तान और कतर (अन्य मध्यस्थ) में अमेरिका जैसी प्रेस फ्रीडम होती तो एमओयू (समझौता ज्ञापन) की पूरी जानकारी जल्दी ही दुनिया को मिल जाती। वेंस का कहना है कि पाकिस्तान की वजह से एमओयू जारी होने में देर हुई। वेंस ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने 15 जून को ईरान के साथ अंतरिम शांति समझौते की घोषणा की थी लेकिन इस एमओयू का पूरा आधिकारिक टेक्स्ट दो दिन बाद जारी किया गया। ईरान के साथ हुए एमओयू की जानकारी जारी करने में हुई देरी की एक वजह पाकिस्तान में प्रेस की आजादी के कमजोर मानक रहे हैं। पारदर्शिता को लेकर चिंताओं के कारण जारी करने में अमेरिका को समय लगा।

होर्मुज फिर बंद, तेहरान की सख्त चेतावनी

ईरान की संयुक्त मिलिट्री कमांड ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जहाजों की आवाजाही बंद करने की घोषणा की है। इसके पीछे उन्होंने युद्ध खत्म करने वाले समझौते (एमओयू) का अमेरिका द्वारा उल्लंघन, दक्षिणी लेबनान से सेना न हटाने और इजराइल की ओर से लगातार युद्धविराम का उल्लंघन करने का कारण बताया है। ईरान ने इसे पहला कदम बताते हुए चेतावनी दी है कि अगर उल्लंघन जारी रहा, तो और भी कदम उठाए जाएंगे। बता दें, अमेरिका और ईरान ने इस हफ्ते एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने की घोषणा की गई थी। वहीं, अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर समझौते की खबरों के कुछ ही घंटों बाद शनिवार को दक्षिणी लेबनान में इजराइली हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं।

होमुर्ज से गुजरने देना होगा आवेदन

पहले होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए किसी विशेष अनुमति की जरूरत नहीं होती थी। जहाज अंतरराष्ट्रीय समुद्री नियमों के तहत इस रास्ते का इस्तेमाल करते थे। लेकिन अब ईरान ने पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए) नाम की नई संस्था बनाकर पूरी प्रक्रिया बदल दी है। पीजीएसए ने स्पष्ट किया है कि जहाजों को होर्मुज क्षेत्र में पहुंचने से कम से कम 48 घंटे पहले आवेदन जमा करना होगा। अब हर जहाज को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन करने के बाद ही उसे आगे बढ़ने की अनुमति मिलेगी। यानी अब होर्मुज से गुजरने का रास्ता स्वतः खुला नहीं रहेगा, बल्कि अनुमति आधारित होगा। ईरान का कहना है कि इससे समुद्री सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत किया जा सकेगा।

विदेश मंत्रालय ने दी है यह जानकारी

स्लोवाकिया में भारत के नए राजदूत होंगे वी.वी सपकाल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय विदेश सेवा के वर्ष 1998 बैच के आईएफएस अधिकारी विश्वास विदु सपकाल स्लोवाकिया में भारत के नए राजदूत होंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह घोषणा की है।

वर्तमान में वह पेरू में भारत के राजदूत के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मंत्रालय ने बताया कि जल्द ही सपकाल अपनी इस नई जिम्मेदारी को संभालेंगे। पूर्व में वह फिजी, कुक आइलैंड्स, किरिबाती, नाउरू, टोंगा, तुवालू और वानुआतु में भारत के उच्चायुक्त और रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में देश महावाणिज्य दूत के रूप में कार्य कर चुके हैं।

पीएम को मिला सर्वोच्च सम्मान

यहां बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में अपनी स्लोवाकिया की राजकीय यात्रा पूरी करने के बाद स्वदेश लौटे हैं। यह वर्ष 1993 के बाद की गई किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली स्लोवाकिया की यात्रा थी।

जिसमें पीएम मोदी ने स्लोवाकिया के राष्ट्रपति और अपने समकक्ष प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की थी। स्लोवाकिया ने प्रधानमंत्री को अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से भी सम्मानित किया था।

लंदन में दो ट्रेनों की टक्कर 1 की मौत, कई घायल

लंदन। उत्तरी लंदन में शुक्रवार दोपहर दो ट्रेन की टक्कर होने से कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। दोनों ट्रेन लंदन के सेंट पैनक्रास स्टेशन जा रही थीं और शाम करीब सवा पांच बजे (स्थानीय समयानुसार) बेडफोर्ड शहर के बाहर उनकी टक्कर हो गई। इसके बाद आपात सेवा दलों को तत्काल घटनास्थल पर भेजा गया।

---

4 देश आपसी हितों को लेकर करेंगे चर्चा

मिस्र की राजधानी कायरो में आज 'इस्लामिक नाटो' की अहम बैठक

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

ईरान युद्ध के बीच मुस्लिम देशों का 'इस्लामिक नाटो' बनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया है कि देश के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार रविवार को मिस्र जाएंगे। वहां वे मिस्र, सऊदी अरब और तुर्की के अपने समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे। ये चारों देश मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा और कूटनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा करने की तैयारी कर रहे हैं। माना जा रहा है कि ये चारों देश नाटो की तर्ज पर एक इस्लामिक संगठन बनाने की कोशिश कर रहे हैं जिसका मकसद एक देश पर हमला सभी देशों पर हमला माना जाएगा। काहिरा में होने वाली यह आर-4 बैठक इन देशों की चौथी बैठक होगी। बैठक में मिस्र, सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के विदेश मंत्री एक साथ आएंगे और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा करेंगे और शांति, सुरक्षा और स्थिरता से जुड़े मुद्दों पर बातचीत करेंगे।

विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। मंत्री आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा करेंगे। बता दें, आर-4 एक कूटनीतिक ढांचा है जिसे इस साल मार्च में मिस्र, सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने शुरू किया था। अमेरिका-ईरान संघर्ष और मध्य पूर्व में व्यापक अस्थिरता के दौरान इन चारों देशों ने आपस में बातचीत तेज कर दी थी।

न्यूयॉर्क में योग के लिए जुटे लोग

न्यूयॉर्क। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में न्यूयॉर्क में हजारों लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया। इस वैश्विक उत्सव का उद्देश्य शारीरिक और आध्यात्मिक कल्याण के साथ-साथ प्रकृति के साथ सामंजस्य को बढ़ावा देना है। भारतीय के वाणिज्य दूतावास ने 'टाइम्स स्क्वायर एलायंस' के साथ मिलकर इस विशाल कार्यक्रम का आयोजिन किया, जिसमें विभिन्न देशों के हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और योग के विभिन्न सत्रों में योगाभ्यास किया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109